फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 53 प्रभात जयपुर, मंगलवार 23 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Qaiqabad- Wine And Women Did Him In!

Qaiqabad's lifeless body was thrown out of the window into the waters below. Thereafter, Malik Firuz seized the throne, ended the Mamluks' rule and established the Khiljis' Dynasty in CE 1290

He Forgot How To Fly

Fascinating Animal Facts: Nature's Surprising Tricks and Talents

जीएसटी दरों में कमी होने का श्रेय मोदी सरकार को देना पूर्णतया उचित है

पर, डॉ. केलकर व डॉ. असीम दासगुप्ता, जिन्होंने जीएसटी प्रोग्राम को देश का सबसे सफल कार्यक्रम बनाया, उनकी तारीफ करने से चूकना भारी गलती होगी

- डॉ. विजय केलकर ने यह कल्पना की थी और विज़न दिया था कि देश में एक यूनिफॉर्म टैक्स हो, गुड्स व सर्विस के लिए। उस समय वे केन्द्रीय वित्त सचिव थे। डॉ. असीम दासगुप्ता एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इकॉनमिस्ट तथा कोलकता विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे। अमेरिका में विश्वविद्यालय में पढ़ाने के बाद, प.बंगाल के वित्त मंत्री थे तथा उन्होंने पूर्ण रेखा तैयार की, जीएसटी व्यवस्था की तथा भारी भरकम ''बाइबल'' तैयार की, कायदे-कानून की।
- जब मोदी सरकार आई, तब जीएसटी के दूध के दाँत टूटने की प्रक्रिया व प्रारंभिक दिनों की उलझनों को, इन दोनों व्यक्तियों ने काफी हद तक सुलझा लिया था।
- पर, मोदी सरकार ने हिम्मत दिखाई व राजनीतिक निर्णय लिया, जीएसटी को क्रियान्वित करने का और यह प्रोग्राम इतनी सफलता से चला कि अब दिवाली से पूर्व जीएसटी की दरें घटाना भी संभव हो पाया है।
- राजनीतिक निर्णय आसान काम नहीं था। उदाहरण के लिए, गुजरात के मु.मंत्री के रूप में मोदी जी ने इस प्रोग्राम का विरोध किया था, पर, फिर प्र.मंत्री कार्यकाल में उनकी सरकार ने पूर्ण सहयोग व नेतृत्व प्रदान किया, इस प्रोग्राम को क्रियान्वित करने में।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का, जीएसटी दरों में कटौती से पहले देश के नाम संबोधन, पूरी तरह से एक राजनीतिक कदम था।

जीएसटी परिषद, जो जीएसटी व्यवस्था में अंतिम संशोधन करने के लिए सक्षम निकाय है, द्वारा जीएसटी में सुधार और पुर्नव्यवस्था की गई है। इसकी लागू होने की तारीख भी काउंसिल ने ही तय की है।

सबसे पहले, यह याद रखना ज़रूरी है कि दरों में इस तरह की कमी इसलिए संभव हुई, क्योंकि जीएसटी प्रणाली अब तक बहुत सफल रही है और जीएसटी संग्रह उम्मीद से कहीं अधिक रहा है।

इन घटनाक्रमों के पीछे भारतीय अर्थव्यवस्था की अच्छी स्थिति भी है, जो तमाम मुश्किलों के बावजूद, अपेक्षाकृत उच्च विकास दर से आगे बढ़ रही है।

इसमें कोई शक नहीं कि सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी इस कदम के जरिए अपनी जनहितैषी छवि पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यह मौजूदा लाभ असल में कई सालों तक अनेक नीति-निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों और अधिकारियों की लंबी मेहनत का नतीजा है।

इस संदर्भ में डॉ. विजय केलकर का नाम ज़रूर लिया जाना चाहिए, जिन्होंने सबसे पहले देशभर में एक समान वस्तु और सेवा कर लागू करने का खाका तैयार किया था। डॉ. केलकर उस समय वित्त मंत्रालय में वित्त सचिव थे और एक अनुभवी आर्थिक प्रशासक रहे हैं।

इसके बाद, जब अप्रत्यक्ष करों के इतने बड़े ढांचे को बदलने का कठिन काम शुरू हुआ, तो एक राज्य के वित्त मंत्री, जिन्हें पर्दे के पीछे के उनके अथम परिश्रम के लिए नज़रअदांज नहीं किया जा सकता, का नाम सामने आता है। ये हैं डॉ. असीम दासगुप्ता। अमेरिका से पढ़ाई करके लौटने के बाद कलकत्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

90 करोड़ रूपए की राशि पर जीएसटी चोरी करने वालों की जमानत अर्ज़ी खारिज

जयपुर, 22 सितंबर। आर्थिक अपराध मामलों की एसीजेएम कोर्ट, महानगर द्वितीय ने ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए अर्जित की गई 90 करोड़ रुपए की राशि पर जीएसटी चोरी करने वाले आरोपियों की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया है। अदालत ने ये आदेश आरोपी मनोज कुमार और जगदीश की जमानत अर्जियों पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि आरोपियों पर कर

- ऑनलाइन गेमिंग के जरिए शेफबिज स्पाइस प्रा.लि. और इनोवा लैंडिंग गेम्स प्रा.लि. ने 90 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त की, पर कोई जीएसटी नहीं दिया।

चोरी का गंभीर आरोप है, जो देश की अर्थ व्यवस्था को प्रभावित करने वाला अपराध है। यह वाइट कॉलर क्राइम है और इस स्तर पर उन्हें जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। विशेष लोक अभियोजक जितेन्द्र सिंह पूनिया ने बताया कि डीजीजीआई उदयपुर जोन क्षेत्रीय इकाई की ओर से खुफिया जानकारी से पता चला कि ऑनलाइन गेमिंग की सेवाओं के जरिए मै. शेफबिज स्पाइस प्रा.लि. और इनोवा लैंडिंग गेम्स प्रा.लि. ने 90 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की है, लेकिन उनकी रिटर्न से पता चला कि उन्होंने इस राशि पर कोई जीएसटी नहीं दिया और इस तरह करोड़ों रुपए की जीएसटी चोरी की गई है। आरोपियों ने दोनों कंपनियों के नाम पर करोड़ों रुपए का लेन-देन कर जीएसटी की चोरी व धोखाधड़ी का अपराध किया है। मामले में अनुसंधान जारी है, इसलिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार के चुनाव में अडानी औद्योगिक घराना अनायास एक बड़ा मुद्दा बन गया है?

अडानी ग्रुप को 1050 एकड़ भूमि एक रूपया प्रति वर्ष के दाम पर आवंटित की गई है, भागलपुर में एक थर्मल प्लांट लगाने के लिए

- सरकार का कहना है, अडानी ग्रुप 24,000 मेगावाट क्षमता का पावर प्लांट लगाएगा, जिससे 12,000 लोगों को रोजगार मिलेगा तथा 3,000 लोगों को स्थाई नियुक्ति।
- बिहार के उद्योग मंत्री ने स्पष्ट करते हुए कहा, यह भूमि इसी दर पर बिहार स्टेट पावर जैनरेशन कंपनी को आवंटित की गई तथा कॉरपॉरेशन ने पावर प्लांट लगाने के लिए निविदा आमंत्रित की थी तथा ''पारदर्शी'' प्रक्रिया से यह पावर प्लांट लगाने का काम अडानी ग्रुप ने प्राप्त किया और फिर भूमि भी उन्हें मिली प्लांट लगाने के लिए।
- अडानी ग्रुप की गतिविधियाँ महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व झारखंड चुनाव में भी मुद्दा थीं। महाराष्ट्र, व छत्तीसगढ़ में अडानी ग्रुप के मुद्दे चुनाव के नतीजों को प्रभावित नहीं कर पाये थे। पर, झारखंड में अडानी ग्रुप की गतिविधियों की वजह से भारी राजनीतिक हंगामा सा रहा था।
- बिहार के चुनाव में क्या कुछ ऐसा होगा?

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव एक सियासी थ्रिलर की शक्ल लेता जा रहा है, जिसमें आरोप-प्रत्यारोप की झड़ी लगी हुई है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा पर वोट चोरी का आरोप, चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर (संस्थापक, जन सुराज पार्टी) द्वारा बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और तीन अन्य एनडीए मंत्रियों- मंगल पांडे, अशोक चौधरी और संजय जायसवाल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, और अब, बिहार कांग्रेस द्वारा राज्य सरकार के एक निर्णय के खिलाफ राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। बिहार सरकार ने भागलपुर के पीरपैंती में अडानी समूह को मात्र 1 रुपया वार्षिक किराए पर 1050 एकड़ जमीन लीज़ पर देने का फैसला किया है। इस ज़मीन पर थर्मल पावर प्लांट बनना है।

इससे पहले भी, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और झारखंड के विधानसभा चुनावों के दौरान अडानी समूह का नाम विपक्षी हमलों के निशाने पर रहा था।

हालांकि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में विपक्ष द्वारा अडानी ग्रुप पर लगाये गये आरोपों, जो असल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भाजपा के खिलाफ थे, का कोई खास असर नहीं दिखा, लेकिन झारखंड में यह मुद्दा अहम बना। अब सवाल यह उठता है: क्या बिहार चुनावों में ''अडानी फैक्टर'' वाकई निर्णायक भूमिका निभाएगा?

अडानी समूह ने भागलपुर के पीरपैंती में लगभग 3 बिलियन डॉलर (करीब 25,000 करोड़) के निवेश से 2400 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट लगाने की योजना बनाई है तथा ग्रुप का कहना है कि इसमें 800-800 मेगावाट की तीन यूनिट्स होंगी तथा 12,000 नौकरियाँ, तथा 3000 स्थायी पद सृजित होंगे।

बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा के अनुसार, यह जमीन पहले बिहार स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) को 1 रुपया सालाना लीज़ पर दी गई थी, और बाद में इसे एक पारदर्शी बोली प्रक्रिया के तहत अडानी समूह को स्थानांतरित किया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एच-1बी वीज़ा पर ट्रंप का आदेश आते ही सैन फ्रैंसिस्को एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

एमिरेट्स फ्लाइट से भारत आ रहे अमेरिकन एनआरआई आनन-फानन में विमान से उतर गए

- शुक्रवार को घटी इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में देखा गया कि भारत जाने के लिए एमिरेट्स की फ्लाइट में बैठे यात्री ट्रंप का वीज़ा शुल्क बढ़ाने का आदेश आते ही उतर गए। उन्हें डर था कि अगर वे चले गए तो शायद अमेरिका लौट ना पाएं।
- इससे फ्लाइट तीन घंटे लेट हो गई। फ्लाइट कैप्टन ने भी घोषणा की, मौजूदा अभूतपूर्व हालात को देखते हुए जो लोग विमान से उतरना चाहें वे उतर सकते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा एच-वन बी वीज़ा के लिए आवेदन शुल्क एक लाख डॉलर तय करने का आदेश देने के बाद, कई भारतीय यात्री टेकऑफ़ से ठीक पहले एक एमिरेट्स विमान से उतर गए।

यह घटना सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई, जहाँ भारत जा रही एमिरेट्स की एक उड़ान में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों के उतरने के कारण उड़ान तीन घंटे देरी से रवाना हुई।

एमिरेट्स की उस उड़ान में सवार एक यात्री ने सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो साझा किए, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे लोग घबराहट में विमान से उतर रहे हैं, उन्हें डर था कि वे अमेरिका वापस नहीं लौट पाएंगे।

एक वीडियो में यात्री गलियारों में खड़े दिखाई दे रहे हैं, कुछ अपने मोबाइल फोन पर व्यस्त हैं, और कई लोग हतप्रभ होकर यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि उड़ान रवाना होगी या नहीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाक वायुसेना ने अपना ही गांव तबाह किया

नयी दिल्ली, 22 सितंबर। पाकिस्तान की वायुसेना ने अपने ही देश के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक गांव में भारी बमबारी की। अचानक हुए इस

- पाक वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक गांव पर भारी बमबारी की जिसमें 30 से ज्यादा लोग मारे गए व सैकड़ों घायल हो गए।

हमले में तिराह घाटी का मत्रे दारा गांव तबाह हो गया, हमले में कम से कम 30 लोग मारे गये और सैकड़ों अन्य घायल हो गये। मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

यह हमला 21 सितंबर की रात को किया गया और कई स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने अपने चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों से गांव पर कम से कम आठ एलएस -6

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत से दो बार हार कर भी एशिया कप फाइनल में पहुँच सकता है पाकिस्तान

रविवार को भारत से दूसरी बार हारने से पाकिस्तान को झटका तो लगा, पर उम्मीदें अभी मरी नहीं हैं

- एशिया कप सुपर 4 फॉर्मेट पर आयोजित किया जा रहा है। इसलिए अभी भी पाकिस्तान के पास मौका है।
- पाकिस्तान को मंगलवार को श्रीलंका और गुरुवार को बाँग्लादेश को हराना होगा, अगर वह इसमें सफल होता है तो फाइनल में पाकिस्तान को भारत के खिलाफ खेलना होगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच एक और मुकाबला हो सकता है, अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं। तो आइए समझते हैं, ऐसा कैसे संभव हो सकता है।

सुपर-4 चरण में रविवार को भारत के खिलाफ 6 विकेट की हार ने पाकिस्तान की फायनल के लिये क्वालिफाइ करने की उम्मीदों को झटका दिया है। लेकिन यह हार पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर नहीं करती, क्योंकि यह नॉकआउट मुकाबला नहीं था, बल्कि राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला गया सुपर-4 मुकाबला था।

जहाँ, भारत ने इस जीत के साथ फाइनल की ओर एक मज़बूत कदम बढ़ा दिया है, वहीं, सलमान आगा की अगुवाई में पाकिस्तान को बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने होंगे, ताकि वे टूर्नामेन्ट में सूर्यकुमार यादव की टीम से तीसरी बार भिड़ सकें।

पाकिस्तान का अगला सुपर- 4 मैच मंगलवार को श्रीलंका से होगा। श्रीलंका ने ग्रुप-बी में सभी तीन मैच (बांग्लादेश, अफगानिस्तान, हांगकांग) जीतकर टॉप किया था, लेकिन सुपर-4 का पहला मुकाबला वे शनिवार को बांग्लादेश से हार चुके हैं।

पाकिस्तान को हर हालत में श्रीलंका को हराना होगा। अगर पाकिस्तान श्रीलंका से हारता है, तो टूर्नामेंट से उसका बाहर होना तय माना जा सकता है।

अगर पाकिस्तान, श्रीलंका को हरा देता है, तो उसका अगला मुकाबला गुरुवार को बांग्लादेश से होगा। अगर पाकिस्तान यह मैच भी जीतता है, तो उनकी फाइनल की राह लगभग तय हो जाएगी। एशिया कप फायनल रविवार को होगा। ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि अभी श्रीलंका और बांग्लादेश भी फायनल की दौड़ से बाहर नहीं हुये हैं। जहाँ बांग्लादेश ने पहले ही एक जीत दर्ज कर ली है, वहीं, श्रीलंका की टीम भी किसी भी टीम को हराने की क्षमता रखती है।

हालाँकि भारत ने सुपर-4 में पाकिस्तान को हराकर शानदार शुरुआत की है, लेकिन फाइनल में उसकी जगह अभी पक्की नहीं हुई है।

भारत को दो और मैच खेलने हैं, बुधवार को बांग्लादेश से, तथा शुक्रवार को श्रीलंका से। भारत को फायनल में पहुंचने के लिये, इनमें से कम से कम एक मैच और जीतना होगा। लेकिन सूर्यकुमार यादव की टीम अपने शत प्रतिशत जीत के रिकॉर्ड को बरकरार रखना चाहेगी और सुपर 4 के शेष दोनों मुकाबले जीतने की कोशिश करेगी।

चीन ने ''के वीज़ा'' शुरु किया

बीजिंग, 22 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा एच-1बी वीज़ा पर भारी भरकम फीस लगाने के बाद पूरी दुनिया में अफरा-तफरी का माहौल है। ट्रंप के फैसले से खासकर भारत को तगड़ा झटका लगा है। मगर, जहां एक तरफ अमेरिका विदेशी

- ट्रंप के एच-वन बी वीज़ा का शुल्क बढ़ाने के आदेश के बाद चीन ने ग्लोबल टैलेंट को आकर्षित करने के लिए वीज़ा की नई कैटेगरी शुरु की है।

कर्मचारियों के लिए अपने दरवाजे बंद कर रहा है, तो दूसरी तरफ चीन ने ग्लोबल टैलेंट्स के लिए दरवाजे खोलने का फैसला कर लिया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अब समय आ गया है कि मानहानि को अपराध की कैटगरी से बाहर कर दिया जाए' - सुप्रीम कोर्ट

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बहस करते हुए कहा कि भारत ही उन चन्द लोकतांत्रिक देशों में एक है, जहाँ मानहानि को ''क्रिमिनल ऑफैंस'' माना जाता है

- भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 में मानहानि को अपराधिक कृत्य माना गया है। यह धारा आईपीसी की धारा 499 की जगह आई है। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में धारा 499 की वैधता को कायम रखा था, तब सुब्रमण्यम स्वामी, केजरीवाल व राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने इसकी वैधता को चुनौती दी थी।
- द वायर में छपे एक आलेख पर जेएनयू की एक पूर्व प्रोफेसर अमिता सिंह ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था और इस केस पर एक मजिस्ट्रेट ने वायर को सम्मन भेजा था जिसके खिलाफ वायर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट में समाचार संगठन द वायर के खिलाफ लंबित मानहानि मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि अब मानहानि को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का समय आ गया है।

न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान की, जिसमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की प्रोफेसर अमिता सिंह द्वारा द वायर के खिलाफ दायर मानहानि मामले में जारी समन को चुनौती दी गई थी।

न्यायालय ने ''द वायर'' का संचालन करने वाली संस्था फाउंडेशन फॉर इंडिपेंडेंट जर्नलिज़्म द्वारा दायर याचिका पर प्रोफेसर अमिता सिंह को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति सुंदरेश ने टिप्पणी की, ''मुझे लगता है अब समय आ गया है कि इसे अपराध की श्रेणी से बाहर किया जाए।'' वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, जो समाचार पोर्टल की ओर से पेश हुए, ने न्यायालय की इस टिप्पणी से सहमति जताई।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 के तहत अब मानहानि एक आपराधिक अपराध है। यह धारा पहले की भारतीय दंड संहिता की धारा 499 की जगह लाई गई है।

भारत उन कुछ लोकतांत्रिक देशों में से एक है जहाँ मानहानि एक आपराधिक अपराध है, जबकि अधिकांश देशों में इसके लिए केवल दीवानी उपाय उपलब्ध हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में आइपीसी की धारा 499 की वैधता को बरकरार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली दंगे मामले में सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली पुलिस को नोटिस

नयी दिल्ली, 22 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में 2020 हुए दंगों के आरोपियों में शामिल

- सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों में कथित आरोपी, शरजील इमाम, उमर खालिद व अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते समय ये नोटिस जारी किए हैं।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्रों शरजील इमाम, उमर खालिद और अन्य की ज़मानत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चापलूसी तीन घृणित दुर्गुणों से बही है-असत्य, दासत्व और विश्वासघात। -अज्ञात

सरकार का एक ही काम, उलझाओ सुबह और शाम

2014 जून में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी तो एक आशा जगी थी कि सरकारी कामकाज में सरलीकरण होगा तथा जनता को अनावश्यक रूप से सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कई बार सार्वजनिक सभाओं में यह कहा कि उनका उद्देश्य श्रेष्ठ शासन और न्यूनतम सरकार का रहेगा । इसका अर्थ हुआ कि सरकारी कार्यालय के द्वारा आम नागरिकों के काम करने में रोड़े नहीं लगाए जाएंगे ताकि वे अपनी क्षमता और प्रतिभा के अनुसार स्वयं प्रगति करें तथा देश की उन्नति में भी योगदान कर सकें।

भाजपा सरकार के 11 वर्ष के बाद, होना तो ऐसा चाहिए था कि नागरिक के सभी काम सरलता से होते। उसके जीवन में आने वाली सरकारी उलझनें सुलझनी चाहिए थीं । आज की स्थिति को देखें तो लगता है कि सामान्य नागरिक के प्रत्येक काम जैसे जन्म प्रमाण पत्र या निवास प्रमाण पत्र बनवाना हो, छात्रवृत्ति के लिए सरकारी योजना का लाभ लेना हो, आयुष्मान योजना में इलाज कराना हो, नया उद्यम प्रारंभ करना हो, भर्ती परीक्षा में भाग लेना हो, अपने मकान का नक्शा पास कराना हो, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना हो, हर काम में नागरिक के जीवन में उलझनें पहले की अपेक्षा बहुत बढ़ गई हैं। ऐसा नहीं है कि पहले की सरकारों में भ्रष्टाचार और परेशानियां नहीं थीं, किंतु इस सरकार ने उन्हें दूर करने का वादा किया था। इसलिए इससे अपेक्षा भी बहुत अधिक बढ़ गई थी। इस आलेख में हम यह विश्लेषण उन्हीं अपेक्षाओं के संदर्भ में करेंगे।

डिजिटाइजेशन, जिसे हर समस्या के हल के रूप में सरकार द्वारा लाया गया, उसने अधिकांश गरीब लोगों की मुसीबतें और बढ़ा दीं, क्योंकि वे इस प्रणाली का उपयोग करने में सक्षम ही नहीं हैं। सरलीकरण के नाम पर जितने भी आदेश सरकार ने जारी किए, उनसे जटिलता और बढ़ गई है। इस धरातलीय तथ्य को प्रमाणित करने के लिए कुछ उदाहरण उपयुक्त होंगे।

सरकार ने फर्जी राशन कार्ड धारकों के नाम हटाने के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम लागू किया। सैद्धांतिक रूप से इसमें कोई आपत्ति नहीं हो सकती । कुछ समय बाद यह देखा गया कि मजदूरी करने वाले, घरों पर बर्तन साफ करने वाले निर्धन व्यक्तियों की उंगलियों के निशान मिट जाने से उनके बायोमेट्रिक निशान रिकॉर्ड से मिलान नहीं होते थे। इस आधार पर उन्हें फर्जी मानकर उनका राशन बंद कर दिया गया। इसे पुनः जारी करवाने की प्रक्रिया में कई सामाजिक संस्थाओं को अत्यंत परेशानियों का सामना करना पड़ा। जो निर्धन व्यक्ति नियमित रूप से राशन ले रहे थे, उन्हें इससे वंचित होना पड़ा। इससे उनकी उलझन और बढ़ गई।

सामान्यतया, ग्रामीण क्षेत्रों में अथवा शहरी कच्ची बस्तियों में फॉर्म भरते समय नाम के अक्षरों में कभी-कभार कोई छोटी-मोटी गलती हो जाया करती है। अब ऐसा होने पर, वे किसी भी प्रकार के सरकारी लाभ से वंचित हो जाते हैं ,क्योंकि अधिकांश योजनाओं की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है । उदाहरण के लिए, हमारे यहां काम करने वाले एक व्यक्ति के पिता का नाम एक दस्तावेज में 'विजय कुमार' लिखा हुआ था और किसी दूसरे में 'वी के' लिखा हुआ था, इस कारण उनका प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया गया और वे सभी योजनाओं के लाभ से वंचित हो गए, जबकि उनकी अन्य सारी सूचनाएं सही अंकित थीं। इन दस्तावेजों को दुरुस्त करने की प्रक्रिया इतनी जटिल है कि उन्होंने इस लाभ को छोड़ देना ही अधिक अच्छा माना, बजाय इसके कि वे विभिन्न सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाते और दैनिक मजदूरी से भी हाथ धो बैठते।

बैंक खाता खुल जाने के बाद भी हर 3 वर्ष में केवाईसी का प्रावधान किया गया है। अधिकांश गरीब व्यक्तियों के लिए ऑनलाइन केवाईसी को अप डेट करना कतई संभव नहीं है। इस कारण बैंक से जुड़ी हुई सुविधाओं से वे वंचित हो गए हैं। सारी प्रक्रियाएं ऑन लाइन होने के कारण गरीब, अशिक्षित लोगों की छोटी सी भी गलती उनके लिए कई प्रकार की मुसीबतें पैदा कर देती है।

निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति की बहुत अच्छी योजना भारत सरकार की है। इस योजना के अंतर्गत बहुत ही कम बच्चों को लाभ मिल पा रहा है क्योंकि पूरी व्यवस्था ऑनलाइन है और कोई उनकी मदद करने वाला नहीं है । आवेदन तो वह ऑनलाइन जैसे-तैसे कर लेते हैं किंतु उसके बाद भी उन्हें छात्रवृत्ति स्वीकृत क्यों नहीं हो रही है, यह बताने वाला विभाग में कोई नहीं है । जब भी श्रम विभाग में संपर्क किया जाता है तो उन्हें केवल एक ही उत्तर मिलता है कि वे 'कुछ नहीं' कर सकते हैं, क्योंकि सारी व्यवस्था ऑनलाइन है। यह 'कुछ नहीं' अधिकारियों की सेवा पूजा होते ही 'सब कुछ' में परिवर्तित हो जाता है ।

इसका अर्थ यह हुआ कि भ्रष्टाचार कम होने की बजाय चाहे-अनचाहे, जाने-अनजाने, पहले से अधिक बढ़ गया है। इससे केवल ई मित्र वाले पैसा बना रहे हैं।

आज स्थिति यह हो गई है कि बिना आवश्यक दस्तावेज के, आपको वांछित प्रमाण पत्र मिल जाएगा, यदि आप संबंधित अधिकारियों /कर्मचारियों की 'इच्छा' पूर्ति कर सकते हैं। यदि आप ईमानदारी से अपना काम करना चाहते हैं तो उसके लिए आपके पास कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। उदाहरण के लिए, प्राथमिक विद्यालय की मान्यता प्राप्त करने के लिए इतने कड़े मापदंड बना रखे हैं कि कोई भी स्वैच्छिक संस्था उनकी पूर्ति नहीं कर सकती, किंतु यदि आप धरातल पर देखें तो अनेक ऐसे विद्यालय चल रहे हैं जहां न खेल के मैदान हैं, न शौचालय न पर्याप्त शिक्षक। इसके विपरीत, यदि कोई ईमानदारी से संस्था काम करना चाहती है, तो ऑनलाइन प्रक्रिया की आड़ में उनके प्रार्थना पत्र कभी भी स्वीकृत नहीं होते। जब कभी कोई उनके यहां निरीक्षण के लिए आता है, तो उसकी रिपोर्ट भी इस पर निर्भर करती है कि उसकी कितनी 'सेवा पूजा' की गई है।

डिजिटाइजेशन, जिसे हर समस्या के हल के रूप में सरकार द्वारा लाया गया, उसने अधिकांश गरीब लोगों की मुसीबतें और बढ़ा दीं, क्योंकि वे इस प्रणाली का उपयोग करने में सक्षम ही नहीं हैं। सरलीकरण के नाम पर जितने भी आदेश सरकार ने जारी किए, उनसे जटिलता और बढ़ गई है। इस धरातलीय तथ्य को प्रमाणित करने के लिए कुछ उदाहरण उपयुक्त होंगे।

यही स्थिति संस्थाओं के पंजीकरण की है । हाल ही में एक आदेश जारी हुआ है जिसके द्वारा सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट में पंजीकृत सभी स्वैच्छिक संस्थानों को देवस्थान विभाग में ट्रस्ट के रूप में पंजीकरण कराना आवश्यक कर दिया गया है । इसके अभाव में उन्हें आयकर अधिनियम की धारा 12A और 80G में मिलने वाले लाभ से वंचित कर दिया जाएगा। राजस्थान में हजारों की संख्या में शैक्षिक संस्थाएं हैं और देवस्थान विभाग की यह क्षमता ही नहीं है कि वे इतनी संस्थाओं का ट्रस्ट के रूप में पंजीयन कर सके। इसके कारण भ्रष्टाचार चरम पर है। हमारे परिचित एक सामाजिक संस्थान से जुड़े हैं । उन्होंने बताया कि उन्हें इस काम के लिए देवस्थान विभाग के इंस्पेक्टर/ सहायक आयुक्त के पास 40 बार जाना पड़ा, 8 महीने लगे और 20000 की रिश्वत दी गई तब उनका कार्य हो पाया। कल्पना कीजिए, केवल इस एक आदेश ने संस्थाओं के लिए कितनी समस्याएं उत्पन्न कर दी हैं। स्वैच्छिक संस्थाएं समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास या सशक्तिकरण के कार्य में अपना समय लगाएं या केवल देवस्थान विभाग के कार्यालय के चक्कर ही काटते रहें। यह उल्लेखनीय है कि ये संस्थाएं पहले से ही सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1958 में पंजीकृत हैं और इसी अनुसार वर्षों से कार्य कर रही हैं । अचानक देवस्थान विभाग में अतिरिक्त पंजीकरण का प्रावधान करके, इन संस्थाओं के लिए बहुत बड़ी उलझन पैदा कर दी गई है। जो संस्थाएं बहुत पुरानी हैं, उनसे कहा जाता है कि वे संस्थापक सदस्यों को उनके सम्मुख प्रस्तुत करें । यह नहीं सोचा गया कि जो व्यक्ति दुनिया में ही नहीं है उन्हें देवस्थान विभाग के संबंधित अधिकारी के समक्ष किस प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है? एक संस्था के पदाधिकारी ने व्यंगात्मक रूप से देवस्थान विभाग के अधिकारी को बताया कि संस्थापक सदस्य स्वर्गवासी हो गए हैं । वहां के टिकट की व्यवस्था वे कर सकते हैं। विभाग का कोई कर्मचारी वहां जाकर उनसे हस्ताक्षर करा ले।

पहला बड़ा कदम मोदी सरकार ने 2016 में नोटबंदी करके उठाया था। इसका उद्देश्य आतंकवाद की समाप्ति, भ्रष्टाचार पर अंकुश एवं काले धन को समाप्त करना था। यूपीआई पेमेंट की बढ़ती व्यवस्था के बावजूद देश में जितनी नकदी नोटबंदी के समय उपलब्ध थी, उससे कहीं अधिक आज प्रचलन में है। जिस प्रकार से विभिन्न अधिकारियों/नेताओं के घरों पर छापों में करोड़ों / अरबों रुपए के नोट पाए जाते हैं एवं जिस प्रकार चुनाव प्रचार में पैसा पानी की तरह बनाया जाता है, उससे तो यह कतई नहीं लगता कि भ्रष्टाचार में कोई कमी आई है एवं काला धन समाप्त हुआ है । विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की रिपोर्ट के अनुसार स्विट्जरलैंड में जमा बैंकों में भारतीयों की धन राशि पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। कानून को कड़ा करने के दावों के बावजूद माल्या, ललित मोदी, नीरव मोदी, निखिल चौकसी जैसे लोग हजारों करोड़ का चूना देश की जनता को लगाकर फरार हो गए हैं। सरकार आज तक इन्हें वापस भारत लाकर सजा तक नहीं दे पाई है । हाल ही में अनिल अंबानी के विरुद्ध भी 17000 करोड़ के बैंक फ्रॉड का मामला सामने आया है।

ऐसा लगता है कि सरकार की सारी नीतियां केवल कुछ समृद्ध लोगों की समृद्धि में और अधिक वृद्धि करने के उद्देश्य से बनाई जाती हैं। जो लोग धरातल पर काम कर रहे हैं, चाहे व्यक्तिगत रूप से अथवा संस्थाओं के माध्यम से, उनके काम में बहुत समस्याएं पैदा कर दी गई हैं ।

वनों की कटाई के कई बार समाचार आते रहते हैं और सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस बारे में कई सख्त आदेश भी जारी किए गए हैं। इन सबके बावजूद मेरे गृह नगर उदयपुर के आसपास की सारी हरी भरी पहाड़ियां काटकर वहां पर अस्पताल और बड़े होटल बना दिए गए हैं। पहाड़ियों का व्यवसायिक उपयोग के लिए इस प्रकार का दोहन शायद ही कभी हुआ हो। इसी प्रकार एक ओर जहां झीलों से 500 मीटर की दूरी पर किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य पर प्रतिबंध है और इस कारण अनेक छोटे-छोटे मकान मालिकों को नोटिस भेजकर उनके काम को रुकवाया जाता है, वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े पांच सितारा होटलों को झील के किनारे और बीच में बनाने की अनुमति दे दी गई । नागरिकों के लिए इस प्रकार के बड़े होटल बनते हुए देखना कष्टकारी है।

कहा जाता है कि इन होटलों के निर्माण की अनुमति के लिए करोड़ों रुपए का लेनदेन होता है। क्या जिन अधिकारियों/मंत्रियों ने इस प्रकार के निर्माण की अनुमति दी, वे कड़े दंड के भागी नहीं होने चाहिएं?

अंत में कुल मिलाकर हम यही कह सकते हैं कि वर्तमान समय में यह कहावत अच्छी तरह लागू होती है कि ''समरथ को नहीं दोष गुसाईं''. आम व्यक्ति के लिए तो सरकार सुबह से शाम तक उसकी उलझन ही बढ़ा रही है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

क्रिटिकल टेलीकम्यूनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर की सूची : गजट नोटिफ़िकेशन जारी

टेलीकॉम नेटवर्क सुरक्षा व डिजिटल सेवाओं में विश्वास बढ़ेगा

विकास आसावत

क्रिटिकल टेलीकम्यूनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर (सीटीआई) की अधिसूचना दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण पहल है। इस अधिसूचना को दूरसंचार अधिनियम, 2023 व पिछले वर्ष जारी सीटीआई के नियम की निरंतरता में देखा जा सकता है। पिछले वर्ष सितम्बर में लेबनान और सीरिया के कुछ हिस्सों में सैकड़ों हैंडहेल्ड रेडियो पेजर लगभग एक साथ फटने की घटना टेलीकॉम डिवाइस या नेटवर्क में सुरक्षा चूक के बारे में सोचने को मजबूर कर देती है. जुलाई 2024 में माइक्रोसॉफ्ट के साइबर सुरक्षा सहयोगी क्राउडस्ट्राइक द्वारा एक कंटेंट अपडेट के व्यवधान के कारण विंडोज प्लेटफॉर्म पर चलने वाले सिस्टम ठप्प हो गए व भारत समेत अन्य देशो में बैंक, एयरलाइंस, शेयर ट्रेडिंग परिचालन प्रभावित हुआ। इस तरह की घटनाओं को देखते हुए टेलीकॉम डिवाइस, नेटवर्क, इंफ्रास्ट्रक्चर का पूर्ण सुरक्षित, मज़बूत, भरोसेमंद व लचीला होना समय की मांग है।

क्रिटिकल टेलीकम्यूनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर (सीटीआई) :- टेलीकॉम सेक्टर में उपकरण सुरक्षा के सम्बन्ध में भारत सरकार ने हाल ही जुलाई माह में दूरसंचार कानून के तहत सेवा प्रदाताओं के अधीन नेटवर्क के कुछ भागों को गजट नोटिफ़िकेशन जारी कर क्रिटिकल टेलीकम्यूनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर (सीटीआई) घोषित किया है। कानून के तहत इन इंफ्रास्ट्रक्चर में व्यवधान और विच्छेद से आर्थिक, लोक स्वास्थ्य या राष्ट्रीय सुरक्षा पर विपरीत प्रभाव होता है। वहीं गत वर्ष नवंबर में टेलेकम्यूनिकेशन्स (क्रिटिकल टेलीकम्यूनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर) रूल्स के नोटिफिकेशन के अंतर्गत प्रत्येक दूरसंचार इकाई को यह सुनिश्चित करना होगा कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर जिसमे इनके पुर्जे, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर भी शामिल हैं, अनुपालना में हैं।

इकाई यह भी सुनिश्चित करेगी कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर एसेंशियल व इंटरफेस आवश्यकताओं, इंडियन टेलीकॉम सिक्योरिटी असुरेन्स रेक्विरमेंट्स व अनुरूपता मूल्यांकन आदि के अनुरूप हो। जुलाई में जारी राज्यसभा की अधीनस्थ विधान समिति की रिपोर्ट की अनुसंशा के अनुसार विदेशी निर्मित उपकरणों से उत्पन्न विशिष्ट जोखिमों को कम करने के लिए लक्षित कार्रवाई की आवश्यकता है।

मोबाइल सेवाओं के सम्बन्ध सीटीआई :- नोटिफिकेशन में 4जी मोबाइल सेवाओं के सम्बन्ध में होम लोकेशन रजिस्ट्टर (एचएलआर-उपभोक्ता के फ़ोन नंबर, लोकेशन व सर्विसेज की जानकारी का डेटाबेस) की परिचालन सहायता प्रणाली और ग्राहक संबंध मॉड्यूल को क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के भाग के रूप में सूचित किया गया है। वहीं 2जी और 3जी मोबाइल सेवाओं के सम्बद्ध में उक्त दो भाग के अतिरिक्त सिग्नल ट्रांसफर पॉइंट्स को क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के भाग के रूप में सूचित किया गया है। 2जी सेवाओं में टेक्स्ट व मल्टीमीडिया मैसेज व लो स्पीड, उन्नत वॉइस क्वॉलिटी आदि शामिल है। वहीं 3जी का सम्बन्ध 3.1 एमबीपीएस तक स्पीड, ब्रॉडबैंड, अधिक डाटा ट्रांसफर रेट आदि से है। 4जी में बेहतर डाटा कम्प्रेशन व फ्रीकवेंसीज़ के व्यापक रेंज के कारण तेज डाटा ट्रांसफर स्पीड और उन्नत नेटवर्क क्षमता मिलती है और इस कारण अपने से पूर्व जनरेशन सेवाओं से बेहतर होता है।

इसी नोटिफिकेशन में आगे 5 जी मोबाइल सेवाओं के सम्बन्ध में सीआरएम के अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन सर्वर फंक्शन और एकीकृत डेटा प्रबंधन (यूडीएम-उपभोक्ता के रिकाड्र्स को मैनेज करना) की परिचालन सहायता प्रणाली को क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर का भाग माना गया है। 5जी वैश्विक वायरलेस मानक है जो तेज गति, अल्ट्रा लो लेटेंसी, अधिक विश्वसनीयता, विशाल नेटवर्क क्षमता और नए ऍप्लिकेशन्स और सेवाओं को इनेबल करता है। इसी क्रम में इंटरनेट, बुनयादी, राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय लंबी दूरी व उपग्रह सेवाओं के क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को भी निर्धारित किया गया है।

सजा का प्रावधान :-मत्वपूर्ण पहलु यह भी है कि दूरसंचार के 2023 एक्ट के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, संस्थान आदि यदि क्रिटिकल टेलीकम्यूनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को हानि पहुंचता है तो उसको तीन वर्ष का कारावास या दो करोड़ का जुर्माना या दोनों की सजा भुगतनी पड़ सकती है। जबकि गैर क्रिटिकल टेली कम्यूनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए यह सजा नुकसान के लिए मुआवज़ा और पचास लाख रुपये तक का जुर्माना पर सीमित है।

नेटवर्क सुरक्षा व अखंडता को मजबूती :- सेवा की निरंतरता के लिए कुछ खतरों में प्राकृतिक घटनाएँ (मौसम, भूकंप, बाढ़ और बिजली); आग, विस्फोट, दुर्घटनाओं, आंतरिक तोड़फोड़ और आतंकवाद से होने वाली क्षति है। अन्य खतरों में लॉस ऑफ़ की इनपुट जैसे इलेक्ट्रिकल पावर, सॉफ़्टवेयर फेलियर, इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेरेंस जैसे अनुपयुक्त संकेत व फ्रीक्वेंसी, हाई वोल्टेज, ट्रैफिक ओवरलोड, मैलवेयर, हैकिंग, विशेष सिग्नलिंग मेसेजस द्वारा नेटवर्क में गड़बड़ी करना शामिल है। क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर नियम व सूची का उद्देश्य डिजिटल सोसाइटी का आधार बनने वाले दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा, अखंडता, फ्लैक्सिबिलिटी और परिचालन निरंतरता को मज़बूत करना है। ये नियम अनुपालन मानकों, रिपोर्टिंग आवश्यकताओं और जोखिम न्यूनीकरण तंत्रों के माध्यम से क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को साइबर खतरों सहित अन्य जोखिमों से सुरक्षित रखने में सहयोगी है। क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को चिन्हित करने के लक्ष्य में डाटा लीक के जोखिम को काम करना, साइबर खतरे व जासूसी के प्रति प्रतिक्रिया में सुधार और डिजिटल सेवाओं में अधिक विश्वास कायम करना है। के किसी एक हिस्से के खराब होने पर, उपकरणों के लिए डुप्लिकेट या ट्रिपल बैकअप और विविध ट्रांसमिशन रूटिंग जैसे सोलुशन कारगर होते है। जब नेटवर्क के सभी हिस्सों को लचीला नहीं बनाया जा सकता और ऐसे मामलों में बहाली और रिपेयर की पूरक प्रक्रियाओं को मज़बूत करना होगा।

विकास आसावत,
पेटेंट अटॉर्नी एवं एडवोकेट।

शहरी सेवा शिविर में हर पात्र को मिल रहा है योजनाओं का लाभ

नागौर, राजसमन्द और भीलवाड़ा-जिला कोई भी हो, शिविर में तत्काल समस्याओं का समाधान हो रहा है

नागौर नगर परिषद् के नेहरू पार्क में लगे शहरी सेवा शिविर में 65 वर्षीया दिव्यांग रामेश्वरी देवी पत्नी नोलाराम निवासी डेह रोड़ नागौर ने बताया कि पिछले लम्बे समय से इनको वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पेंशन एवं राशन नहीं मिल रहा। आधार कार्ड चैक करवाने पर पाया गया कि आधार कार्ड में जुड़े मोबाइल नम्बर सही नहीं थे व जन आधार भी आधार कार्ड से जुड़ा नहीं था। इस पर शिविर प्रभारी ने सांख्यिकी विभाग के अधिकारी को मौके पर बुलाकर जन आधार में डेटा अपडेट करवाया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधिकारी से जन आधार का ई-केवाईसी करवाया। ई-मित्र से रामेश्वरी का पेंशन आवेदन करवाया गया। उसके बाद यूनिक डिस्एबिलिटी कार्ड के लिए ऑनलाईन आवेदन करवाकर उसे सरकारी वाहन से जे.एल.एन. अस्पताल भेजकर मेडिकल बोर्ड से दिव्यांगता की जांच करवायी गई तथा जांच के आधार पर यह कार्ड जारी करवाया गया। शिविर में ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को सहायक उपकरण योजना में आवेदन करवाया गया। उसके बाद वृद्ध महिला को ट्राई साईकिल का लाभ कैम्प में ही दिया गया। अब विकलांग वृद्ध महिला रामेश्वरी देवी व उनका परिवार काफी खुश है। 22 सितम्बर को इन्हे पुनः शिविर में बुलाकर इनकी विकलांग पेंशन व एनएफएसए राशन में नाम जुड़वा कर इनको तुरन्त फायदा दिलवाया गया।

गरीबी और बीमारी में निक्षय पोषण योजना ने दिया रामा रावत को सहारा :-भीलवाड़ा जिले के शिवनगर, गागेड़ा निवासी रामा रावत भी उनमें से एक हैं, जिन्हें गरीबी और बीमारी की मार के बीच निक्षय पोषण योजना ने जीने का नया सहारा दिया। शिविर के दौरान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने रामा को पोषण किट भेंटकर संबल प्रदान किया। रामा लंबे समय से खांसी और कमजोरी से जूझ रहे थे। आयुष्मान आरोग्य मंदिर गागेड़ा पर बलगम की जांच से पुष्टि हुई कि वे टीबी रोग से पीड़ित हैं। उसका तुरंत गागेड़ा उप स्वास्थ्य केन्द्र पर डॉट्स उपचार प्रारंभ किया गया। रामा की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से उन्हें पर्याप्त पोषण नहीं मिल पा रहा था। इस स्थिति को देखते हुए ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान उसे आटा, चावल, दाल, तेल व अन्य खाद्य सामग्री से युक्त पोषण किट दी गई। इससे उसे एक तरफ टीबी से लड़ने में तो सहायता मिलेगी ही, आटा, दाल, चावल खरीद में लगने वाले धन की बचत होगी।

खेत का बंटवारा हुआ, दिलों का हुआ मिलन, दो भाईयों के चेहरे पर लौटी मुस्कान :- राजसमंद जिले के ननाणा ग्राम पंचायत के टोकरा की ढाणी निवासी धर्मसिंह एवं प्रेमसिंह पुत्र अर्जुनसिंह की वर्षों पुरानी समस्या आखिरकार ग्रामीण सेवा शिविर के माध्यम से हल हो गई। पिता के निधन के बाद दोनों भाईयों ने आपसी सहमति से कृषि भूमि का मौके पर विभाजन तो कर लिया था लेकिन राजस्व रेकार्ड में अलग खाता नहीं खुलने के कारण वर्षों से उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। यह पीड़ा हर बार उन्हें हताश कर देती थी। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा जिले के आमेट पंचायत समिति अंतर्गत ग्राम पंचायत खाखरमाला में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर की जानकारी मिलने पर दोनों भाई आशा की किरण लेकर शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार से मिले। तुरंत कार्रवाई करते हुए भू-अभिलेख निरीक्षक और पटवारी को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने विभाजन पत्र तैयार कर नकल प्रदान की। विभाजन पत्र की नकल हाथों में आते ही दोनों भाइयों के चेहरे पर खुशी छलक पड़ी। वर्षों से रुका हुआ सपना पूरा होने पर उन्होंने प्रशासन और राजस्थान सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

भीलवाड़ा से पीआरओ रविन्द्र वैष्णव, राजसमंद से एपीआरओ प्रवेश परदेशी व नागौर से एपीआरओ अजीतसिंह।

भीलवाड़ा में सिंधी समाज ने 35 कर्मवीर डॉक्टरों व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सम्मान किया

भीलवाड़ा, (निसं)। सामाजिक सरोकारों में हमेशा अग्रणी रहने वाला सिंधी समाज रविवार को एक और अनूठी पहल का गवाह बना। पूज्य दादा हेमराजमल साहब सेवा समिति के तत्वावधान में नाथद्वारा सराय स्थित पूज्य दादा हेमराज मल भगत झूलेलाल सनातन मंदिर परिसर में भव्य सिंधु रत्न अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिंधी समाज के 35 कर्मवीर डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को उनके चिकित्सकीय कौशल और समाज सेवा में योगदान के लिए ''सिंधु रत्न प्राइड'' सम्मान से अलंकृत किया गया।

सम्मानित किए गए चिकित्सकों में डॉ. वीरभान चंचलानी, गिरीश-आशा दत्ता, मनोज गंगवानी, कमल-रिचा रिजवानी, अमित थावानी, वंदना थावानी, जितेंद्र थावानी, प्रियंका-धनीश खूबचंदानी, प्रकाश-अंजू थावानी, विशाल जेठानी, मोहनदास थावानी, रोहित सचदेव, लकी नारवानी, समीर ठाकुर, अशोक खटवानी, रचना सखरानी, महिमा माखीजा, भूपेंद्र-नीलम भोजवानी, कन्हैयालाल जेठानी, वर्षा-दिलीप गजवानी सहित अन्य डॉक्टर व स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल रहे। इन सभी को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच तिलक-अक्षत, माल्यार्पण, उपरना व शाल ओढ़ाकर तथा श्रीफल व सिंधु चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वर्षा अशोक सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, अति. कलेक्टर शहर प्रतिभा देवथिया, पूर्व अति. कलेक्टर हुँदल विधानी, मेवाड़ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार हरीश गुरनानी, भाजपा जिला महामंत्री अविनाश जीनगर, विधायक अशोक कोठारी के प्रतिनिधि बाबूलाल टाक, कोहिनूर सेवा समिति अध्यक्ष छीतर मल गेंगट तथा शाहपुरा के पूर्व उपप्रधान बजरंग सिंह राणावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिंधी सेंट्रल पंचायत अध्यक्ष रमेश सभनानी व भगत टेऊं राम ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान झूलेलाल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद समाज के वरिष्ठजनों, पार्षदों व अतिथियों का शाल-उपरना पहनाकर स्वागत-सत्कार किया गया।

राशिफल मंगलवार 23 सितम्बर, 2025

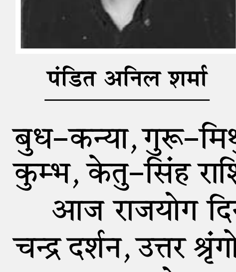

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र सायं 6:20 तक, ब्रह्म योग रात्रि 8:22 तक, बालव करण दिन 3:51 तक, चन्द्रमा रात्रि 2:56 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज राजयोग दिन 1:40 से आरम्भ होगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति है। आज से राष्ट्रीय आश्विन मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:20 से 10:44 तक, लाभ 10:49 से 12:14 तक, अमृत 12:14 से 1:49 तक, शुभ 3:19 से 4:49 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:20

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन

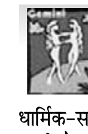

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। भाई-बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या

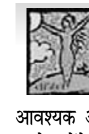

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मीन

घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मुख्यमंत्री ने जी.एस.टी. बचत उत्सव के तहत लोगों को किया जागरूक

जी.एस.टी. रिफॉर्म से रोटी, कपड़ा और मकान होंगे सस्ते, जनता को मिलेगी बड़ी राहत : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) सरलीकरण तथा टैक्स स्लैब में परिवर्तन का निर्णय ऐतिहासिक हैं। उन्होंने कहा कि देशवासियों को त्योहारों के अवसर पर दी गई इस बड़ी सौगात से रोटी, कपड़ा और मकान सस्ते होंगे और आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मानसरोवर क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में व्यापारियों एवं आमजन को जीएसटी बचत उत्सव के तहत जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर जीएसटी बचत उत्सव से संबंधित स्टीकर्स लगाए तथा लोगों को स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आमजन के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने जनता की परेशानी को समझते हुए 22 सितंबर से लागू नए जीएसटी स्लैब के माध्यम से मध्यम वर्ग, किसान, व्यापारी एवं उद्योगपतियों सहित सभी वर्गों को राहत दी हैं। जीएसटी के नए प्रावधानों के तहत अब अधिकांश वस्तुएं 4 की बजाय 2 टैक्स स्लैब के दायरे में आएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जीएसटी बचत उत्सव के तहत 22 से 29 सितंबर तक विशेष जन-जागरूकता अभियान चला रही है, जिसके तहत उपभोक्ताओं और व्यापारियों को जीएसटी सरलीकरण से होने वाले लाभों की जानकारी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मानसरोवर क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में व्यापारियों और आमजन को जीएसटी बचत उत्सव के प्रति जागरूक किया। उनके साथ यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा और ग्रेटर नगर निगम जयपुर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट भी मौजूद थे।

■ मुख्यमंत्री ने स्वदेशी उत्पाद अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का आव्हान् किया

उन्होंने कहा कि आमजन और व्यापारी जीएसटी बचत उत्सव के रूप में मनाएं तथा अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पाद अपनाएं।इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा उपभोक्ताओं को जीएसटी के नए टैक्स स्लैब का सीधा लाभ मिलेगा।

इस अवसर परनगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, ग्रेटर नगर निगम उप-महापौर पुनीत कर्णावट सहित जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में व्यापारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

आचार्य बालकृष्ण विश्व रैंकिंग में शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में पुन: शामिल

हरिद्वार। आचार्य बालकृष्ण को अमेरिका के प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के शोध समूह और विश्वप्रसिद्ध प्रकाशक एल्सेवियर द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में पुनः सम्मिलित किया है। आचार्य बालकृष्ण की अनुसन्धानीय एवं आयुर्वेदिक कार्यों में गहन विशेषज्ञता एवं उनके गतिशील मार्गदर्शन से प्रेरणा लेकर 300 से अधिक शोध लेखों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल्स में किया गया है।

आचार्य के निर्देशन में पतंजलि द्वारा 100 से अधिक साक्ष्य-आधारित आयुर्वेदिक औषधियों को विकसित किया है। योग और आयुर्वेद पर 120 से अधिक पुस्तकों और 25 से अधिक अप्रकाशित प्राचीन आयुर्वेद पांडुलिपियों का लेखन उनके आयुर्वेद के प्रति आस्था एवं समर्पण का परिणाम है। योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि आचार्य बालकृष्ण ने न केवल आयुर्वेद को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ स्थापित किया है, बल्कि विश्वभर के शोधकर्ताओं के लिए आयुर्वेद में शोध के नए द्वार भी खोले है। विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया जाना इस बात का प्रमाण है कि प्राकृतिक जड़ी-बूटियों और सनातन आयुर्वेदिक ज्ञान में अपार संभावनाएं छिपी हैं।

मां करणी की कथा का आयोजन

जयपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर शुक्रवार को सिरसी रोड स्थित केसर बाग मैरिज गार्डन में मां करणी की कथा का भव्य आयोजन किया गया। कथा की शुरुआत महंत करणी प्रताप सिंह आढ़ा और भजन प्रवाहक किन्नू बन्ना द्वारा विधिवत रूप से की गई। इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी कथा स्थल पर पहुंचीं और मां करणी का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व आस्था, शक्ति और संस्कृति का प्रतीक है, जिसे पूरे भक्ति भाव से मनाना चाहिए। दिया कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्व और त्योहार केवल परंपरा नहीं, संस्कारों और संस्कृति के संवाहक हैं।

■ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लिया आशीर्वाद

हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को सनातन धर्म, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूक करना होगा। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि देश में सकारात्मक बदलाव की लहर चल रही है। उन्होंने कहा, अब हमें महंगाई का सामना नहीं करना पडेगा। महंगाई में कमी आने से गृहिणियों को बड़ी राहत मिली है। कार्यक्रम में चेयरमैन अजय सिंह चौहान, रामकिशोर प्रजापत, विजेंद्र सिंह पाल, गोविंद सिंह करीरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने भक्ति भाव से कथा श्रवण कर मां करणी से प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का समापन भजन संध्या और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का सुंदर संगम बताया।

अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारियों को मंत्रालयिक श्रेणी का मानते हुए नियुक्ति देने के आदेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने अधीनस्थ अदालतों में काम कर रहे कर्मचारियों को मंत्रालयिक कैटेगरी का मानते हुए उन्हें कनिष्ठ लेखाकार भर्ती में इस वर्ग के तहत आरक्षण का लाभ देते हुए नियुक्ति देने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश विमल गुप्ता व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता दीपक चौहान ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने साल 2022 में कनिष्ठ लेखाकार के पदों पर भर्ती निकाली थी। जिसमें मंत्रालयिक कर्मचारियों के लिए 12.5 फीसदी पद आरक्षित रखे गए। याचिकाकर्ता अधीनस्थ अदालतों में मंत्रालयिक कर्मचारी के तौर पर काम कर रहे हैं। उनके इस भर्ती में कट ऑफ से भी अधिक अंक आए हैं, लेकिन उन्हें मंत्रालयिक कर्मचारी कोटे में नहीं मानकर नियुक्ति से वंचित किया जा रहा है। इसलिए उन्हें इस कोटे का लाभ देते हुए नियुक्ति दी जाए। वहीं कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से अधिवक्ता संदीप माहेश्वरी ने कहा कि भर्ती में कैटेगरी तय करना राज्य सरकार का काम है। संबंधित व्यक्ति किसी वर्ग में शामिल होगा, यह राज्य सरकार के स्तर पर तय किया जाता है और इसमें कर्मचारी चयन बोर्ड की कोई भूमिका नहीं है। वहीं याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता माही यादव ने कहा कि याचिकाकर्ता अधीनस्थ अदालत के कर्मचारी है और मंत्रालयिक कोटे की श्रेणी में नहीं आते हैं। ऐसे में उन्हें इस कोटे के तहत आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने माना की अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारी भी मंत्रालयिक कर्मचारियों की श्रेणी में आते हैं। ऐसे में उन्हें भर्ती में इस कोटे के तहत आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिए।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने "नमो युवा रन" में दिखाया जोश

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष में भाजयुमो द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सोमवार को 'नमो युवा रन – नशा मुक्त भारत के लिए' कार्यक्रम का आयोजन भांकरोटा में किया गया। यह आयोजन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर के अंतर्गत भांकरोटा मंडल में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ के माध्यम से युवाओं ने नशामुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजक एवं भाजयुमो जयपुर शहर उपाध्यक्ष रमेश भीवाल नेदी।

जीएसटी रिफॉर्म से प्रधानमंत्री ने दिया दीपावली का तोहफा : सतीश पूनियां

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व पर आधारित "नमो प्रदर्शनी" का भाजपा हरियाणा प्रभारी तथा राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जवाहर कला केंद्र जयपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अवलोकन किया। उन्होंने नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित फ़िल्म देखी, जिसको आमजन तक पहुंचाने की उन्होंने अपील की।

पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधुनिक भारत और आत्मनिर्भर भारत के शिल्पकार हैं, मोदी ने 11 वर्षों में विकसित भारत बनाने के लिये देश के सभी सेक्टर और सभी वर्गों को मजबूती देने का काम किया है। जीएसटी रिफॉर्म से प्रधानमंत्री ने देश को दीपावली का तोहफा स्वदेशी दिया है। आज आधुनिक हथियारों और मिसाइलों के निर्माण से लेकर पीएम किसान सम्मान निधि, जनधन, उज्ज्वला, स्टार्टअप इत्यादि तमाम योजनाओं से भारत का बुनियादी विकास हुआ है और अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर के निर्माण से पूरी दुनिया में भारत और सनातन का स्वाभिमान बढ़ा है।

हरियाणा भाजपा के प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने सोमवार को जवाहर कला केन्द्र जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीवनी पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में सेवा पखवाड़ा मना रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महान व्यक्तित्व एवं जीवन को आम जनमानस और युवा पीढ़ी को चित्रित करके पहुंचाया जाये, इसके लिए पार्टी की अभिनव पहल है नमो प्रदर्शनी, जिसके माध्यम से नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन को जन-जन तक पहुंचाने का अनूठा कार्य किया जा रहा है, इसको लेकर भाजपा राजस्थान प्रदेश इकाई द्वारा जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित यह प्रदर्शनी नरेंद्र मोदी के विचारों, उनके विजन और विकास कार्यों को लेकर दर्शायी गई है। नमो प्रदर्शनी, प्रधानमंत्री मोदी के परिश्रम की कहानी बताती है और नई पीढ़ी को प्रेरणा देती है।

■ 'नमो प्रदर्शनी, प्रधानमंत्री मोदी के परिश्रम की कहानी बताती है और नई पीढ़ी को प्रेरणा देती है'

माध्यमिक शिक्षा निदेशक को अवमानना नोटिस

जयपुर, । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रिंसिपल के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने के आदेश की पालना नहीं करने पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश महेंद्र तिवाडी की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता जयपुर जिले की कोटखावदा स्कूल से प्रिंसिपल पद पर से सितंबर 2022 में रिटायर हुआ था। इस दौरान शैक्षिणक सत्र 2018-19 में स्कूल का परीक्षा परिणाम तय मापदंड से कम रहने पर 2021 में उसे नोटिस दिया। वहीं बाद में उसे 17 सीसीए का नोटिस दिया और उसके जवाब पर ध्यान दिए बिना ही निदेशक ने जुलाई 2021 में दो वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने का आदेश जारी कर उसे दंडित कर दिया। इसकी अपील उसने शिक्षा सचिव के यहां पर की। जिस पर मार्च 2024 में शिक्षा सचिव ने उसकी अपील को आंशिक मंजूर करते हुए एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने के लिए कहा। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि स्कूल के सीनियर टीचर्स का गणित व अंग्रेजी का परीक्षा परिणाम कम आया था, लेकिन कार्रवाई याचिकाकर्ता पर हुई है, जबकि उसके स्कूल का परीक्षा परिणाम सदैव उत्कृष्ट रहा है। केवल एक साल का कम परिणाम आने पर ही उसे दंडित नहीं कर सकते। उसने सिलेबस पूरा करवा कर छात्रों को पूरी साल पढ़ाए जाने का प्रयास किया।

■ अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर हाईकोर्ट ने दिखाई सख्ती

'भूतपूर्व सैनिक कोटे का लाभ लेने के बाद पुन: नहीं लिया जा सकता फायदा'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि सरकारी सेवा में एक बार भूतपूर्व सैनिक कैटेगरी का लाभ लेने के बाद दूसरी बार यह कहते हुए इस कैटेगरी का फायदा नहीं लिया जा सकता कि वह परिवीक्षा अवधि में चल रहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश नरेन्द्र सिंह की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने जूनियर अकाउंटेंट भर्ती में भूतपूर्व सैनिक कोटे में भाग लिया था। उसके इस वर्ग की कट ऑफ से अधिक अंक आए थे। वहीं उसे यह कहते हुए नियुक्ति से वंचित कर दिया कि भूतपूर्व सैनिक कोटे के तहत वीडीओ पद पर लगा हुआ है। जबकि वह इस पद पर दो साल के लिए परिवीक्षा पर है। ऐसे में बतौर अस्थाई कर्मचारी, वह जूनियर अकाउंटेंट भर्ती में भूतपूर्व सैनिक कोटे का लाभ लेने का अधिकारी है। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता संदीप माहेश्वरी ने कहा कि याचिकाकर्ता नियमित भर्ती में चयनित होकर वीडीओ के स्थाई पद पर नियुक्त हुआ था। ऐसे में केवल परिवीक्षा के आधार पर उसे अस्थाई कर्मचारी नहीं कहा जा सकता। जब कोई भूतपूर्व सैनिक नियमित रोजगार प्राप्त कर लेता है तो वह इस श्रेणी के तहत आगे आरक्षण प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं रहता है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि परिवीक्षा अस्थाई नियुक्ति के समान नहीं है और इससे उसकी नियुक्ति का कानूनी स्वरूप नहीं बदलता है।

दो मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार, 9 फोन जब्त

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो मोबाइल लुटेरों को गिरफ्तार किया हैं। साथ ही पुलिस ने इन दोनों आरोपियों के पास से लूटे गए नौ मोबाइल फोन भी बरामद किए गए है। पुलिस जांच में सामने आया कि ये लोग भीड़भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों के साथ उलझते है, जिससे राहगीर आरोपियों के साथ उलझता जिस का फायदा उठा कर ये उसका मोबाइल फोन लूट कर फरार हो जाते थे।

नवरात्र स्थापना पर शिला माता के दरबार में उमड़ी भक्तों की भीड़

सिटी पैलेस से आई परंपरागत पोशाक माता माता रानी को धारण करवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शारदीय नवरात्रों की शुरुआत सोमवार को भक्तिभाव से हुई। सोमवार अल सुबह से ही भक्त शिला माता के दर्शन करने के लिए आमेर पहुंचे और लंबी कतार में लग कर माता रानी के दर्शनों का इंतजार करते नजर आए। आमेर दुर्ग स्थित प्रसिद्ध शिला माता मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। जिससे मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा। कई भक्त दंडवत प्रणाम करते हुए माता के दरबार तक पहुंचे। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से भी भक्तों ने इस अवसर पर भाग लिया। जो मंदिर की लोकप्रियता और महत्व को दर्शाता है।

मंदिर महंत बनवारी लाल शर्मा (शास्त्री) ने बताया कि सोमवार सुबह 6 बजकर 25 मिनट पर मंदिर परिसर में घट स्थापना की गई। जिसके बाद साढ़े 7 बजे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खोले गए। भक्तों के लिए दर्शन का समय सुबह साढ़े 7 से साढ़े 12 बजे और शाम साढ़े 4 से साढ़े 8 बजे तक रहेगा। वहीं गर्भगृह के सामने वैदिक मंत्रों और तांत्रिक विधि से पूजा करने के बाद मंदिर के पट भक्तों के दर्शनों के लिए खोला गया।

शारदीय नवरात्र की घट स्थापना पर सोमवार को आमेर किले स्थित शिला माता मंदिर में दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

मंदिर महंत ने बताया कि शारदीय नवरात्रों में प्रतिदिन मंदिर प्रांगण में दुर्गा सप्तशती के पाठ ,हवन,पुष्प श्रृंगार और फूल बंगले की झांकी सजाई जाएगी। इसके अलावा 10 महाविद्याओं के स्तोत्र पाठ,मंत्र जाप और कन्या बटुक पूजन किया जाएगा।

■ आमेर में छठ को भरेगा विशाल मेला, हजारों श्रद्धालु उमडेंगे

शारदीय नवरात्रों में प्रतिदिन माता रानी को बाल भोग,राजभोग और सायंकालीन भोग अर्पण किया जाएगा। शारदीय नवरात्रों में सिटी पैलेस से आने वाली परंपरागत पोशाक माता रानी को धारण कराई गई। इसी के साथ माता शिला का भव्य श्रृंगार किया गया।

बताया जा रहा है कि साल में दो बार नवरात्रे आते है और छठ तिथि को आमेर में विशाल मेले का आयोजन होता है। जिसमें दूर-दराज से भी श्रद्धालु आते है। इस बार 28 सितम्बर छठ तिथि को आमेर में विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा।

सोमवार को पहले नवरात्रों में दूर-दूर से श्रद्धालु शिला माता के दर्शनों के लिए पहुंचे। कुछ श्रद्धालु दड़वत करते माता रानी के समक्ष पेश हुए। दडवत करने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रशासन ने अलग से ही पक्ति लगाई । ताकी दड़वत करने वाले भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। वहीं बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने भक्तों की छाया के लिए काफी उत्तम व्यवस्था की। इसी के पानी की भी व्यवस्था की

शारदीय नवरात्रों में आमेर की शिला माता के अलावा दुर्गापुरा स्थित दुर्गा माता मंदिर,राजा पार्क के पंचवटी सर्किल पर माता वैष्णो देवी मंदिर ,झालानी स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में भी धूमधाम से घट स्थापना की गई। ज्योतिषाचार्य पं. दामोदर प्रसाद शर्मा के अनुसार दस दिनों में आठ दिन रवियोग, गजकेसरी और सर्वार्थ सिद्धि का संयोग रहेगा।

Ministry of Ayush Government of India
मानद विश्वविद्यालय
DEEMED TO BE UNIVERSITY
राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान
मानद विश्वविद्यालय
(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
आयुर्वेद दिवस 2025
की हार्दिक शुभकामनाएं

NABH Accredited Hospital
NABL Certified Laboratory
NAAC 'A' Grade Accredited University
Rank 1 QCI & NCISM Ranking
GMP Certified Pharmacy
उपलब्ध चिकित्सा सेवाएं
OPD / IPD/ जांच सुविधा (ब्लड लैब) / पंचकर्म / प्रसव सुविधा / निःशुल्क दवाईयां
प्रत्येक माह स्वर्णप्राशन / कैंसर OPD/ मधुमेह OPD/ बाल संर्वधन केन्द्र CDC/
फिजियोथेरेपी / नशा मुक्ति इकाई / प्रतिदिन प्रातः काल योग की निःशुल्क कक्षाएं
Course Offered - BAMS, MD/M.S., P.hd., DANP, M.SC.
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान
जोरावर सिंह गेट, आमेर रोड, जयपुर
www.nia.nic.in
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की Extension OPD (स्थान) -
• सेठ सूरजमल बम्बईवाला अस्पताल, किशनपोल बाजार, जयपुर
• सेटेलाइट अस्पताल, जवाहर नगर, गोल मार्केट, जयपुर
• आयुर्वेद OPD केन्द्रीय चिकित्सालय, उत्तर पश्चिम रेलवे, हसनपुरा, जयपुर
• जैन मंदिर, श्याम नगर, सोडाला, जयपुर
• आयुर्वेद अस्पताल, जमवारामगढ़, जयपुर (ग्रामीण)

गुजरात से अपहरण किये दो व्यापारियों को कोटा पुलिस ने मुक्त कराया

रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने दो आरोपी पकड़े, दो पिस्टल व जिंदा कारतूस बरामद

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए गुजरात से अपहरण किये गये दो व्यापारियों को बदमाशों के चंगुल से छुड़वाया एवं कार्रवाई कर दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये दोनों बदमाश महाराष्ट्र के अमरावती जिले के निवासी है। पकड़े गये आरोपियों के पास से पुलिस ने दो पिस्टल व एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। मामले में सामने आया कि बदमाशों ने 20 लाख की फिरौती के लिये गुजरात के दो व्यापारी जयेश व पाण्डया हिम्मत भाई का मलकापुर जिला बुलडाना (महाराष्ट्र) से अपहरण किया था। शहर

पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में स्पेशल टीम ने इलाके के भदाना पेट्रोल पम्प के पास नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए गुजरात के अपहरण किये गये दो व्यापारियों को मुक्त कराते हुए आरोपी मोहम्मद जुनेद व नेहाल अहमद को दो देशी पिस्टल व जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया।

रेलवे कॉलोनी पुलिस ने अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

- बीस लाख की फिरौती के लिये गुजरात से दो व्यापारियों का अपहरण किया था

शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि पीड़ित जयेश मूल रूप से गुजरात के पोरबंदर व पाण्डया हिम्मत भाई जिला भावनगर गुजरात के निवासी है। दोनों महाराष्ट्र के एक व्यपारी की ल्यूब्रिकेंट कंपनी को संभालते हैं। शहर एसपी ने बताया कि 18 सितम्बर की सुबह को दोनों व्यापारी अपने मलकापुरा निवास पर चाय पी रहे थे। उसी समय पांच जने अंदर घुसे और दोनों व्यापारियों पर पिस्टल और चाकू तान दिये और जान से मारने की धमकी देते हुए रस्सी से हाथ बांधकर कार में अपहरण कर अमरावती महाराष्ट्र में सुनसान इलाके में एक खेत में ले गये।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि बदमाशों ने दोनों व्यापारियों को धमकी देकर मोबाइल से अपना स्वयं अपहरण नहीं होने तथा घूमने-फिरने के संबंध में अलग-अलग वीडियो बनावकर प्रचारित भी करवाया। शहर एसपी ने बताया कि बदमाशों ने अमरावती महाराष्ट्र के पास किसी फार्म हाऊस पर रात्रि के समय अपहरण किये गये पीड़ित जयेश को पिस्टल से जान से मारने की धमकी देकर गिरोह की महिला के साथ आपत्तिजनक वीडियो भी बनाया। बदमाशों ने दोनों व्यापारियों को जान से मारने की धमकी देकर ल्यूब्रिकेंट कंपनी के मालिक को फोन करवाया और 20 लाख फिरौती की मांग की। शहर एसपी ने बताया कि अमरावती के फार्म हाऊस से 5 बदमाशो में से 3 बदमाश इल्लु, अमन पठान व सद्दाम एक अन्य गाड़ी से फिरौती की रकम लेने निकले तथा दो बदमाश मोहम्मद जुनेद व नेहाल पिस्टल की नोंक पर दोनों व्यापारियों को दूसरी कार में डालकर महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान के विभिन्न जिलों से होते हुए कोटा पहुंचे। शहर एसपी ने बताया कि दोनों बदमाश अपहरण किये गये व्यापारियों को लेकर सवाईमाधोपुर होते हुए दिल्ली जाने की फिराक में थे, तभी सूचना पर रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भदाना पेट्रोल पम्प के समीप नाकाबंदी कर दोनों व्यापारियों को मुक्त कराते हुए कार्रवाई कर जिला अमरावती के निवासी मोहम्मद जुनेद (30) एवं नेहाल अहमद (26) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास दो पिस्टल व एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है।

जैन प्रतिनिधि मंडल ने लापता बालिका को तलाश करने की मांग की

जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात की।

अजमेर/ब्यावर, (कासं)। जैन संघर्ष समिति के बैनर तले सोमवार को जैन समाज का एक प्रतिनिधि मंडल राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं अजमेर रेंज आईजी राजेन्द्र सिंह चौधरी से मुलाकात कर लापता बालिका की तलाश करवाने एवं पीड़ित परिवार को न्याय दिलवाने की मांग की है। मीडिया प्रभारी नोरत बाबेल बताया कि साढ़े तीन माह से नाबालिग जैन बालिका के लापता होने के बावजूद जिला पुलिस प्रशासन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं कर पाया है। इस गंभीर मामले को लेकर सोमवार को समिति का एक प्रतिनिधि मंडल पीड़ित परिवार के साथ अजमेर पहुंचा और विभिन्न वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की।

- जैन समाज का एक प्रतिनिधि मंडल विधानसभा अध्यक्ष देवनानी व आईजी चौधरी से मिला

पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया के नेतृत्व में पीड़ित परिवार ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से भेंट कर पूरे प्रकरण की विस्तृत जानकारी दी। पहाड़िया ने मांग की कि मामले को अत्यंत गंभीरता से लेकर शीघ्र समाधान कराया जाए। ब्यावर जन समाज के प्रतिनिधियों ने भी अनुरोध किया कि पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय दिलाया जाए और बालिका को सुरक्षित घर पहुंचाया जाए। देवनानी ने तुरंत ही जिला पुलिस अधीक्षक, ब्यावर से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किए, उन्होंने पीड़ित परिवार को विश्वास दिलाया कि न्याय अवश्य मिलेगा और बालिका शीघ्र ही सकुशल उनके पास पहुंचेगी।

इसी क्रम में प्रतिनिधि मंडल ने अजमेर पुलिस महानिरीक्षक राजेन्द्र सिंह चौधरी से भी उनके कार्यालय में मुलाकात की। पीड़ित परिजनों ने अपनी पीड़ा साझा की तथा यह भी बताया कि पुलिस प्रशासन की लापरवाही और उत्पीड़न से वे बेहद व्यथित हैं। अजमेर रेंज आई चौधरी ने पीड़ित परिवार एवं जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल की बात को गंभीरता से सुना और जल्द से जल्द न्याय मिलने का विश्वास दिलाया। चौधरी ने आश्वासन दिया कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। कल्पेश सिंघवी, अध्यक्ष जैन रक्षार्थ समिति की ओर से भी पीड़ित परिवार को समर्थन का विश्वास दिलाया। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, राजेन्द्र जैन, अल्का जैन, अनिल डोसी, महेंद्र बोहरा, गौतम संचेती, सुशील मेहता, महावीर खीचा एवं राजेश जैन सहित समाज बंधु मौजूद रहे।

सुंधा माता मंदिर के कुछ ट्रस्टियों की मदद से मुझे नुकसान पहुंचाने की साजिश : रतन देवासी

जालोर, (का.सं.)। रानीवाड़ा के पूर्व विधायक रतन देवासी के एक ट्वीट ने राजनीतिक गलियारों और आम जनता के बीच हड़कंप मचा दिया है। मंगलवार को किए गए इस ट्वीट में देवासी ने अपने परिवार पर पूर्व सरकार के एक मंत्री, उनके बेटे और कुछ अधिकारियों से जान का खतरा बताया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि जालोर, सिरोही और सुंधा माता मंदिर के कुछ ट्रस्टियों की मदद से उन्हें नुकसान पहुंचाने की साजिश रची जा रही है।

- पूर्व विधायक रतन देवासी ने आरोप लगाया है कि जालोर, सिरोही और सुंधा माता मंदिर के कुछ ट्रस्टियों की मदद से उन्हें नुकसान पहुंचाने की साजिश रची जा रही है

देवासी ने अपने ट्वीट में कहा कि क्या यह अपने परिवार को सुरक्षित रखने का सही समय है? मेरा परिवार वर्षों से एक पूर्व मंत्री, उनके बेटे और कई अन्य अधिकारियों से खतरों का सामना कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी लड़ाई समाज के कमजोर तबके, नशामुक्त समाज और अन्य सामाजिक कार्यों के लिए जारी रहेगी। उन्होंने यह भी लिखा, "समय बताएगा... ज्यादा लंबा नहीं, लेकिन एक दिन बाद मैं बोलूंगा।" इस ट्वीट के बाद उनके समर्थकों और आम लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता व्यक्त की है। कई लोगों ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि देवासी का यह ट्वीट गहरे राजनीतिक संकेत दे रहा है। यह सीधे तौर पर पिछली सरकार के कुछ प्रभावशाली लोगों की ओर इशारा करता है। देवासी के इस कदम को उनके और संबंधित पक्षों के बीच चल रहे विवाद को सार्वजनिक करने के रूप में देखा जा रहा है। देवासी ने अपने ट्वीट में सुंधा माता मंदिर के ट्रस्टियों का जिक्र भी किया है, जो इस मामले को और भी संवेदनशील बना देता है। जालोर और सिरोही जिले में सुंधा माता मंदिर का खासा प्रभाव है और इस विवाद में मंदिर से जुड़े लोगों का नाम आना चौंकाने वाला है।

अशोक गहलोत को अपनी जमीन खिसकती दिख रही है : मदन राठौड़

भीलवाड़ा, (निसं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा की भजनलाल सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और जनसेवा को लेकर अशोक गहलोत तथा विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही भ्रामक एवं तथ्यहीन सूचनाओं पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने कहा कि जनता को गुमराह करने के लिए विपक्ष केवल प्रचार और भ्रमजाल फैला रहा है, जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भजनलाल सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को लेकर अशोक गहलोत तथा विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं पर प्रतिक्रिया दी
- गहलोत और कांग्रेस पार्टी कन्हैयालाल जैसे निर्दोष नागरिक की हत्या पर भी घिनौनी राजनीति कर रही है : मदन राठौड़

उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपने शासनकाल के दौरान की नाकामियां याद होनी चाहिए, जब भ्रष्टाचार, अपराध, बजरी और शराब माफियाओं को खुली छूट मिली थी। अब जब भाजपा सरकार ईमानदारी से कार्य कर रही है, तो उन्हें अपनी ज़मीन खिसकती दिख रही है। भाजपा और राज्य सरकार जनहित को सर्वोपरि रखती है। विपक्ष द्वारा गढ़ी गई कहानियों और नकारात्मकता का जवाब जनता लगातार उपचुनावों में दे रही है और आगामी निकाय एवं पंचायत चुनावों में स्वयं देगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी सरकार विकसित राजस्थान के लिए सतत रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर बोला कि प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है, किसी भी अपराधी को राजनीतिक संरक्षण नहीं है, जैसा कि कांग्रेस सरकार में होता था। पेपरलीक माफियाओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और उनकों सलाखों के पीछे पहुंचा रहे है। भाजपा के विधायक, जनप्रतिनिधि और मंत्री जनता के बीच हैं, न कि एसी कमरों में बैठकर ट्विटर राजनीति कर रहे हैं। विपक्ष का एजेंडा सिर्फ और सिर्फ भ्रम फैलाने का है वो इसके अलावा कुछ नहीं कर पा रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गहलोत और कांग्रेस पार्टी कन्हैयालाल जैसे निर्दोष नागरिक की हत्या पर भी घिनौनी राजनीति कर रही है। गहलोत को यह साफ करना चाहिए कि जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, तब आखिर क्यों कन्हैयालाल की हत्या को रोकने में पुलिस और खुफिया एजेंसियाँ नाकाम रही ? आपकी नाकामी के कारण एक निर्दोष दर्जी को दिनदहाड़े जिहादियों ने मौत के घाट उतार दिया था। अब तीन साल बाद आप प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाकर अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते। कांग्रेस ने हमेशा आतंकवाद और कट्टरपंथ के मुद्दे पर ढुलमुल रवैया अपनाया है। कांग्रेस ने पूरे घटनाक्रम में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की जगह तुष्टिकरण की नीति अपनाई। यही कांग्रेस का असली चेहरा है। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी आतंकवाद और चरमपंथ के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग हैं। जनता अब कांग्रेस के पाखंड को समझ चुकी है। राजस्थान की धरती पर कांग्रेस का झूठ और तुष्टिकरण एक साथ नहीं चलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र में प्रशासन ने बाल विवाह रुकवाया

श्रीगंगानगर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र में एक बाल विवाह को रुकवाया गया है। लड़का 18 साल 4 माह का और लड़की 16 साल 4 माह की है। दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। लड़का कक्षा 11वीं और लड़की 9वीं की छात्रा है। दोनों अलग गांव के हैं और सरकारी स्कूल तीसरे गांव में है।

- प्रशासनिक टीम को मौके पर पहुंचने पर पता चला कि लड़के और लड़की दोनों के परिजन इस शादी से सहमत नहीं हैं
- लड़के और लड़की ने अपने अपने माता-पिता को धमकी दी थी कि अगर उनकी शादी नहीं करवाई तो वे आत्महत्या कर लेंगे

यह बाल विवाह 21 सितंबर को दिन में होने जा रहा था। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू के निर्देश पर बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जोगेंद्र कौशिक, सदस्य वंदना गौड़, विपिन सांखला, चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक त्रिलोक वर्मा, राजस्व पटवारी अमीलाल, हिंदुमलकोट थाने से हेड कांस्टेबल खेतपाल सारस्वत व महिला कांस्टेबल की टीम दूल्हे के घर पहुंची। लड़के के माता-पिता ने कक्षा 8वीं की अंकतालिका पेश की। इसमें दूल्हे की जन्मतिथि 30 अप्रैल 2007 है। इस पर बारात को रुकवा दिया गया और परिवार को पाबंद किया गया। प्रशासनिक टीम दुल्हन के गांव पहुंची तो 8वीं की अंक तालिका माता-पिता ने पेश की। इसके अनुसार दुल्हन की आयु 16 साल 4 माह ही निकली। प्रशासनिक टीम को मौके पर पहुंचने पर पता चला कि लड़के और लड़की दोनों के परिजन इस शादी से सहमत नहीं हैं, लेकिन लड़के और लड़की ने अपने अपने माता-पिता को धमकी दी थी कि अगर उनकी शादी नहीं करवाई तो वे आत्महत्या कर लेंगे।

लड़के के पिता और मां ने टीम को बताया कि इसके बाद भी हमने शादी की रजामंदी नहीं दी तो इन्होंने कीटनाशी का सेवन कर जान देने की कोशिश का नाटक किया। गांव के ही डॉक्टर से उपचार दिलवाया गया। मजबूर होकर इनकी शादी के लिए हां करनी पड़ी। हमारे पास ओपीडी में ऐसे बच्चे हर रोज आ रहे हैं जो वयस्क होने से पहले ही प्रेम प्रसंगों में पड़कर भाग गए। बाद में मामले पॉक्सो एक्ट में चले जाते हैं और युवक या किशोर को जेल में जाना पड़ता है।

डॉ सांची, एचओडी, गायनो डिपार्टमेंट, जिला अस्पताल का कहना है कि 2 से 13 साल के बच्चों में हॉर्मोन्स के कारण शारीरिक बदलाव होने लगते हैं। इसी दौरान हॉर्मोन्स के कारण ही लड़के और लड़कियां एक दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं। दूसरा बड़ा कारण सोशल मीडिया है। इस पर हर तरह का कंटेंट मौजूद है जो बच्चों को एक्सपोजर के लिए प्रेरित करता है कि हम भी ऐसा करके देखें। हमारा समाज संक्रमण काल में है इसलिए परिजनों और बच्चों में दोस्ताना व्यवहार नहीं होता। बच्चे अपने जीवन में चल रही घटनाओं की घर पर बात ही नहीं करते क्योंकि उनको डर रहता है कि घर पर बताने से डांट पड़ेगी। स्कूलों में साइकेट्रिक डॉक्टर से हर टीन एज बच्चे की काउंसलिंग होनी चाहिए। स्कूल स्टाफ भी बच्चों पर निगरानी रखें। परिजन अपने टीन एज बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें और हर रोज बातचीत करते रहें ताकि बच्चे गलत रास्ते पर नहीं चले जाएं।

डूंगरपुर शहर के घाटी दरवाजे के ऊपर लेपर्ड दिखा

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के घाटी दरवाजे के ऊपर लेपर्ड खड़ा था और नीचे से बाइक सवार गुजरते रहे थे। यह देख दरवाजे से दूर खड़े लोग चिल्लाते हुए वाहन चालकों को दूर जाने की नसीहत दे रहे थे। शोर सुनकर एक बार लेपर्ड भी खड़ा होकर सबको घूरने लगा। घटना रविवार देर शाम की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। शहर के घाटी दरवाजे के ऊपर लेपर्ड चहलकदमी करता नजर आया।

- घाटी गेट पर खड़ा था लेपर्ड, नीचे से निकलते रहे लोग
- बाइक सवारों को भीड़ ने चिल्लाकर रोका, आवाज सुन लेपर्ड घूरने लगा

घाटी मोहल्ले से सारणेश्वर मंदिर रोड पर घाटी का पुराना दरवाजा है। दरवाजे के ऊपर से रविवार देर शाम लेपर्ड गुजरते हुए दिखा। लेपर्ड उदय विलास की पहाडयिों से होता हुआ धनमाता की पहाडियों की तरफ जा रहा था। दरवाजे के नीचे से शहर और कई गांवों की तरफ आने जाने का रास्ता है। जब लेपर्ड दरवाजे से गुजर रहा था। उस समय कई बाइक सवार भी नीचे से निकल रहे थे। यह देख लोगों ने चिल्लाते हुए वाहन चालकों को दूर जाने की नसीहत दी। शोर सुनकर लेपर्ड लोगों को घूरने लगा। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने लेपर्ड का वीडियो भी बनाया।

आबादी के पास दिखने से लोगों में दहशत :- घाटी मोहल्ले के इसी दरवाजे के पास निसार ए हाली प्राइवेट और एक सरकारी स्कूल भी है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ते हैं। वहीं, पास ही घनी आबादी है। पहाड़ी के दोनों तरफ आबादी है। ऐसे में घरों के नजदीक लेपर्ड दिखने से लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों ने लेपर्ड को रेस्क्यू करने की मांग की है।

शहर के ही नगर परिषद के पीछे की तरफ स्थित बांसडवाड़ा के उदय विलास की पहाड़ी पर भी कुछ दिन पहले एक साथ 3 लेपर्ड दिखे थे। पहाड़ी के नीचे ही घनी आबादी है। उस समय भी लेपर्ड पत्थरों पर बैठकर अटखेलियां करते नजर आए थे। वहीं, कुछ दिनों बाद एक लेपर्ड आबादी की तरफ भी आया था। बाद में वह वापस पहाड़ी पर चला गया था। वहीं साबला में पिछले दिनों एक लेपर्ड घर में घुस गया था। लेपर्ड घर के बरामदे में एक खाट के पास बैठा मिला था। इसके बाद वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद खाट से उसे दबाकर रेस्क्यू किया था। ऐसे में अब लेपर्ड शहर और गांवों में भी आबादी की ओर आने लगे है।

एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान वारदात की फिराक में घूम रहे आरोपी संजय नगर निवासी मुन्तजिर अली उर्फ ईका पठान को अवैध पिस्टल व जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया। जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण ने बताया कि शहर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कार्यवाही की जा रही है।

(रजि. नं. MSCS/CR/1234/2015 दि. 28.04.2015)
भव्यराज हाउसिंग मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि.
पंजीकृत कार्यालय : बी- 36, शिवपुरी, सदाशिव पथ, बुधसिंहपुरा, सांगानेर एयरपोर्ट के सामने, जयपुर-302029
शाखा कार्यालय : 8, गोपाल विहार, प्रताप नगर, टॉक रोड़, सांगानेर, जयपुर-302029 (राज.)
क्रमांक : बीएचएमएससीएल/जन./2025/एसपी 1 दिनांक : 20.09.2025
वार्षिक आम सभा का नोटिस
भव्यराज हाउसिंग मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. जयपुर के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 11:30 बजे सोसायटी के शाखा कार्यालय- 8, गोपाल विहार, प्रताप नगर, टोंक रोड़, सांगानेर, जयपुर-302029 (राज.) पर सोसायटी के सदस्यों की वार्षिक आम सभा आयोजित की जाएगी जिसके विचारणीय विषयबिन्दु निम्नलिखितानुसार रहेंगे :-
1. सोसायटी की गत वार्षिक आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार । 2. सोसायटी की कार्यकारिणी में लिये गये निर्णयों की पुष्टि पर विचार। 3. वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट के अनुमोदन पर विचार। 4. सोसायटी के वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट की पुष्टि पर विचार। 5. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञा से।
आज्ञा से, अध्यक्ष
नोट - कोरम के अभाव में स्थगित आम सभा उसी दिन दोपहर 12:30 बजे उसी स्थान पर पुनः आयोजित की जायेगी जिसमें विचारणीय विषय बिन्दु यथावत रहेंगे।

रेस्टोरेंट में फायरिंग करने के आरोपी उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने स्टेशन स्थित एक नॉनवेज रेस्टोरेंट की दुकान में फायरिंग कर जानलेवा हमला करने व तोड़फोड़ के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए भीमगंजमंडी थाने का हिस्ट्रीशीटर इमरान उर्फ गोलू सहित चार अन्य आरोपियों को उत्तरप्रदेश के सारणपुर से गिरफ्तार किया है।

- पुरानी रंजिश को लेकर रेस्टोरेंट की दुकान में हमला किया था

फायरिंग कर जानलेवा हमले के बदमाशों को कोटा पुलिस ने उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 18 सितम्बर को फरियादी अतीक खान ने भीमगंजमंडी थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने कहा कि 17 सितम्बर की रात्रि को अपनी दुकान पर साथियों के साथ बैठा हुआ था। तभी गौलू, सलमान, सद्दाम, इमरान और सलमान आये। रिपोर्ट में कहा कि पुरानी रंजिश को लेकर सद्दाम ने देशी कट्टे से फायर करना चाहा तो फरियादी ने जान बचाने के लिये सद्दाम का हाथ पकड़ लिया साथ आये गोलु के हाथ में पिस्टल थी, जिसने जान से मारने की नियत से फायर किया, हमले में वह बाल-बाल बच गया। रिपोर्ट में कहा कि हमलावरों पर अन्य हथियार भी थे, लेकिनशोर सुनकर लोग इक्ट्ठा हुए तो हमलावर मौके से भाग गये। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में हमलावरों की तलाश के लिये पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने कहा कि गठित टीम ने संभावित स्थानों पर दबिश दी। लेकिन आरोपी अपना निवास बदल रहे थे। गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए भगत सिंह कॉलोनी निवासी इमरान कुरैशी (20), रंगपुर निवासी सलमान गुवाड़ी (31), रंगपुर निवासी मोहम्मद इमरान उर्फ गोलू (31), तेलघर निवासी सलमान बैंड उर्फ लाला (22) एवं सब्जीमंडी स्टेशन निवासी मोहम्मद अय्यान लश्कर (20) को सारणपुर उत्तरप्रदेश से दस्तायाब कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

शोभायात्रा की तैयारी के दौरान ट्रैक्टर-ट्राली में आग लगी

राजगढ़, (निसं)। अग्रवाल समाज के आराध्य देव अग्रसेन महाराज की जयंती पर सोमवार को अवधूत दत्त आश्रम के समीप शोभायात्रा की तैयारी के दौरान ट्रैक्टर-ट्राली में आग लग गई। आग लगने का कारण अघोरी बाबा के काम आने वाला ज्वलनशील पदार्थ माना जा रहा है।

आसपास के लोगों ने पानी से आग पर काबू पाया। आग लगने पर लोगों ने राहत की सांस ली। इसके पश्चात अवधूत दत्ता आश्रम से अग्रसेन महाराज की जयंती पर शोभायात्रा बैंड बाजे के साथ रवाना हुई। इस बार की झांकी का प्रमुख आकर्षण अग्रवाल समाज के 18 गोत्रों की घोड़ी पर सजी झांकी प्रमुख रही। शोभायात्रा में श्री रामलला की प्रतिमा सहित अन्य झांकियां भी सजाई गई। इस दौरान शोभायात्रा का प्रमुख बाजारों में भव्य स्वागत किया गया।

तैराकी प्रतियोगिता का शुभारंभ

रावतभाटा, (निसं)। 69वीं जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता 17 एवं 19 वर्ष (छात्र एवं छात्रा) का शुभारंभ सोमवार को पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रावतभाटा में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आरती बारेशा प्रधान पंचायत समिति भैंसरोड़गढ़, विशिष्ट अतिथि राधेश्याम गुप्ता पूर्व प्रधान पंचायत समिति भैंसरोड़गढ़, नगर अध्यक्ष राजेंद्र दशोरा, पूर्व चेयरमैन राजकुमार वधवा, कमलेंद्र सिंह हाडा, पार्षद तन्वी शर्मा, दिलीप मीणा, विनीता अग्रवाल, एसीबी ओ नरेश कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि आरती बारेशा द्वारा प्रतिभागियों को शपथ दिलाई गई। उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में तैराकी प्रतियोगिता में शामिल हुए समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गई एवं सभी को तैराकी का महत्व समझाया।

(रजि. नं. MSCS/CR/1159/2014 दि. 12.12.2014)
अभिनवोदय हाउसिंग मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि.
पंजीकृत कार्यालय : शॉप नं. 38-39, प्रथम तल, धरणीधर कॉम्प्लेक्स, स्टेशन रोड़, धनेरा, जिला बनासकांठा (गुजरात) 385310
शाखा कार्यालय : 42-एबी, भैरव नगर, कल्याणपुरा सांगानेर, जयपुर - 302029
क्रमांक : एएचएमएससीएल/जन./2025/एसपी 1 दिनांक : 19.09.2025
वार्षिक आम सभा का नोटिस
अभिनवोदय हाउसिंग मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि., जयपुर के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 11:30 बजे सोसायटी के शाखा कार्यालय- 42-एबी, भैरव नगर, कल्याणपुरा सांगानेर जयपुर-302029 पर सोसायटी के सदस्यों की वार्षिक आम सभा आयोजित की जाएगी जिसके विचारणीय विषयबिन्दु निम्नलिखितानुसार रहेंगे :-
1. सोसायटी की गत वार्षिक आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार। 2. समिति की कार्यकारिणी में लिये गये निर्णयों की पुष्टि पर विचार। 3. वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट के अनुमोदन पर विचार। 4. सोसायटी के वर्ष 2023-24 की ऑडिट रिपोर्ट एवं वर्ष 2024-25 के अंतिम लेखों की पुष्टि पर विचार। 5. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञा से।
आज्ञा से, अध्यक्ष
नोट - कोरम के अभाव में स्थगित आम सभा उसी दिन दोपहर 12:30 बजे उसी स्थान पर पुनः आयोजित की जायेगी जिसमें विचारणीय विषय बिन्दु यथावत रहेंगे।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा-2024 हेतु ऑनलाईन प्रवेश पत्र एवं केन्द्र सामग्री डाउनलोड़ करने बाबत
महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा-2024 का आयोजन रविवार, दिनांक 28.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.30 बजे तक राज्य के जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर कराया जायेगा। परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर दिये गये है। संबंधित शाला प्रधान तथा महाविद्यालय के प्राचार्य आवेदन करते समय प्रयुक्त यूजर आई.डी. एवं पासवर्ड से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर हार्ड कापी मुद्रित कर प्रमाणीकरण पश्चात सम्बन्धित परीक्षार्थियों को वितरित करेंगे। केन्द्र सामग्री यथा निर्देश, उपस्थिति पत्रक, बैठक व्यवस्था तथा नामांकों की नॉमिनल रोल बोर्ड की वेबसाईट पर अपलोड़ कर दी गई है। केन्द्राधीक्षक सम्पूर्ण सामग्री डाउनलोड़ पश्चात् मुद्रित कर परीक्षा आयोजन करेंगे। सामग्री डाउनलोड़ संबंधी समस्या हेतु 0145-2632865, 2627454 तथा अन्य सहायता हेतु नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नं. 0145-2632866, 2632867, 2632868 पर सम्पर्क करें।
सचिव

मुहाना मंडी में 372 लीटर खाद्य तेल सीज किया

फूड सेफ्टी टीम ने मैसर्स रघुनाथ ट्रेडिंग कंपनी पर कार्रवाई की

जयपुर (कासं)। प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने सोमवार को मुहाना अनाज थोक मंडी में स्थित मैसर्स रघुनाथ ट्रेडिंग कंपनी पर कार्यवाही करते हुए लगभग 372 लीटर खाद्य तेल सीज किया है। इन पर न तो मैन्युफैक्चरिंग का बैच नंबर था और न ही एक्सपायरी डेट। टीम ने तेल के सैंपल लेकर उसे बिक्री करने से रोक दिया।

सी.एम.एच.ओ. डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि खाद्य सुरक्षा टीम ने मैसर्स रघुनाथ ट्रेडिंग कंपनी, मुहाना मंडी का निरीक्षण करने पर इसमें गौ मुखी सरसों तेल के 22 टिन पैक बिक्री के लिए रखे मिले। जिन पर बैच, निर्माण तिथि, एक्सपायरी डेट, विक्रय मूल्य अंकित नहीं थे। इस पर टीम द्वारा इस तेल का नमूना लेकर खाद्य परीक्षण लैब में भेजा गया और शेष 372 लीटर माल को सीज किया गया। मुहाना मंडी स्थित अन्य फर्म्स से भी नमूने लिए गए हैं।

- **टीम ने छापेमारी की तो 372 लीटर खाद्य तेल पर न तो मैन्युफैक्चरिंग का बैच नंबर था और न ही एक्सपायरी डेट, फिलहाल तेल के सैंपल लेकर उसे बिक्री करने से रोक दिया गया है।**
- **सी.एम.एच.ओ जयपुर द्वितीय की टीम ने भी 2500 किलो अवधिपार खाद्य सामग्री सीज की**

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने सोमवार को मुहाना अनाज थोक मंडी में स्थित मैसर्स रघुनाथ ट्रेडिंग कंपनी पर कार्रवाई की।

लैब रिपोर्ट प्राप्त होने पर तदनुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अनुसार सख्त अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चंद यादव,अवधेश गुप्ता एवं नन्द किशोर कुमावत शामिल रहे। इसी प्रकार सी.एम.एच.ओ जयपुर द्वितीय की टीम ने गोनेर रोड स्थित श्री श्याम एजेंसी पर कार्यवाही करते हुए 2500 किलो एक्सपायरी खाद्य सामग्री सीज की।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान में कार्यवाही करते हुए विभिन्न प्रकार के अवधिपार सॉस, मेयोनीज, नूडल्स आदि सीज किए गए। मौके से मेयोनीज, सॉस के नमूने लिए गए। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने किया पौधारोपण

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर 'एक पेड़-मां के नाम' अभियान के तहत आम के पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित और समृद्ध बनाना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्वच्छ और स्वस्थ जीवन के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पेड़ न केवल प्रदूषण को कम करते हैं, बल्कि जैव विविधता को भी संरक्षित रखते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के 'एक पेड़-मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने मिशन हरियालो राजस्थान की शुरुआत की है, जिसके तहत आने वाले पांच वर्षों में प्रदेशभर में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष इस अभियान के तहत साढ़े 7 करोड़ पौधे लगाए गए, जबकि वर्तमान वर्ष में अब तक लगभग साढ़े 11 करोड़ पौधे लगाए जा चुके है।

मुख्यमंत्री ने महारानी फार्म पुलिया के नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण किया

आमजन को वर्षाकाल में आवागमन में होगी सुविधा : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मानसरोवर क्षेत्र में महारानी फार्म-मानसरोवर लिंक ब्रिज के नवीनीकरण कार्य का फीता खोलकर लोकार्पण किया। लगभग 6 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुलिया के नवीन निर्माण कार्य के अंतर्गत बॉक्स कल्वर्ट पद्धति से इसकी ऊंचाई 2 मीटर तक बढ़ाई गई है। इससे वर्षाकाल में पुलिया पर द्रव्यवती नदी के जल का बहाव नहीं होने से पुलिया पर यातायात सुचारू होगा तथा आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि दुर्गापुरा टोंक रोड क्षेत्र को मानसरोवर से जोड़ने वाली यह पुलिया महारानी फार्म एवं अग्रवाल फार्म के मध्य द्रव्यवती नदी पर स्थित है। पूर्व में इस पुलिया की ऊंचाई कम होने के कारण वर्षाकाल में नदी का पानी पुलिया के ऊपर से बहकर निकलता था, जिससे यातायात अवरूद्ध हो जाता था। आमजन को इससे होने वाली परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, नगर-निगम ग्रेटर उप-महापौर पुनीत कर्णावट सहित जेडीए एवं संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मानसरोवर क्षेत्र में महारानी फार्म-मानसरोवर लिंक ब्रिज के नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण किया।

प्रेम प्रसंग के चलते युवक की हत्या!

10 दिन पहले रेलवे ट्रेक पर मिला था शव

- **मृतक के भाई ने हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंकने का आरोप युवती के परिजनों पर लगाया**
- **मृतक के परिजनों ने 10 दिन पहले दर्ज कराई थी गुमशुदगी**

जयपुर । सांगानेर थाना इलाके में 10 दिन पूर्व रेलवे ट्रेक पर मिले शव की गुत्थी अब उलझती हुई नजर आ रहीं है। पुलिस ने रेलवे ट्रेक पर मिले शव को आत्महत्या समझते हुए उसका पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अब इस मामले में मृतक के भाई ने प्रेम -प्रसंग के चलते हत्या कर शव रेलवे ट्रेक पर फेंकने का आरोप लगाते हुए युवती और उसके परिजनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

थानाधिकारी अनिल जैमिनी ने बताया कि सांगानेर स्थित गोविंदपुरा निवासी जितेंद्र प्रजापत ने मामला दर्ज कराया है कि उसका भाई भागचंद ठेकेदार के मकान पर ही मजदूरी का काम करता था और मकान मालिक के रिश्तेदार की एक लड़की से उसका प्रेम-प्रसंग चल रहा था। 6 अगस्त को रिश्तेदार ने भाग चंद को लड़की से बात करते देख लिया था। जिसके बाद रिश्तेदारों ने भागचंद के साथ मारपीट करते हुए उसे जेल भेजने की धमकी दी। रिश्तेदारों के चुगंल से मुक्त होने के बाद भाग चंद ने इस घटना की जानकारी अपने भाई पिंकराज को दी। जिसक बाद रात में भाग चंद हटवाड़ा जाने की बात कह कर घर से निकल गया । देर रात जब भागचंद घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरु की।

पूरी रात तलाशने के बाद जब भाग चंद का कुछ पता नहीं चला तो परिजन 7 अगस्त को सांगानेर सदर थाने पहुंचे और भाग चंद की गुमशुदगी दर्ज कराई। आरोप है कि लड़की परिजन भी वहीं मिले। जिसके बाद उन्होने भाग चंद को ढूंढने का आश्वासन दिया और गुमशुदगी दर्ज करवाने की सलाह दी। 19 अगस्त को परिजनों को आरयूएचएच हॉस्पिटल के मुर्दाघर में भाग चंद के शव पड़ा होने की सूचना मिली। बताया जा रहा है कि 7 अगस्त को सांगानेर सदर इलाके में स्थित सीतापुरा पुलिस के पास रेलवे ट्रेक पर पुलिस को शव पड़ा मिला था। भाई जितेन्द्र प्रजापत का आरोप है कि उसके भाई भागचन्द की प्रेम-प्रसंग के शक में लड़की और उसके घरवालों ने हत्या की है। पुलिस ने कोर्ट इस्तगासे के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सार-समाचार

जीएसटी 2.0 सुधारों पर आभार जताया

जयपुर । फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं राजस्थान स्टेट काउंसिल फिक्की के सह-अध्यक्ष तथा शाहपुरा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर जी.एस.टी. 2.0 सुधारों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित व्यापार एवं उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक में सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में लागू किए गए ऐतिहासिक जीएसटी 2.0 सुधारों से आमजन का हित होगा। इन सुधारों को भारत की अर्थव्यवस्था में एक मील का पत्थर माना जा रहा है, जो व्यापार को सरल बनाने, दीर्घकालिक लाभ पहुँचाने और आर्थिक विकास को गति देने वाले सिद्ध होंगे।

निःशुल्क चिकित्सा-रक्तदान शिविर लगाया

जयपुर । रविवार को विशाल निःशुल्क चिकित्सा जांच, परामर्श व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया देवी नारायण पटवारी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह शिविर स्थानीय सुभाष नगर शॉपिंग सेंटर स्थित महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया गया। आयोजन की शुरुआत माहेश्वरी समाज, जयपुर के अध्यक्ष उमेश सोनी ने की इस अवसर पर सोनी ने कहा रक्त की एक-एक बूंद किसी जरूरतमंद के जीवन को बचा सकती है। शिविर में पधारे मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी गोविंद पारीक ने लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में भाजपा नेता सुरेश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की। शिविर के संयोजक दिनकर सारस्वत ने बताया कि आयोजन में जयपुर के ख्यातनाम डॉक्टर एस. एस. सांखला सहित डॉ ओ .पी .शर्मा डॉ. विनोद शर्मा, डा. आशीष जांगिड़ ,डॉ. जितेंद्र शर्मा, वैद्य श्रीनिवास शर्मा, एक्यूप्रेशर डॉ. भवानी सिंह सहित अनेक लोगों ने शिरकत करी कार्यक्रम के आयोजक रामदास पटवारी ने शिविर में पधारे डॉक्टरों का अभिनंदन कर स्वागत किया व रक्तदाताओं को पुरस्कृत किया ।

डॉ.आर्चित तिवारी को-ऑप्टेड सदस्य बने

जयपुर । डॉ. आर्चित तिवारी को भारतीय ऑरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट सोसाइटी के मुख्यालय में को-ऑप्टेड सदस्य (2026-2028) के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है। यह सोसायटी ओरल व डेंटल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र की देश की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित संस्था है, जिसकी स्थापना 36 वर्ष पूर्व हुई थी। डॉ. तिवारी इस पद पर चयनित होने वाले राजस्थान के पहले और एकमात्र डेंटल इम्प्लांटोलॉजिस्ट हैं। उन्हें आई.एस.ओ.आई. द्वारा फैलोशिप से भी सम्मानित किया जा चुका है, जो डेंटल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया जाता है। डेंटल इम्प्लांट एक आधुनिक तकनीक है, जिसमें खोए हुए दांतों के स्थान पर इम्प्लांट लगाकर स्थायी और प्राकृतिक दिखने वाले दांत लगाए जाते हैं।

झोटवाड़ा में चित्रकला प्रतियोगिता

जयपुर । सेवा पखवाड़े के अंतर्गत शहीद मेजर आलोक माथुर राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, झोटवाड़ा में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी रहीं, जिन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और उनके उत्साह को सराहा। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत की गईं चित्रकलाएं 'विकसित भारत', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे विषयों पर आधारित रहीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पेंटिंग केवल कला नहीं, हमारी संस्कृति, सोच और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में रचनात्मकता और सामाजिक चेतना का विकास होता है। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने बच्चों के बीच पहुंचकर उनकी पेंटिंग्स देखीं और संवाद भी किया। बच्चों ने उन्हें अपने चित्रों की भावनाएं बताईं, जिससे माहौल काफी उत्साहपूर्ण हो गया। इसी दौरान स्कूल प्रांगण में पौधारोपण किया गया और सफाई अभियान में विशेष योगदान देने वाली महिला सफाईकर्मियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य राजेश झालानी, सुरेश जांगिड, डॉ. उदिता सिंह, मंडल अध्यक्ष मालसिंह शेखावत, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अंजू मिश्रा सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। पार्षद अजय चौहान, रामकिशोर प्रजापत, गणेश नाथावत, ज्ञानीजी राठौड़, मोनू पंडित, विजेंद्र सिंह, विमलेश कंवर सहित स्थानीय नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और स्वच्छता संकल्प के साथ हुआ।

जमीअत उलमा-ए जयपुर की कार्यकारणी गठित

जयपुर । जमीअत उलमा-ए-जयपुर के सदस्यों की बैठक मुस्लिम मुसाफिर खाना में आयोजित हुई, बैठक में नई कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें निर्वाचन अधिकारी मौलाना अब्दुल वाहिद खत्री, महासचिव जमीअत उलमा-ए-राजस्थान व हाफिज मंजूर अहमद उपाध्यक्ष जमीअत उलमा ए राजस्थान उपस्थित रहे। मौलाना इल्यास कासमी आर्गनाइजर जमीअत उलमा-ए-हिन्द ने बताया कि जिले में 5000 प्राथमिक सदस्य है, 54 एक्टिव मेंबर है। सर्व सहमति से जिला कार्यकारणी गठित हुई, जिसमें हजरत मौलाना अब्दुल हमीद साहब काशफी दामत बरकातुहुम को सदर और मुफ्ती मोहम्मद शफीक क़ायमखानी साहब को जनरल सेक्रेटरी चुना गया। उपाध्यक्ष मौलाना महमूद हसन, हाफिज शकीलुदीन, मौलाना मोहम्मद इरशाद और हाफिज मोहम्मद अब्बास को चुना गया।

विदेश भेजने के नाम पर जयपुर में ठगी करने वाला गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

- **आरोपित श्याम टूर एवं ट्रेवल्स के नाम से पानीपेच में संचालित कर रहा था ऑफिस**
- **100-150 लोगों के 15-20 हजार रुपये प्रति व्यक्ति लेकर हो गया था फरार**
- **बेरोजगार युवाओं को सऊदी अरब व इजराइल भेजने के नाम पर ठगता था**

जयपुर । शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बेरोजगार युवाओं को सऊदी अरब व इजराइल(विदेश) भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने श्याम टुर एवं ट्रेवल्स के नाम से पानीपेच में ऑफिस संचालित कर रहा था। जो 100-150 लोगों के 15-20 हजार रुपये प्रति व्यक्ति लेकर फरार हो गया था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि शास्त्री नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बेरोजगार युवाओं को सऊदी अरब व इजराइल(विदेश) भेजने के नाम पर ठगी करने वाले ठग अशोक कुमार शर्मा(42) निवासी नवलगढ़ जिला झुंझुनू हाल जालुपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिसने श्याम टुर एवं ट्रेवल्स के नाम से पानीपेच में ऑफिस खोल रखा है और बेरोजगार युवाओं को विदेश भेजने के नाम पर ठगी की वारदात करता है।

'दुर्गोत्सव में दिखेगी बंगाल की महक और कोलकाता की झलक'

जयपुर । जय दुर्गा वेलफेयर सोसाइटी अपने 22वीं दुर्गोत्सव की तैयारी पूरे जोर-शोर के साथ शुरू कर चुकी हैं। यह विशाल आयोजन वैशाली नगर पश्चिम में बजरी मंडी रोड स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर के सामने हरिओम पैलेस में की जाएगी। बंगाल की महक और कोलकाता की झलक लिए देवी दुर्गा की भव्य प्रतिमा एवं कलात्मक पांडाल इस बार की पूजा की विशेष आकर्षण रहेगी। रविवार, 28 सितम्बर को सुबह षष्टी पूजा और शाम 7 बजे देवी की बोधन, आमंत्रण और अधिवास की पूजा संपन्न होगी। अष्टमी को 1:21 से दोपहर 2:09 तक 108 कमल के फूल और दीपक से देवी दुर्गा की संधि पूजा की जाएगी। यह आयोजन आध्यात्म, परंपरा, विरासत के साथ-साथ बंगाली संस्कृति को भी उजागर करती है। पूजा आयोजन के इन विशेष पांच दिनों में यहाँ प्रत्येक शाम को देश की अलग-अलग जगह से आये कलाकार भाग लेंगे।

महिलाओं के गले से चेन तोड़ने वाली शातिर महिला गिरफ्तार

बावरिया गैंग की इस महिला स्नैचर से पुलिस ने सोने की 2 चेन जब्त की

जयपुर । गोविंददेवजी मंदिर में सोमवार को महिलाओं के गले से सोने की चेन तोड़ने वाली शातिर महिला को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने बावरियां गैंग की इस महिला से लूट की दो चेन बरामद की है। गिरफ्तार आरोपित महिला ने गिरोह के अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि माणक चौक थाना इलाके में स्थित गोविंद देव जी मंदिर में महिलाओं के गले से सोने की चेन जोड़ने वाली शातिर महिला साहिबा उर्फ राखी पत्नि राहुल उर्फ निवासी- भरतपुर हाल खाना बदोस जवाहर सर्किल जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपित महिला से पास से दो सोने की चेन बरामद की।

आरोपित साहिबा उर्फ राखी मंदिरो मे आने वाली महिला दर्शनार्थियों की भीड़ मे शामिल होकर महिला श्रद्धालुओं द्वारा पहने हुए गले की चैन पर नजर रखकर मौका मिलते ही भीड़ का फायदा उठाकर उनके चैन चोरी कर लेती है तथा तुरंत वहां से निकल कर अपने ठिकाने पर ना जाकर अलग अलग जगह पर शरण लेती है ताकि कोई उस पर शक ना करे तथा पुलिस उसका पता ना लगा पाये।

पडौसी ने किया विवाहिता से दुष्कर्म

जयपुर । मुहाना इलाके में एक विवाहिता से पडौसी ने दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोपी की धमकी से परेशान होकर विवाहिता ने मामले की जानकारी अपने परिवार के लोगों को दी। जिसके बाद परिजनों ने विवाहिता को थाने ले जाकर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज उसकी तलाश शुरु कर दी है। थानाधिकारी गुर भूपेंद्र ने बताया कि 20 वर्षीय विवाहिता का आरोप है कि 5 सितम्बर को वो घर पर अकेली थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला युवक बहाने से घर पर आया और उसके अकेलपन का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने वारदात के समय अपने मोबाइल फोन पीड़िता का अश्लील वीड़ियों भी बना लिया और वायरल करने की धमकी देने लगा।

66 लाख की लागत से सीमेंटेड रोड और इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य होगा

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 48 के ब्रजराज एन्क्लेव कॉलोनी में 66 लाख रु. की लागत से सीमेंटेड रोड और इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। इस विकास कार्यों का शुभारंभ नवरात्र स्थापना पर पार्षद कुमकुम शक्तिसिंह मानपुरा ने किया।

भाजपा नेता शक्ति सिंह मानपुरा ने बताया कि झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में व्यापक विकास कार्य किए जा रहे है। बारिश से पूर्व लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्यों का शिलान्यास कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और ग्रेटर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने किया था। अब जैसे ही बारिश का मौसम समाप्त हुआ है, वैसे ही नवरात्रि के शुभ अवसर पर रोड निर्माण कार्यों की शुरुआत ब्रजराज एनक्लेव से की गई है। शीघ्र ही वार्ड 48 की सभी कॉलोनियों और गलियों में सड़कें बनाने का काम शुरू होगा।

शक्ति सिंह मानपुरा ने बताया कि मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां-जहां सीवरेज लाइन का कार्य पूरा हो चुका है, वहां तुरंत सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जाए और दीपावली से पहले इन कार्यों को पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को सुगम आवाजाही की सुविधा मिले। सोमवार को विकास कार्यों के

शुभारंभ अवसर पर कॉलोनी अध्यक्ष प्रेम शंकर मिश्रा, सचिव विक्रम सिंह, जनक सिंह, मूल सिंह, श्रवण सिंह, बनवारी शर्मा, दिलीप सिंह, भरत सिंह, संदीप शर्मा, बिशन सिंह, विष्णु अग्रवाल, हाकम सिंह, नानूराम हनुमान सिंह, महिपाल सिंह, मुकेश जैन, शिव प्रकाश समेत कई लोग मौजूद थे।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और परिपत्र अर्थव्यवस्था पर विशेषज्ञ व्याख्यान

जयपुर । एस.के.आई.टी. इंजीनियरिंग कॉलेज के यांत्रिकी अभियंत्रण विभाग द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और परिपत्र अर्थव्यवस्था विषय पर एक सारगर्भित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुनील चौधरी, उपाध्यक्ष, वीवॉइस लैब्स प्रा. लि., ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। वीवॉइस कंपनी पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन समाधानों के माध्यम से स्वच्छ और हरित भविष्य के निर्माण हेतु कार्यरत है।

एस.के.आई.टी. इंजीनियरिंग कॉलेज में व्याख्यान आयोजित हुआ।

अपने व्याख्यान में चौधरी ने परिपत्र अर्थव्यवस्था की अवधारणा को रेखांकित करते हुए उनके आईओटी आधारित, स्वचालित डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण प्रणाली की जानकारी दी, जो दक्षता बढ़ाने और स्वच्छ समुदायों के निर्माण में सहायक है। उन्होंने बताया कि वीवॉइस की समर्पित टीम समय पर अपशिष्ट संग्रहण सुनिश्चित करती है, जिससे नागरिकों को सतत और स्वच्छ वातावरण मिल सके। इस अवसर पर प्रो. धीरज जोशी, विभागाध्यक्ष (यांत्रिकी अभियंत्रण), प्रो. आशीष नैय्यर, डॉ. आचिन श्रीवास्तव, डॉ. मनोज सैनी, डॉ. अंकित अग्रवाल सहित संकाय सदस्य एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. दीपक कुमार द्वारा किया गया।

इस प्रेरणादायी सत्र ने छात्रों और शिक्षकों को सतत प्रथाएँ अपनाने तथा स्वच्छ भविष्य निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया, जो वीवॉइस के श्रेष्ठ और पर्यावरण-सचेत सेवाओं के मिशन के अनुरूप है।

कॉलेज से घर जाते वक्त दो छात्रों पर जानलेवा हमला

- **पहचान छुपाने के लिए मुंह पर रुमाल बांध कर आए थे हमलावर**
- **वीडियो के आधार पर मामला दर्ज, आरोपियों की तलाश जारी**

जयपुर । शिप्रा पथ थाना इलाके में कॉलेज से घर जाते वक्त दो छात्रों पर अज्ञात बदमाशों ने लाठी -डंडों से हमला कर दिया। अज्ञात बदमाशों ने दोनो छात्रों के साथ जमकर मारपीट की। जिसके बाद राहगीरों ने बीच-बचाव करवाया। मौका पाकर दोनो छात्रों ने छुपकर अपनी जान बचाई। इसी दौरान राहगीरों ने अज्ञात हमलावरों का वीडियों बनाना शुरु कर दिया। वीडियों बनता देख आरोपी आठ -दस बदमाश मौके से फरार हो गए।

थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि टैगौर कॉलेज में पढ़ने वाले भावेश और विनोद कॉलेज खत्म कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कॉलेज से थोड़ा सा आगे आठ -10 अज्ञात बदमाश ग्रुप बना कर खड़े थे। जैसे ही भावेश और विनोद कॉलेज से बाहर निकले वैसे ही अज्ञात 8-10 लड़कों ने लाठी,सरिए ,डंडों से उन पर हमला कर दिया और जमकर मारपीट की। लेकिन राहगीरों की भीड़ घटना स्थल पर जमा हो गई और लोग वीडियों बनाने लगे। इसी दौरान कुछ राहगीरों ने बीच बचाव भी किया। तभी मौका पाकर भावेश और विनोद रोड पर खड़ी बाईको के पीछे जाकर छुप गए। पीड़ित भावेश और विनोद ने पुलिस को बताया कि सभी अज्ञात बदमाशों ने अपनी पहचान छुपाने के लिए मुंह पर रुमाल बांध रखा था। दोनो छात्रों ने बताया कि उनकी कॉलेज में किसी से भी कोई दुश्मनी नहीं है। सभी से वो कुशल व्यवहार रखते है। ऐसे में अज्ञात बदमाशों ने उन पर क्यों हमला किया। ये समझ से पार है। पुलिस ने पीड़ित छात्रों की शिकायत पर बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

International Day of Sign Languages: Celebrating Inclusion and Communication

The International Day of Sign Languages, observed on September 23, celebrates linguistic and cultural diversity while promoting the rights of people who are deaf and hard of hearing. Recognized by the United Nations, the day highlights the importance of sign languages as vital tools of communication, identity, and inclusion. Events worldwide showcase the richness of sign languages and advocate for equal access to education, public services, and opportunities. By fostering awareness and encouraging broader use of sign languages, this day reinforces the principle that communication is a fundamental human right, ensuring no voice is left unheard.

#HOME MADE

Home Cure

Garlic, Ginger, and Honey in Water: A Timeless Remedy with Powerful Benefits

In the world of natural remedies, few combinations are as respected and widely used as garlic, ginger, and honey. These three simple ingredients, when infused in warm water, form a potent tonic that has been relied upon for generations in various cultures for its health-boosting properties. Backed by tradition and supported by modern research, this mixture is known for its immune-enhancing, anti-inflammatory, and detoxifying effects.

1. Immune System Support

Each ingredient in this trio is a natural immune booster. Garlic is rich in compounds like allicin, which has antiviral, antibacterial, and antifungal properties. Ginger contains gingerol, a powerful antioxidant known for reducing inflammation and fighting infections. Honey, especially raw or unfiltered, adds natural antimicrobial effects while soothing the throat and improving taste. Together, they form a natural shield against seasonal colds, flu, and minor infections.

2. Cold and Cough Relief

This mixture is a popular home remedy for soothing sore throats, coughs, and nasal congestion. Garlic clears up respiratory infections, ginger warms the body and clears mucus, and honey coats the throat and reduces irritation. Drinking a warm cup of this mixture first thing in the morning or before bed can offer relief from persistent coughing and congestion.

3. Digestive Aid

Garlic and ginger are both known to stimulate digestion. Ginger reduces bloating and nausea, while garlic promotes the production of digestive enzymes and balances gut bacteria. Drinking this infusion can help with indigestion, bloating, and mild stomach discomfort. Honey also acts as a mild prebiotic, feeding healthy gut bacteria.

4. Anti-Inflammatory and Detox Effects

Chronic inflammation is at the root of many diseases, and this combination helps combat it naturally. Ginger and garlic have been studied for their anti-inflammatory effects, which may help reduce joint pain, muscle soreness, and even symptoms of arthritis. The mixture also supports the liver, promoting the removal of toxins from the body.

5. Heart Health and Circulation

Garlic is known for its ability to lower blood pressure and cholesterol, while ginger promotes healthy circulation. Combined, they support cardiovascular health, potentially lowering the risk of heart disease when consumed regularly as part of a balanced diet.

How to Use

To make this tonic,

1. Boil a cup of water and add 1-2 cloves of crushed garlic and a small piece of fresh ginger (sliced or grated).
2. Let it steep for 5-10 minutes.
3. Strain, and add 1 teaspoon of honey once the water is warm, not hot, to preserve its enzymes.

Drink it warm, once or twice daily, preferably on an empty stomach or between meals.

A Word of Caution

While this remedy is safe for most people, those with certain conditions (like ulcers, low blood pressure, or bleeding disorders) or those on specific medications should consult a doctor before using it regularly.

Muiz ud din Qaiqabad.

Qaiqabad- Wine And Women Did Him In!

"The horse of my excellence is standing on the plain
The hand of my generosity is under an anvil
My eyes that never beheld less than gold mines and jewels
Come and see, how much it is perplexed today!"

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

The decline of the Mamluk dynasty started soon after the death of Balban. Balban died in 1287 and in 1290, Jalal-ud-Din Khalji acquired the throne and founded the Khalji dynasty. But what happened between this period of 3-4 years? Prince Muhammad Khan, who was the son of Balban and got the training for the throne, unfortunately died in 1285 in the battle against the Mongols. Another son of Balban, Bughra Khan, who was at that time the independent governor of Bengal, was not keen on the throne of Delhi and wanted to be the ruler of Bengal instead. Hence, Balban had chosen his grandson Kaikhasrau, son of Prince Muhammad, as his deceptive. But Kaikhasrau too died before the coronation and nobles chose Muiz ud din Qaiqabad, son of Ghugra Khan, as the new ruler. Qaiqabad, at the time of his ascension, was just 17 years old.

CONDITION OF DELHI SULTANATE

QAIQABAD, AT THE TIME OF HIS ASCENSION, WAS JUST 17 YEARS OLD.

At the time when Muiz ud din Qaiqabad was made the Sultan of Delhi, the Delhi Sultanate was in a very powerful position. He had managed to get among the most powerful empires in the world in mere inheritance. His predecessor Balban was among the most powerful and able rulers of the dynasty who managed to put a foundation of the most powerful empire for his descendants. Balban was highly successful in laying down an advanced system for the security of borders and territory. He established a strong army along with sheer discipline among the masses.

Muiz-ud-Din Qaiqabad.

To avoid and get rid of the issue of Mongol raids, Balban adopted special measures for defence in the Northern and North-Western region. Eastern India was already under the Delhi Sultanate and the rebels from the Hindu Rajputs were suppressed harshly. So, Qaiqabad served the empire with the golden spoon. But at the same time, it is also a matter of fact that he was not able to manage and administer such a powerful empire.

REIGN OF QAIQABAD

Qaiqabad was just a teen during his coronation and was among the closest grandsons of Balban. And this being the reason, Balban usually kept a lot of checks upon Qaiqabad. As a result, when he became the king, he got indulged in such things that he was kept deficit of. He indulged in the attraction of wine and women. And this was the example set by the Sultan to all the other nobles and courtiers. The result was that the administration of the Delhi Sultanate was kept neglected for a long time, making it weaker and weaker. The Sultan usually kept himself over-indulged in pleasure parties having no time for anything else. Gradually, all the power was taken into the hand of Nizam-ud-Din, the son-in-law of Fakhr-ud-Din, the Kotwal of Delhi. Qaiqabad just became the puppet ruler and Nizam-ud-din became the de-facto ruler.

The Eastern Entrance to the Mosque at Amroha.

#HISTORY

BUGHRA KHAN'S MARCH TO DELHI

In 1288, Bughra Khan, the father of Qaiqabad, marched towards Delhi along with a big army. There has been controversy behind the reason for Bughra Khan's march to Delhi. One view is that he wanted to snatch the throne from the hands of his son. But at the same time, when we notice the fact that he had rejected his authority to the throne, historians suggest that his objective was to give his son a lesson and advice to give up a life of ease and take active participation in the administration of the empire. Qaiqabad also made equally powerful arrangements to face the army of his father, both armies faced each other at Ghaghra near Ayodhya, but all this took the form of a peaceful settlement in the end.

Both the father and the son respected each other's authority and respect. Bughra Khan advanced the homage to Sultan while Qaiqabad came down from the throne in respect of his father. Meetings and settlements were held for days. Bughra Khan expressed his feelings to push Qaiqabad to a suitable position, warning him against the desires of Nizam-ud-Din. And then, both returned to their respective capitals. On returning to Delhi, many of the administrative changes and transfers were made by Qaiqabad. This led to little disturbance in the entire administrative mechanisms. Nizam-ud-Din was ordered to be transferred to Multan, but was later poisoned when he hesitated to obey the orders. Despite the opposition faced by the Turkish nobles, he gave Jalal-ud-Din Khalji (then Firuz) the fief of Baran and made him the commander of the army. Jalal-ud-Din Khalji's position was continuously increasing the empire due to his capability, leadership skills, and strategy.

On the other hand, Kayumars was said to be established under the name of Qaiqabad but was planned to be managed by the nobles. These two nobles even conspired against all the other rival nobles and planned their murder, including that of the Jalal-ud-din Khalji. Jalal-ud-din Khalji was warned by his nephew Malik Ahmed Chap about the conspiracy against him. Jalal-ud-din moved his quarters to Ghiyaspur and also called all those officers and nobles who were being targeted by the two nobles. The conspiracy gradually backfired on Jalal-ud-Din Khalji by strategy and technique. And soon after this, Jalal-ud-din's sons marched to Delhi, entered the royal palace, and captured the young Sultan Kayumars. He was brought to the camp of Jalal-ud-Din safely. After all, the rivals were reduced and the throne of Delhi was now safe and Kayumars was acknowledged as the sultan of Delhi.

They are fading but still in view, marks speaking of this reign. Four inscriptions which reveal details, of the four remaining inscriptions of Qaiqabad, the tenth and penultimate Sultan of the Slave Dynasty (r. CE 1286-1290), the one at Amroha in Uttar Pradesh is the only one that mentions his titles in full. There is one inscription at Hansi, Haryana and two more at Barwala in Hisar District in Haryana. Except for one in Barwala, the three inscriptions seem to be designed by an expert hand, extremely adept at artistry. The present epigraph is situated in Amroha's Saddo Masjid in Mohalla Saddo, and but for the epigraph, there is hardly anything which is dated to the Sultanate era of the Mamluks. This implies that either the epigraph is not in situ, or that the Mosque was reconstructed over the intervening years, and presently has a typical late-Mughal signature. In extreme decrepitude, the Mosque is also a contested property, and thus, entry into the ruins here is difficult. Before we get to the epigraph, let us spend some time with Qaiqabad, the founder of the Sultanate Capital of Kilokhari (we shall delve into this city as well below), now a nondescript village between Delhi's Sarai Kale Khan and Ashram.

MONGOL RAIDS DURING QAIQABAD

During his reign, Qaiqabad also faced Mongol raids under the leadership of Tamar Khan of Ghazni. He managed to plunder the region as far as Samana. But still, by this time, the defence system set up by Balban and Sher Khan was so prevalent that the Mongols, even at full capacity, were unable to invade Punjab. Malik Baqbaq played an important role in the defeat of the Mongols.

Muiz al-Din Qaiqabad

His training was overseen under the strict rules set up by Balban, thus keeping him away from the pleasures of the day, wine and women! The coronation must have released Qaiqabad from all the earlier restrictions placed upon him, and he decided to relocate to Khilokhari, where he set base after building a splendid palace and garden (both wiped out of existence now). Malik Jhaju, the nephew of Balban, was made the Governor of Samana (in Indian Punjab). Nizam-ud-Din, the nephew and son-in-law of the Kotwal Malik Fakr-ud-Din, was made the Chief Magistrate, who quickly ingratiated himself with Qaiqabad, and started to practically rule the Delhi Sultanate.

Meanwhile, Kaikhusrau had gone over to Ghazni to win over the Mongols to his cause to win back the throne of Delhi. Nothing came of it, and he was forced to return to Delhi. While on his way, Nizam-ud-Din, who had already poisoned Qaiqabad's mind about Kaikhusrau's rightful ownership to the throne, obtained a Royal Summon to eliminate Kaikhusrau, which was successfully carried out in Rohtak (Haryana). The Mongols were proving menacing, and to neutralize their threat, Qaiqabad sent an army to confront them at Lahore. The Mongols were forced to retreat, and were slaughtered in great numbers. Qaiqabad, upon learning that many of the Mongols had converted to Islam, decided to enlist them as Soldiers of Fortune. This did not go down well with Nizam-ud-Din, who once again sowed the seeds of suspicion about the Mongols' tendency to exhibit kinship with their clan and rise in revolt someday. Qaiqabad once again succumbed to the plot wrought by Nizam-ud-Din and ordered another slaughter of the Mongols in Delhi.

Bughra Khan, now titled Nasir-ud-Din, the Sultan of Bengal and father of Qaiqabad, upon learning of the great turmoil in Delhi, began his march to confront his son, who too gathered his forces. The father and son with their armies met on the banks of the Ghaghra (Sarayu) in Awadh. The meeting of the two is described in detail in Amir Khusro's Qiran-us-Sadain. Bughra Khan gave Qaiqabad explicit counsel to get rid of Nizam-ud-Din, who was eventually poisoned and eliminated. The death of Nizam-ud-Din paralyzed the Mamluks' rule, and gave an opportunity for Malik Firuz (an officer of Qaiqabad and based in Samana) to seize the moment. Malik Firuz rose to prominence after being appointed as aaron-ul-Mumalik (C-in-C). Qaiqabad fell ill with palsy and paralysis leaving his one side of the body out of use. Malik Firuz, seeing no hope of recovery for Qaiqabad, deposed the Sultan and installed Shams-ud-Din Kayumars (son of Qaiqabad), aged three on the throne, as the eleventh and final Sultan of the Mamluks, and made himself the regent. As Qaiqabad lay dying, he is known have to penned these lines, which in translation, reads,

"The horse of my excellence is standing on the plain
The hand of my generosity is under an anvil
My eyes that never beheld less than gold mines and jewels
Come and see, how much it is perplexed today!"

A Malik, whose father had been put to death by Qaiqabad, vowed to avenge his father's death. He entered Qaiqabad's chamber, wrapped his body in a sheet and kicked him out of the palace. Qaiqabad's lifeless body was thrown out of the window into the waters below. Thereafter, Malik Firuz seized the throne, ended the Mamluks' rule and established the Khiljis' Dynasty in CE 1290.

Khilokhari

The fresh founding of the city comes from the accounts of Ziyauddin Barani in his magnum opus, Tarikh-i-Firuz Shahi. He credits Sultan Qaiqabad as the founding father of Khilokhari. He describes him as a 'handsome young man of excellent qualities with a heart filled with the desire to enjoy the pleasures of life.' On the banks of river Yamuna, Qaiqabad laid foundations of a large palace and a splendid garden. He moved there and started living with his auxiliaries. The nobilities started building palaces in the quarters they occupied and the heads of each profession moved from Delhi-i-Kuhna or the Old Delhi to Khilokhari, making it populous and flourishing. Eventually, singers, jesters and performers started migrating to the city. In the due course of time, wine houses became full and recreational places came up in the city. Sources suggest that the price of wine increased ten-fold. Everybody was busy seeking the sensual pleasure of the materialistic world, supplemented by an enormous demand for wine and perfume. However, there's no evidence suggesting that Qutb Delhi ceased to be the capital of the Sultanate. The imperial mint continued to be located in Qutb Delhi and the coins mentioning the name of Sultan Qaiqabad were found from Qutb Delhi. The reign of Jalaluddin Khalji witnessed a new round of construction activities in Khilokhari.

The Inscription at Amroha

The epigraph in Arabic and written in Naskh is of great artistic merit (on par with the inscription of Balban at Garh Mukteshwar). It gives all the titles borne by Sultan Qaiqabad in due order. Calligraphy at this time was a popular art in India, and Qaiqabad, when a Prince, along with literature and art, was trained in it also. This epigraph was seemingly prepared by calligraphists who were employed at the court, and were held in considerable esteem. The Arabic language employed here is free from grammatical errors. The name of the builder indicates that he was probably an Abyssinian Slave, but as his name does not occur in history, it appears that he was one of the minor officials. The inscription consists of two lines engraved on a slab which is roughly 3'9?x1'. When translated, the inscription reads,

"The erection of this building, the blessed Mosque, was ordered, during the time of the rule of the great Sultan, the Shadow of God in the World, Mu'izzu-d-dunya waddin (who is) distinguished by the kindness of the Cherisher of the World, and stands by the support of the Merciful (God), Abu-l-Muzaffar Qaiqabad, the Sultan - may God perpetuate his kingdom and his rule! - by the frail slave, expectant of the mercy of our Lord, Bal'anbar as-Sultani (the Royal Slave), on the first of the blessed month of Ramazan, year AH 686 (CE 1287)."

rajeshsharma1049@gmail.com

This used to be the Entry Exit Gate on the East of the Saddo Mosque Complex in Amroha.

#ANIMALS

He Forgot How To Fly

Fascinating Animal Facts: Nature's Surprising Tricks and Talents

The animal kingdom never ceases to amaze us with its incredible diversity and astonishing adaptations. From birds too heavy to fly to tiny rodents that survive without water, animals have developed remarkable traits to thrive in their environments. Here are some fascinating facts about a few extraordinary creatures that highlight nature's creativity and resilience.

The Kakapo: The Heavy Parrot That Forgot How to Fly

The kakapo, native to New Zealand, holds the title of the world's heaviest parrot. Weighing up to four kilograms, this nocturnal bird is simply too heavy to take flight. Unlike other parrots that glide and soar, the kakapo has adapted to life on the ground, using its strong legs to climb trees and walk around. Its unique characteristics and inability to fly make it one of the rarest and most remarkable birds alive today.

Ostrich Legs: More Powerful Than a Lion's Bite

The ostrich, the largest flightless bird on Earth, possesses legs so strong that they can crush bones with a single kick. This incredible strength is enough to injure or even kill predators such as lions, making the ostrich a formidable adversary despite its inability to fly.

Dolphins: Masters of Imitation

Dolphins are among the smartest animals on the planet. Their ability to imitate human sounds and behaviours demonstrates advanced cognitive skills and a unique capacity to connect and communicate across species.

Parrots on the Move: Speedy City Flyers

Parrots are not just colourful and intelligent; some species can travel remarkable distances in surprisingly short times. In bustling urban environments like Delhi, parrots can fly swiftly across the city, showing off their agility and adaptability to human habitats.

Eagles: The Sky's Heavyweight Lifters

Eagles are renowned for their impressive hunting skills and strength. One remarkable fact is their ability to carry prey weighing up to six kilograms while flying. This capability showcases the power of their sharp talons and strong wings, making eagles some of the most dominant birds of prey in the sky.

Two-Headed Snakes: When Cooperation Turns to Conflict

Occasionally, snakes are born with two heads, a condition known as bicephaly. These snakes often face internal struggles as each head tries to control the body, sometimes leading to conflict between the two. This bizarre condition usually decreases their survival chances in the wild.

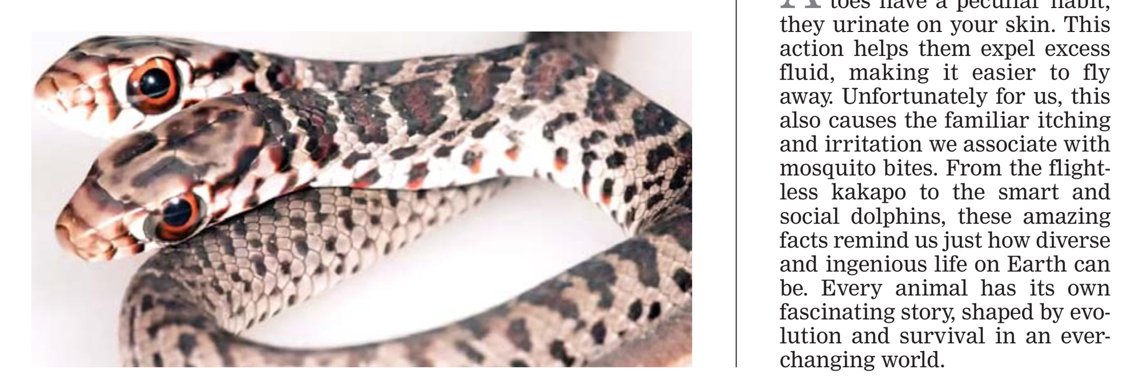

Elephant Memories: Friends, Foes, and Never Forgotten

Elephants have earned a reputation for their extraordinary memory. The saying 'an elephant never forgets' holds true, as these majestic animals can remember friends and enemies alike over many years. This memory helps maintain complex social relationships crucial to their survival.

The American Kangaroo Rat: Nature's Water-Free Wonder

Surviving in some of the harshest desert environments of North America, the American kangaroo rat has an incredible adaptation, it never drinks water. Instead, this small rodent obtains all the moisture it needs from the dry seeds it eats. This efficient water conservation strategy allows it to thrive where water sources are scarce or nonexistent.

Mosquitoes: The Annoying Urinators

After drawing blood, mosquitoes have a peculiar habit, they urinate on your skin. This action helps them expel excess fluid, making it easier to fly away. Unfortunately for us, this also causes the familiar itching and irritation we associate with mosquito bites. From the flightless kakapo to the smart and social dolphins, these amazing facts remind us just how diverse and ingenious life on Earth can be. Every animal has its own fascinating story, shaped by evolution and survival in an ever-changing world.

THE WALL

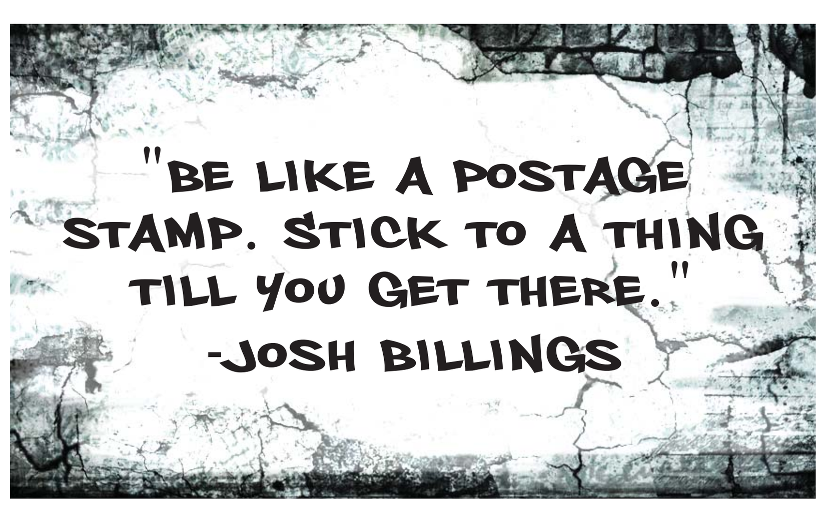

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

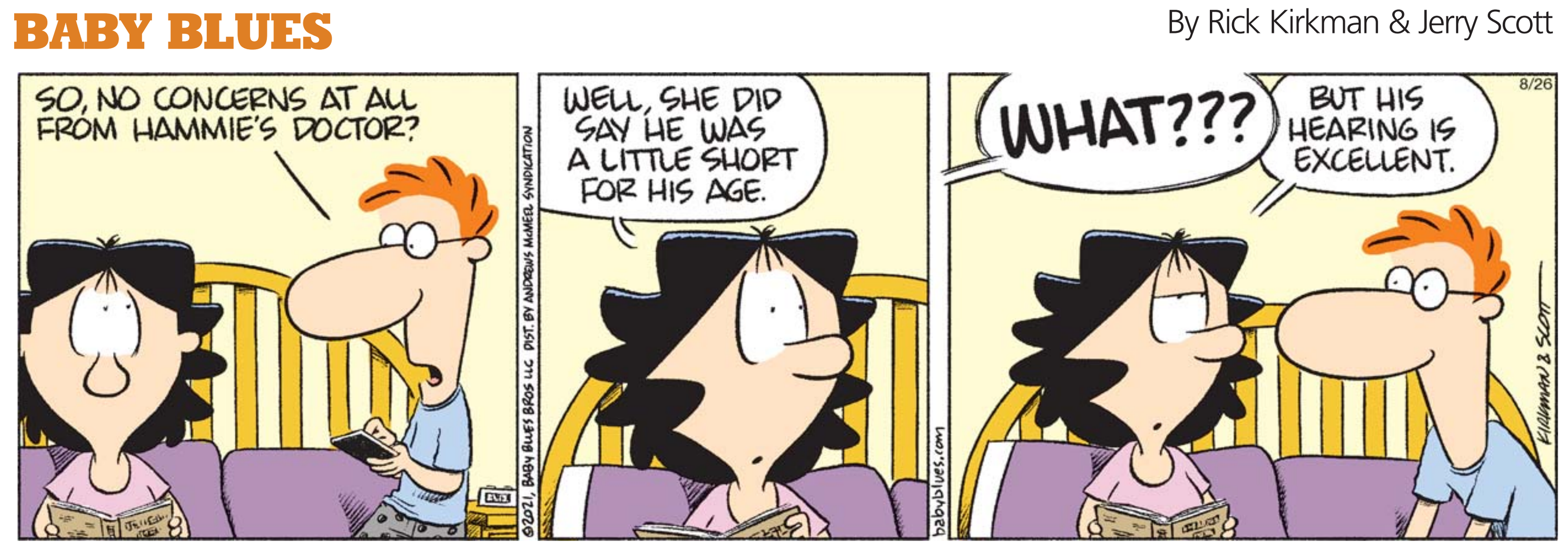

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

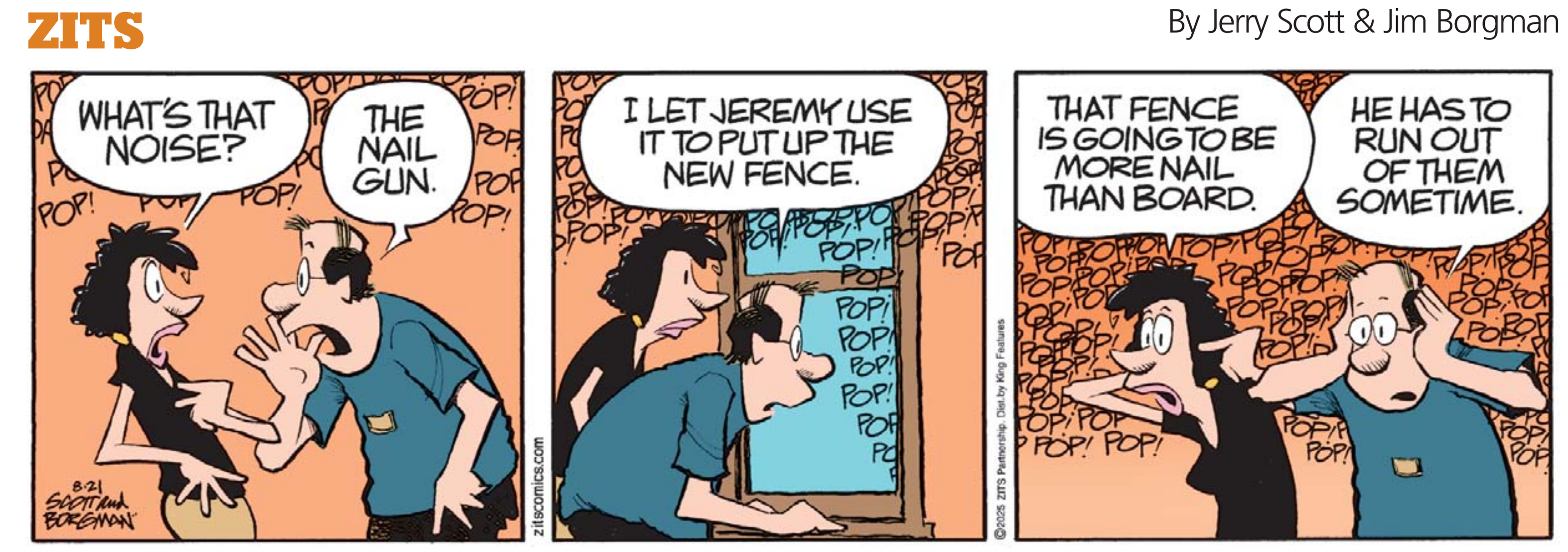

कोटा में ''राष्ट्रीय मेला दशहरा-2025'' का रंगारंग आग़ाज़

ध्वजारोहण के साथ मेला शुरुआत की उद्घोषणा की, आतिशबाजी की और गुब्बारे उड़ाए

कोटा, (निसं)। राष्ट्रीय मेला दशहरा-2025 का सोमवार को रंगारंग आगाज हुआ। मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने ध्वजारोहण, आतिशबाजी के बाद मेला शुरुआत की औपचारिक उद्घोषणा की। वहीं आसमान में गुब्बारे उड़ाकर मेले की भव्यता का परिचय कराया।

कार्यक्रम में विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, शहर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जैन, महापौर राजीव अग्रवाल, मेला अध्यक्ष विवेक राजवंशी, मेला अधिकार अशोक कुमार त्यागी, आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा, अतिरिक्त मेला अधिकारी महेश गोयल, मेला प्रभारी सत्यनारायण राठौर, उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया मौजूद रहे।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि हमारे मेले स्वदेशी का आधार स्तम्भ हैं। हमारे स्वदेशी उत्पादों की ताकत दुनिया में बढ़ रही है। इनकी ताकत से हम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। इसके साथ लोगों को आर्थिक बचत भी हो, महंगाई कम करके मेले में ज्यादा से ज्यादा लोग स्वदेशी वस्तुएं खरीदें। उन्होंने कहा कि

कोटा में 132वें राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 का आगाज गुब्बारे छोड़कर किया गया।

मेले में संस्कृति, संस्कार और विरासत के साथ आधुनिकता का संगम दिखाई देता है। इस बार मेले में विशेष बाजार दिखेंगे। देशभर की अलग-अलग हिस्सों की संस्कृति, वहां बनने वाले हस्तशिल्प और अन्य वस्तुएं नजर आएंगी। अलग-अलग प्रदेशों की कला एक छत के नीचे नजर आएगी। सभी समाज और धर्म को मानने वाले लोग सभी संस्कृतियों का उत्सव मेले में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि श्रीराम के चरित्र का वर्णन रामलीला के माध्यम से मेले के दौरान किया जाएगा। भगवान राम ने अपने आदर्श जीवन के द्वारा लोगों को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका समर्पण, त्याग और तपस्या हमें सदैव प्रेरित करती है। शोषित पीड़ित व्यक्तियों के आत्मसम्मान के लिए राम की लड़ाई पूरी दुनिया के लिए अदभुद है। श्रीराम ने अहंकार रूपी राक्षसी वृत्ति के प्रतीक रावण को समाप्त किया था। कभी भी अहंकारी व्यक्ति ज्यादा समय तक दिलों पर राज नहीं कर सकता। भगवान

■ मेले स्वदेशी का आधार स्तम्भ हैं, हमारे स्वदेशी उत्पादों की ताकत दुनिया में बढ़ रही : ओम बिरला

राम ने वनवासी के रूप में जीवन जीते हुए भी रावण जैसे शासन पर बैठे हुए व्यक्ति पर विजय प्राप्त की। महापौर राजीव भारती ने कहा कि राष्ट्रीय मेला दशहरा में विरासत, परंपरा, धरोहर का अमूल्य संगम दिखाई देता है। कोटा का मेला हमारे लिए गौरव का विषय है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के मार्गदर्शन में इसे भव्य बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। नवाचारों के द्वारा इसका स्वरूप बदल गया है। धन्यवाद देते हुए महिला अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने कहा कि हम राम बारात को भव्य बनाने का प्रयास कर रहे हैं। पहली बार राम बारात के मार्ग को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के प्रयासों से बदला गया है। मेले से जन-जन का जुड़ाव हो, मेला केवल मेला समिति का नहीं है, बल्कि हर कोटा वासी का है।

बहीर क्षेत्र में उपजे साम्प्रदायिक तनाव में आठ आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी व थानाधिकारी कोतवाली भंवरलाल के नेतृत्व में टीम गठित द्वारा बहीर क्षेत्र में 19 सितम्बर को हुए साम्प्रदायिक तनाव को लेकर उत्पन्न हुई घटना में शामिल आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर व पांच बाल अपचारियों को निरुद्ध किया है।

■ घटना में शामिल पांच बाल अपचारियों को भी निरुद्ध किया

थानाधिकारी ने बताया कि 19 सितम्बर को सांयकाल बहीर क्षेत्र में कुछ नाबालिग लड़कों ने इस्ट्राग्राम पर लगी एक स्टोरी को लेकर बहीर में परिवादी पक्ष के एक लड़के को रोका व पोस्ट करने वाले लड़के को ढूंढते हुये उसके घर भगतों की ढाणी में आपराधिक आशय से गये। वहां पर वारदात करने के बाद वापसी में भागते समय परिवादी पक्ष के मकान में घुसकर अन्दर लगी एमरोड्री (कशीदा मशीन) मशीनों में तोड़ फोड़ की व एक मोटर साइकिल को तोड़ दिया व बहीर से श्मशान रोड तिराहे पर एकत्रित होकर इस्टांग्राम पर पोस्ट करने वाले लड़के की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे व माहौल खराब करने की कोशिश की गई। जिसके बाद थाना कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर वीडियो फुटेज की सूचना व तकनिकी सहायता के आधार पर आरोपी आसिफ खान, रेहान खान पुत्र नियाज मोहम्मद, फारिक बेग उर्फ जाकिर, बिलाल पुत्र मोहम्मद इस्लाम, शाहवेज उर्फ शाबु पुत्र मोहम्मद आमीर, शारिक हुसैन पुत्र हामिद हुसैन, मोहम्मद अजहर पुत्र अहमद नूर व फाजिल पुत्र खलीलनिवासी बहीर टोंक को गिरफ्तार कर पांच बाल अपचारियों को निरुद्ध किया है।

29 क्विंटल जब्तशुदा अवैध डोडा पोस्त एवं 16 किलो गांजा नष्ट किया

ब्यावर, (निसं)। 22 सितंबर को पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाया जा रहा राष्ट्रव्यापी अवैध मादक पदार्थ निस्तारण पखवाड़े के तहत जिले के थानों पर अवैध मादक पदार्थ तस्करी से संबंधित दर्ज प्रकरणों में बरामद अवैध मादक पदार्थों के नष्टीकरण हेतु न्यायालय से आदेश प्राप्त कर अवैध डोडा-पोस्त एवं गांजा ब्यावर शहर के बाहर निश्चित स्थान पर जलाकर नष्ट किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतन सिंह ने बताया कि राष्ट्रव्यापी अवैध मादक पदार्थ निस्तारण पखवाड़े के तहत जिला के थानों पर एन.डी.पी. एस. के प्रकरणों में जब्त अवैध मादक पदार्थों के नष्टीकरण (भस्मीकरण) करने हेतु पुलिस मुख्यालय से निर्देश प्राप्त हुऐ थे, जिस पर नियमानुसार जिन प्रकरणों में एन.डी.पी.एस. एक्ट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर 26 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध डोडा-पोस्त एवं गांजा नष्ट करने हेतु नष्टीकरण समिति का गठन किया जाकर 22 सितंबर का दिन नियत किया गया था। निर्देशानुसार जिले के समस्त थानाधिकारीगण प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों को श्रीसीमेंट फैक्ट्री, ब्यावर लेकर पहुंचे, जहां गठित समिति के अध्यक्ष जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतन सिंह आईपीएस तथा सदस्य अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर भूपेन्द्र शर्मा व जयराम पुलिस निरीक्षक अपराध सहायक मय थानाधिकारी की उपस्थिति में नष्टीकरण के तहत थानों पर जब्त अवैध मादक पदार्थों का नष्टीकरण किया गया। नष्टीकरण की प्रक्रिया में करीब 29 क्विंटल डोडा-पोस्त एवं 16 किलोग्राम गांजा को जलाया जाकर नष्ट किया जाकर संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी करवाई गई।

डॉ. फतेह सिंह भाटी को ''मनुज साहित्य सम्मान-2025'' मिला

जयपुर/चूरू। डॉ. ओ.पी. शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट, चूरू की ओर से रविवार को नगर-श्री चूरू के सभागार में आयोजित साहित्य समारोह में जोधपुर के जाने माने साहित्यकार डॉ. फतेह सिंह भाटी को प्रतिष्ठित मनुज साहित्य-सम्मान 2025 अर्पित किया गया। सम्मान स्वरूप सम्मान पत्र, शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न एवं ग्यारह हजार रुपये प्रदान किये गये। इस अवसर पर

■ साहित्य समारोह में कहानी संग्रह ''वजूद'' का लोकार्पण किया

नगर-श्री चूरू के सभागार में आयोजित समारोह में साहित्यकार डॉ. फतेह सिंह भाटी को सम्मानित किया।

स्नेहलता शर्मा के हिन्दी कहानी संग्रह ''वजूद'' का लोकार्पण भी हुआ।

समारोह अध्यक्ष और विचारक प्रोफेसर कमल सिंह कोठारी ने कहा कि डॉ. ओमप्रकाश शर्मा का जीवन हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है। उनके व्यक्तित्व से हम सीख सकते हैं कि प्रतिकूल परिस्थिति में अपने इरादे दृढ़ रखते हुए किस प्रकार आगे बढ़ा जाता है। जेन-जी जैसे नए किंतु विध्वंसक तत्वों को किनारे करते हुए हमें एक संस्कारवान पीढ़ी तैयार करनी है और इस कार्य के लिए डॉ. ओमप्रकाश शर्मा जैसे उज्ज्वल चरित्रों से ही प्रेरणा मिल सकती है। उन्होंने पुस्तक वजूद की कहानियों की सराहना की। मुख्य अतिथि, वरिष्ठ लेखक और सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के उप निदेशक कुमार अजय ने साहित्य के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि साहित्य मानसिक स्वास्थ्य की सबसे बड़ी दवा है। साहित्य कला से दूर होते समाज में निरंतर मनोरोगियों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमें पुरखों की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास सराहनीय है। साहित्यकार डॉ. फतेहसिंह भाटी ने कहा कि सच्चा साहित्यकार वह होता है, जो अपने लेखन में लोकमानस में रचे-बसे पात्रों को जीवन्त करता है, क्योंकि इन पात्रों को अगली पीढ़ी तक लेकर जाना बहुत जरूरी है। साहित्यकार का यह भी दायित्व है कि वह ऐसे पात्रों को भी अपने रचनाकर्म में सम्मिलित करे, जिनके विषय में लोगों को अधिक जानकारी नहीं है।

रवीन्द्र शर्मा ने कहा कि साहित्य के लिए अपना जीवन होम करने वाले साधकों का सम्मान करना संस्थाओं और समाज का कर्तव्य है। स्नेहलता शर्मा ने कहा कि साहित्य में सत्यं-शिवम-सुंदरम का आदर्श सर्वोच्च होना चाहिए। प्रबन्धन ट्रस्टी डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, एडवोकेट सुरेश शर्मा, श्यामसुंदर शर्मा, विनोद मेहता, डॉ. प्रमोद बाजोरिया, गुरुदास भारती, रवींद्र शर्मा, राजेन्द्र मुसाफ़िर, आशुतोष, इदरीस खत्री, ओमप्रकाश तंवर आदि ने सम्मान्य साहित्यकार व अतिथियों का स्वागत-अभिनन्दन किया। मंच संचालन साहित्यकार प्रोफेसर सुरेन्द्र सोनी ने किया। इस अवसर पर ऊषा शर्मा, अनसुईया शर्मा, पुष्पा शर्मा, मीना सोनी, आनंदबाला, विजयलक्ष्मी पारीक, भगवती पारीक, सरोज, लाजवंती मुद्गल, उमा सारस्वत, दीपिका शर्मा, डॉ. कमल वशिष्ठ, विष्वनाथ तंवर, बाबूलाल शर्मा, मनमीत सोनी, हरिसिंह, रमेश सोनी, बाबूलाल शर्मा, विजयकान्त, दिनेष तोषाण, षिवकुमार गोइन्का, बृजेन्द्र दाधीच, शैलेन्द्र माथुर, सोमेश शर्मा, सज्जन लाटा, सहित अनेक प्रबुद्ध श्रोता उपस्थित थे।

कार से 102 किलो डोडा-चूरा के साथ एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की सवाईपुर चौकी पुलिस ने रविवार रात अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक बलेनो कार से 102 किलो डोडा-चूरा को जब्त करते हुए एक जने को गिरफ्तार किया, वहीं दूसरा फरार हो गया।

पुलिस ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ अभियान के तहत पारस जैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भीलवाड़ा व बाबू लाल बिश्नोई वृताधिकारी वृत्त माण्डलगढ़ भीलवाड़ा के निकटतम सुपरविजन में जय सुल्तान कार्यवाहक थानाधिकारी बडलियास मय टीम के कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार रविवार को थाना बड़लियास की चौकी सवाईपुर कांस्टेबल श्रवण कुमार व मुकेश कुमार दोनों कोटड़ी चौराहा, सवाईपुर पर गश्त कर रहे थे। उसी दौरान बिगोद कि तरफ से एक सफेद रंग कि बलेनो गाड़ी तेज गति से आई, जिसमें दो व्यक्ति बैठे थे। दो व्यक्ति संदिग्ध प्रतित होने से कांस्टेबल द्वारा पीछा कर चौकी सवाईपुर के सामने बेरिकेट्स लगाकर गाड़ी को रूकवाया, जहां चालक राहुल तेली पिता गिरधारी लाल तेली निवासी साडास, जिला चित्तौड़गढ़ को पीछा कर पकड़ा व खलासी साईड में बैठा व्यक्ति हितेश चौधरी भाग गया। गाड़ी में देखा तो पीछे वाली सीट पर दो काले रंग प्लास्टीक कट्टे व डिग्गी में तीन कालें रंग प्लास्टीक कट्टे पड़े हुये मिले, जिनकी तलाशी लेने पर डोडा-चूरा भरा हुआ पाया होने से उच्चाधिकारियों को सूचना दी। इस पर कार्यवाहक थानाधिकारी जय सुल्तान पुनि बड़लियास थाना कांस्टेबल शैतान सिंह मौके पर गये व कार कि तलाशी ली गई तो कार में पाँच कट्टों में 102.590 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा पाया गया। डोडा-चूरा व कार को जब्त कर राहुल तेली पिता गिरधारी लाल तेली निवासी गेहर का चौक साडास थाना साडास जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया।

कुलपति विवादित बोल मामला: छात्रों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर की मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा के खिलाफ छात्रों का विरोध जारी है।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विरोध के रूप में सोमवार को यूनिवर्सिटी प्रशासनिक भवन के बाहर सफाई अभियान चलाया। इस दौरान छात्रों ने भवन की सीढ़ियों पर रखे गमलों को व्यवस्थित जमाया। वहां आसपास जमी मिट्टी को झाड़ू से साफ किया और पत्थरों को वहां से हटाया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और सीढ़ियों पर बैठ गए, जहां नारे लगाए गए।

एबीवीपी महानगर मंत्री पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि औरंगजेब को कुशल शासक बताने वाले कुलपति के बयान से लगता है कि उन्हें मेवाड़ के वीर पराक्रमी योद्धाओं के बारे में ठीक से जानकारी नहीं है। इतिहास उन्होंने नहीं पढ़ा है। ऐसे कुलपति को जब तक पद से नहीं हटाया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा। विरोध में कुलदीप सिंह, त्रिभुवन सिंह, पार्थ दीक्षित, चिराग दायमा, अंशुमान सिंह, चिराग तिवारी सहित कई छात्र मौजूद रहे। वहीं कुलपति के खिलाफ जांच को लेकर राजभवन के निर्देश पर गठित की गई जांच समिति को 6 दिन हो चुके है। संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवल रमानी की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय टीम जांच में जुटी है। टीम जल्द ही राज्यपाल को अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। थाना कसारवाड़ी क्षेत्र के जालिमपुरा गांव में जलोत्थान सिंचाई योजना के सौर ऊर्जा प्लांट से बिजली की केबल चोरी करने के दो आरोपी अनिल पुत्र दूदा डामोर निवासी रूपगढ़ व अल्पेश पुत्र रमेश बारिया निवासी गोयका बारिया को गिरफ्तार करते हुए 25 किलोग्राम ताम्बा जब्त किया गया है। थानाधिकारी नरेन्द्र सिंह ने बताया कि गत 12 सितम्बर को प्रार्थी निलेष रावत निवासी जालिमपुरा ने रिपोर्ट दी कि 10 सितम्बर की रात्रि को चोरों ने प्लांट में लगी केबल व वाईरिंग केबल चुराई थी।

ब्रेन डेड घोषित होने के बाद छात्र दुर्गाशंकर गुर्जर के अंगदान किये

जेएलएन मेडिकल कॉलेज में 60 साल में पहला अंगदान हुआ

अजमेर, (कासं)। शारदीय नवरात्रि के पावन दिनों में जब घर-घर घट स्थापना के साथ श्रद्धालु नवरात्र महोत्सव में जुटे थे, तभी अजमेर में ग्रीन कोरीडोर के माध्यम से अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में 9वीं कक्षा के 16 वर्षीय छात्र दुर्गा शंकर गुर्जर ने इंसानियत की मिसाल पेश की, जिसे भूलना मुश्किल है। ब्रेन डेड घोषित होने के बाद दुर्गाशंकर के पिता जवानराम गुर्जर ने बेटे के अंगदान का फैसला लेकर तीन लोगों की नई जिंदगी रोशन की। ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में किडनी, लिवर और फेफड़ों को भेजा गया है, जबकि हार्ट सही परफोरमेंस नहीं कर पाने, जांच में कमियां सामने आने पर तथा चेन्नई की दूरी अधिक होने की वजह से हार्ट चेन्नई भेजना कैंसिल कर दिया।

केकड़ी के रहने वाले दुर्गाशंकर गुर्जर 9वीं कक्षा के छात्र थे। 16 सितंबर को सिरदर्द और उल्टी की शिकायत के बाद केकड़ी के सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया, नाजुक हालत को देखते हुए अजमेर के जेएलएन अस्पताल रैफर किया गया। चार दिन इलाज के बाद 21 सितंबर की रात 2 बजे उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। जेएलएन मेडिकल कॉलेज की अंगदान के प्रेरित करने वाली टीम ने परिवार से संपर्क कर उन्हें अंगदान के लिए प्रेरित किया। जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने बताया कि जब परिवार ने सहमति दे दी तो तत्काल एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर और चेन्नई मेडिकल कॉलेज से संपर्क किया गया। जयपुर से आई टीम के

108 एंबुलेंस से शव को गांव रवाना किया।

प्रभारी हार्ट सर्जन डॉ. संजीव देवगोडा, डॉ. ध्रुव शर्मा, लिवर सर्जन डॉ. दिनेश भारती, किडनी सर्जन डॉ. रामदयाल साहू, चेन्नई से हार्ट सर्जन डॉ. अरुण और डॉ. जगदीश अजमेर पहुंचे। चेन्नई के डॉक्टर्स की टीम बिना समय गवांए हवाई जहाज से अजमेर पहुंची। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर चार्टेट प्लेन की भी व्यवस्था की गई थी। जयपुर और चेन्नई से डॉक्टरों की टीम 21 सितंबर रात ही जेएलएन अस्पताल पहुंच गई थी। शुरुआती योजना हार्ट को चेन्नई भेजने की थी, लेकिन हार्ट कमजोर पाया गया और दूरी के कारण जोखिम बढ़ जाता, इसलिए दो किडनी और लिवर सुरक्षित निकालकर ग्रीन कॉरिडोर के जरिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजे गए। इनसे तीन लोगों को नई जिंदगी मिलेगी। अस्पताल प्रशासन, पुलिस और जिला प्रशासन ने मिलकर अजमेर से जयपुर तक ग्रीन कॉरिडोर तैयार कराया। कलेक्टर लोकबंधु, एसपी वंदिता राणा और एएसपी ग्रामीण दीपक शर्मा के नेतृत्व में कॉरिडोर तैयार किया गया। जयपुर की टीम में हार्ट सर्जन डॉ. संजीव देवगोडा, लिवर सर्जन डॉ. दिनेश भारती, किडनी सर्जन डॉ. रामदयाल साहू और डॉ. जगदीश शामिल रहे।

प्राचार्य डॉ. सामरिया ने बताया कि छात्र दुर्गाशंकर की दिमाग की नस फटने से ब्रेन डेथ हो गया था, जबकि उसके शरीर के बाकी अंग सामान्य रूप काम कर रहे थे। उन्होंने कहा अंगदान करने में समय महत्वपूर्ण होता है, इसलिए परिवार का तुरंत निर्णय बेहद अहम साबित हुआ। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी इस मौके पर अस्पताल पहुंचे और उन्होंने छात्र दुर्गा शंकर के परिवार को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह कदम समाज में अंगदान को लेकर नई जागरूकता पैदा करेगा,

■ लिवर व लंग्स जयपुर एसएमएस अस्पताल भेजा, हार्ट का चेन्नई जाना कैंसिल हुआ

उन्होंने कहा कि परिवार ने बहुत ही पुण्य का काम किया है। आमतौर पर परिवार हिम्मत नहीं जुटा पाता है। चिकित्सा के क्षेत्र में अंगदान से लोगों के जीवन को बचाया जा रहा है। अस्पताल परिसर में श्रद्धांजलि सभा हुई। दुर्गा के पिता जवानराम गुर्जर किसान हैं। मृतक के भाई रवि शंकर और दिनेश गुर्जर पेशे से नर्सिंग कर्मी हैं। उनकी बहन समा गुर्जर बीएससी नर्सिंग छात्रा है। जवानराम ने ईश्वर से प्रार्थना की कि उनके पुत्र के अंगदान सफल हों और जिन्हें ट्रांसप्लांट किया जा रहा है, उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले। मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल प्रबंधन ने दुर्गा शंकर को सम्मान के साथ विदाई दी। आपातकालीन विभाग में सभी डॉक्टर्स एकत्रित हुए, जैसे ही दुर्गा शंकर के शव को ऑपरेशन थियेटर से लेकर नीचे आया तो सभी चिकित्सकों ने पुष्प अर्पित किए। 108 एंबुलेंस को माला से सजाया गया और परिवार उसमें बैठकर अपने गांव रवाना हुआ।

डॉ. अरविंद खरे, अधीक्षक जेएलएन अस्पताल अजमेर का कहना है कि जेएलएन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के 60 साल के इतिहास में यह पहला अवसर रहा, जब किसी मृतक दाता के शरीर से अंग निकाले गए और अंगों को ट्रांसप्लांट के लिए भेजा गया।

वल्लभ नगर में तीन इंच बारिश

उदयपुर, (कासं)। मानसून के विदा होने से पहले उदयपुर संभाग के कई क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटों में वल्लभनगर में तीन इंच (72 मिमी) बारिश दर्ज की गई। इधर कई जलाशयों में पानी की आवक भी बनी हुई है। रूक-रूक कर बारिश होने के बावजूद गर्मी का असर तेज बना हुआ है। सोमवार को उदयपुर में अधिकतम तापमान 32.5 तथा न्यूनतम तामपान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जल संसाधन विभाग ने उदयसागर के दोनों गेट बंद कर दिए हैं। उदयसागर का जलस्तर 24 फीट के मुकाबले सोमवार को 22 फीट 8 इंच है। आयड़ नदी से आवक जारी है। फतहसागर में पानी की आवक बनी रहने से चारों गेट खुले रखे गए हैं। सीसारमा नदी में 2 फीट 8 इंच पानी का बहाव बना हुआ है।

दुष्कर्म के आरोपी फरार, तलाश जारी

अनूपगढ़, (निसं)। रावला क्षेत्र में मंदबुद्धि महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के घर में दो लोगों ने घुसकर उससे दुष्कर्म किया। आरोपी पूर्व सरपंच श्रवण राम और केशराराम हैं। पीड़िता के पति की गैर मौजूदगी में दोनों आरोपी शराब के नशे में घर में घुसे। पीड़िता ने 13 सितंबर को रावला थाने में मामला दर्ज करवाया। घटना के बाद से पीड़िता मानसिक सदमे में है। उसका इलाज बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में चल रहा है। 9 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसके विरोध में समाज ने बैठक की। समाज के लोगों ने इसे पूरे समाज पर हमला बताया। बैठक के बाद डीएसपी प्रशांत कौशिक को ज्ञापन सौंपा गया।

विद्युत तार व नल चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। लोहारिया थाना पुलिस ने मंदिरों व विद्यालयों से विद्युत वायर व नल की टोटी चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी शिशुपाल सिंह ने बताया कि गत 18 सितम्बर को पृथ्वीराज सिंह पुत्र मनोहर सिंह चौहान हाल कार्यवाहक प्रधानाचार्य पीएमश्री राउमावि लोहारिया ने रिपोर्ट दी कि 14 सितम्बर को अवकाश के चलते विद्यालय बंद था। विद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगी 13 नल कमी स्टील टोटियां व हॉल के अंदर लगभग 150 फीट विद्युत वायर दिन के समय अज्ञात बदमाश चुरा ले गये, जिसकी जानकारी 15 सितम्बर को हुई। साथ ही सोशल मीडिया से इसी तरह की वारदात अन्य विद्यालयों में होने की जानकारी मिली। इसी तरह 19 सितम्बर को लक्ष्मण बुनकर ने रिपोर्ट दी कि सोमनाथ मंदिर से केबल, कपालेश्वर मंदिर से हैलोजन व केबल तथा कोडिया गणपति मंदिर से भी विद्युत केबल चोरी हुई है। पुलिस ने दो प्रकरण दर्ज किये।

लोहारिया थाना पुलिस ने चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर वारदातों के खुलासों के लिये टीम गठित की। इस टीम ने मुखबीरों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों से गहनता से पूछताछ की। वहीं विद्यालय से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त किये तो आरोपी की पहचान अरविन्द पुत्र नाथुलाल पटेल निवासी रतनपुरा आंजना थाना अरथुना के रूप में हुई। जिसे डिटेन कर पूछताछ की गयी तो उसने चोरी स्वीकार किया। आरोपी की सूचना पर विद्युत केबल से जलाकर निकाला तांबे का तार एवं नल की टोटियां बरामद की गयी। पुलिस टीम में थानाधिकारी शिशुपाल सिंह, सहायक उपनिरीक्षक नाथूलाल व सुरेन्द्र सिंह, हैड कांस्टेबल सरदार सिंह, मानशंकर, कांस्टेबल भानुप्रताप सिंह, जयवर्धन सिंह व बदामीलाल शामिल रहे।

फर्जी दस्तावेज से ट्रैक्टर खरीदने का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। थानाधिकारी निवाई रामजीलाल के नेतृत्व में गठित टीम ने फर्जी दस्तावेज व फर्जी आदमी बनकर ट्रैक्टर खरीदने वाले आरोपी के कब्जे से वांछित ट्रैक्टर को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि थाना टीम ने आरोपी भीमराज मीणा पुत्र नाथूलाल निवासी धन्ना फेली की ढाणी, मण्डावरी थाना जिला दौसा को गिरफ्तार कर वांछित ट्रैक्टर के सम्बन्ध में पूछताछ के बाद आरोपी ने चोरी किये गये ट्रैक्टर को अपने गांव धन्ना फेली की ढाणी होना बताया, जिस पर पुलिस टीम ने आरोपी के गांव मण्डावरी धन्ना फेली की ढाणी पहुंचकर प्रकरण में वांछित ट्रैक्टर को जब्त किया। आरोपी भीमराज मीणा ने ट्रैक्टर को राजेश मीणा पुत्र भरत लाल मीणा के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार कर ट्रैक्टर खरीदने एवं ट्रैक्टर के विक्रय इकारनामा की शर्तो के मुताबिक 84 हजार रूपये की 8 किस्त जमा नहीं करवाकर धोखाधड़ी करके ट्रैक्टर को खुर्द-बुर्द करने के सम्बन्ध में न्यायालय द्वारा इस्तगासा प्राप्त होने पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया गया। इस दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

बालाजी के लिए पदयात्रा रवाना

निवाई। ग्राम पंचायत चतुर्भुजपुरा के गांव रतनपुरा उर्फ रोहेडा में श्री बालाजी नवयुवक मण्डल के तत्वावधान में श्री खेडापति बालाजी माधोराजपुरा के लिए 12वीं विशाल पदयात्रा को पूर्व विधायक कमल बैरवा ने मंत्रोचारण के साथ ध्वज की पूजा-अर्चना करके रवाना किया। पूर्व विधायक कमल बैरवा ने कहा कि पदयात्रा में भाग लेने का अवसर भाग्यशाली व्यक्तियों को मिलता है। पदयात्रा से मनोकामनाए पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आस्था बढने के साथ-साथ एक जूटता होती है। उन्होंने आ ान किया कि पदयात्रा में अधिक से अधिक श्रद्धालु भाग लेकर धर्म लाभ उठाए। समिति के कोषाध्यक्ष रामजीलाल बैरवा ने बताया कि पदयात्रा बाबा रामदेव मन्दिर से विशाल जुलूस के साथ रवाना हुआ। जिसमें डीजे के मधुर भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। पदयात्रा का जुलूस गांव के मुख्य मार्गो से होते हुए श्री खेडापति बालाजी माधोराजपुरा फागी के लिए रवाना हुई। पदयात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि पदयात्री श्रीखेडापति बालाजी मंदिर पर बालाजी के दर्शन करके ध्वज अर्पित करेंगे एवं खुशहाली की मनोकामना करेंगे। इस अवसर पर विनोद सेन वनस्थली, भागचन्द बैरवा, हंसराज शर्मा, गोपाललाल लोदी कृपालपुरा, मण्डल अध्यक्ष मुरारीलाल बैरवा, कोषाध्यक्ष रामजीलाल बैरवा, रमेशचन्द बैरवा, रतनलाल बैरवा, भंवरलाल बैरवा, हेमराज बैरवा, रामकिशन बैरवा, हरजीराम बैरवा, छोटूलाल बैरवा, किशनलाल बैरवा, रामकरण बैरवा, मंगलराम बैरवा एवं रामप्रसाद बैरवा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

एडीएम ने जीएसटी अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को नए जीएसटी की जानकारी दी

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने जीएसटी विभाग अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन वाणिज्य कर विभाग निशि रानी, संयुक्त आयुक्त भिवाडी रितु यादव आदि के साथ बैठक की।

■ जिला कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट में जीएसटी अधिकारियों के साथ की बैठक, प्रचार-प्रसार को लेकर दिए निर्देश।

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जीएसटी विभाग अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन वाणिज्य कर विभाग निशि रानी, संयुक्त आयुक्त भिवाडी रितु यादव, उपायुक्त भिवाडी रूबी खत्री, उपायुक्त खैरथल अविनाश महर्षि के साथ बैठक की। इस दौरान वीसी के माध्यम से उपखंड स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में 22 सितंबर से 29 सितंबर तक जीएसटी में हुए बदलाव को जीएसटी बचत उत्सव के रूप में मनाने एंव आम जनता तक पहुंचाने के लिए, अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के लिए जीएसटी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

जिला कलेक्टर ने कहा जीएसटी स्लैब में परिवर्तन के निर्णय से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। सोमवार से वस्तु और सेवाकर सुधार पूरे देश में जब प्रभावी रूप से लागू होगा, तो इसका सबसे अधिक फायदा आमजन को मिलेगा। जीएसटी की स्लैब में बदलाव से आमजन के लिए सबसे अधिक उपयोगी रोटी, कपडा और मकान सस्ता होगा।

उन्होंने बताया कि सरकार के द्वारा 22 सितंबर से 29 सितंबर तक जीएसटी में हुए बदलाव को जीएसटी बचत उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। जिसमें विशेष रूप से व्यापारी और नागरिकों से जीएसटी बचत उत्सव के रूप में मनाने का आवाहन किया गया है। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने व्यापारियों व उद्योग संगठन के प्रतिनिधियों से जीएसटी रिफॉर्म पर विशेष चर्चा कि।

उन्होंने कहा कि जीएसटी स्लैब में बदलाव का आमजन के बीच प्रचार-प्रसार किया जाए। नागरिकों को इससे होने वाली आर्थिक बचत और उसके फायदे भी बताए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक जीएसटी रिफॉर्म के साथ ही अब व्यापारी व उद्योग संगठन देश के आमजन की आवश्यकता की वस्तुएं देश में ही निर्मित करने के काम को नई दिशा दें। साथ ही, स्वदेशी के संकल्प को साकार बनाने के लिए आमजन भी देश में निर्मित वस्तुओं को ही खरीदें।

इस दौरान बैठक में व्यापारियों के सुझाव भी आमंत्रित किए, जिसमें व्यापारियों ने सुझाव दिया कि सरसों की जिन्स पर लगने वाले 5 जीएसटी को कर से मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि सरसों से बने उत्पादें जैसे बिनौला, खल, तेल आदि पर पहले से ही टैक्स लिया जाता है, ऐसे में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सरसों की जिन्स पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए। व्यापारियों का मानना है कि इससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन भी मिलेगा। बैठक में व्यापारियों व उद्योग संगठनों ने वस्तु एवं सेवाकर की स्लैब में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया है।

इसके अलावा अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट के साथ जनप्रतिनिधियों ने खैरथल मार्केट में पैदल यात्रा कर व्यापारियों और आमजन से संवाद किया।

धूमधाम से मनाई महाराजा अग्रसेन जयन्ती

कोटपूतली। अग्रवाल समाज समिति के तत्वाधान में अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत सात दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सोमवार को अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल समाज के कुलप्रवर्तक समाजवाद के प्रणेता महाराज अग्रसेन का 5149 वां जन्मोत्सव अग्रसेन जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान दोपहर बाद अग्रसेन भवन में कार्यक्रम की शुरुआत महाराज अग्रसेन के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद अग्रसेन भवन से महाराज अग्रसेन की भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी। शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई अग्रसेन कटला स्थित अग्रसेन मन्दिर में पहुंची, जहां महाआरती की गई। वहीं हनुमान शरण मार्ग स्थित महाराजा अग्रसेन की मूर्ति के समक्ष आरती एवं आतिशबाजी का भव्य प्रदर्शन किया गया। इसके बाद शोभायात्रा वापस अग्रसेन भवन पहुंची। शोभा यात्रा में घोडा बग्गी व महाराज अग्रसेन की झांकी सहित अन्य देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां सजाई गई। वहीं बैंड की धुन पर अग्र बंधु, महिलायें व बच्चे नाचते झूमते चल रहे थे और महिलाएं गरबे की धुन पर डांडिया खेलती हुई शामिल हुई। रास्ते में जगह-जगह कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई। यात्रा मार्ग में जगह जगह तोरण द्वार लगाये गये व पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, अग्रवाल समाज अध्यक्ष एड. योगेश शरण बंसल, पूर्व समाज अध्यक्ष किशनलाल मोरीजावाला, आदित्य मोरीजावाला समेत बडी संख्या में लोग मौजूद रहें।

सार-समाचार

आरोपी से ट्रैक्टर बरामद

निवाई। निवाई थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर एवं फर्जी आदमी बनकर ट्रैक्टर खरीदने वाला आरोपी से ट्रैक्टर बरामद किया है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि नन्दसिंह ने मामला दर्ज करवाया था कि आरोपी भीमराज ने फर्जी दस्तावेज बनाकर ठगी की थी। उसके ट्रैक्टर को खरीदने के सम्बन्ध में इस्तगासा के जरीए मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने टीम गठित की। टीम में पुलिस सहायक उपनिरीक्षक भारती, हेड कानि जीतपाल, देवराज, मुकेश व राधाकिशन को शामिल किया गया। आरोपी भीमराज मीणा को गिरफ्तार कर पुलिस रिमाण्ड पर लिया था। रिमाण्ड अवधि के दौरान आरोपी ने ट्रैक्टर अपने गांव घ्यारा फेली की ढाणी मंडावरी में होना बताया। आरोपी की निशान देही पर उसके गांव से ट्रैक्टर को बरामद कर लिया है।

बैडमिंटन प्रतियोगिता का आगाज

डूंगरपुर। युवा भाजपा नेता बंशीलाल कटारा ने कहा कि वर्तमान युवा पीढी एक भारत, श्रेष्ठ भारत व विकसित भारत की प्रणेता है। उन्हें खेलों में अपना अमूल्य समय देना होगा, क्यों कि खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। युवा भाजपा नेता कटारा डूंगरपुर ब्लॉक के राउमावि बलवाडा की मेजबानी में यहां स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सोमवार से आयोजित चार दिवसीय बैडमिंटन 17 व 19 वर्षीय छात्र-छात्रा, खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि पद से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खिलाडियों से निष्पक्ष खेल भावना से प्रतिस्पर्धा कर अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को कहा।

मोबाइल लौटाया

मनोहरपुर। मजदूर नेता अब्दुल अजीज लोहानी ने कहा कि देशराज वर्मा की ईमानदारी की कहानी हमें यह सिखाती है कि ईमानदारी और नैतिकता का पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है।

विज्ञप्ति जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक- जविप्रा/उपा./जोन-10/2024/डी -307 दिनांक 13.09.25
सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मंजीत सिंह पुत्र स्व. श्री जसवन्त सिंह ने वसीयत, जसवन्त सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र इत्यादि द्वारा दुकान संख्या ए/5/8 जविप्रा की योजना आटोमोबाईल नगर जयपुर का पटटा हेतु आनलाईन आवेदन किया है। जसवन्त सिंह पुत्र सरदार हरनाम सिंह ने अपने जीवन काल मे हस्तलिखित पंजाबी भाषा मे दिनांक 05.05.1994 को अपने पुत्र श्री मंजीत सिंह के नाम उक्त दुकान संख्या ए/5/8 आटोमोबाईल नगर योजना की वसीयत की गई है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्थान को उक्त भूखण्ड के संबंध में कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस मे कार्यालय जविप्रा उपायुक्त- 10 के कमरा नम्बर JB-SF-205 मे प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी तथा नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त-जोन 10,जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: जविप्रा/जोन-9/10849/2025/डी-3703 दिनांक: 20.09.2025
कैम्प आयोजन सूचना
निजी खातेदारी की योजना कल्याण बाग गोल्ड का नियमन शिविर आयोजन करने का कार्यक्रम निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	खातेदार का नाम	योजना का नाम	ग्राम व तहसील का नाम	नियमन शिविर की दिनांक	शिविर स्थल
1.	श्री केसर लाल पुत्र श्री कल्याण हि. 1/5 श्री छोटू पुत्र श्री कल्याण हि. 1/5,	कल्याण बाग गोल्ड	रामनगरिया तहसील सांगानेर	24.09.2025	जविप्रा जोन-9 परिसर

श्री बाबूलाल पुत्र श्री कल्याण हि. 1/5, श्री रामनारायण पुत्र श्री कल्याण हि. 1/5, श्री लल्लू राम पुत्र श्री कल्याण हि. 1/5 निवासी चौधरी कल्याण मार्ग, जाटों की ढाणी, रामनगरिया, जगतपुरा, जयपुर
उपायुक्त जोन-9, जविप्रा, जयपुर

खोया पाया
मेरे मकान 4/428 मालवीय नगर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जापत्र, डिक्लेरेशन, अदैय प्रमाण पत्र, नियमितीकरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र मालवीय नगर में कहीं गिर गए है। मिलने पर सूचित करें- दिलीप गंगवानी 9983699999
मेरे मकान 1/860 मालवीय नगर जयपुर का मूल कब्जापत्र डिक्लेरेशन अदैय प्रमाण पत्र मालवीय नगर में कहीं खो गए है मिलने पर सूचित करें-राहुल गुरनानी 8875013389
मेरे मकान नंबर 33/130 प्रताप नगर सांगानेर का नियमितीकरण रसीद, डिमांड लेटर कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। मीरा देवी

(रजि. संख्या 2511/एल दिनांक 26.10.1970)
जयपुर वाल्मिकी गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर
कार्यालय : 33, जोशी कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर
क्रमांक : एसपी-1 दिनांक : 19.09.2025
वार्षिक आम सभा का नोटिस
जयपुर वाल्मिकी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 11:30 बजे सोसायटी के कार्यालय- 33, जोशी कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर पर सोसायटी के सदस्यों की वार्षिक आम सभा आयोजित की जाएगी जिसके विचारणीय विषयबिन्दु निम्नलिखितानुसार रहेंगे:-
1. गत आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार।
2. समिति की बकाया ऑडिट रिपोर्टो एवं वर्ष 2024-25 के अंतिम लेखों के अनुमोदन पर विचार।
3. वर्ष 2024-25 में प्रबंधकारिणी द्वारा लिये गये निर्णयों की पुष्टि पर विचार।
4. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञानुसार।
आज्ञा से, अध्यक्ष
नोट - कोरम के अभाव में स्थगित आम सभा उसी दिन दोपहर 12:30 बजे उसी स्थान पर पुनः आयोजित की जायेगी जिसमें विचारणीय विषय बिन्दु यथावत रहेंगे।

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम प्रीति अग्रवाल पत्नी श्री सतीश कुमार अग्रवाल (शादी पश्चात) से बदलकर बन्टी रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जावेगा। 10-ए, रतन नगर, ढेर का बालाजी, जयपुर-302023

I have changed name of my son Somil Chaudhary to Somil Shyam Singh Chaudhary for all legal and purpose. Address: Flat No. 906, Felicity Roongtas Aventura, Jagatpura, Jaipur-302017

I Sumer Singh Meera, resident of Flat No. L-2135-A, Block No. 34 Rangoli Gardens, Maharana Pratap Marg, panchayawala, Jaipur have changed my son's name from Sarthak Singh to Sarthak Suyash, He will be known as Sarthak Suyash in the future.

JC-454433Y Nb/Sub Badan Singh Unit 19, Grenadiers C/o 99 APO Residing at Village-Mahu Dalalpur Post-Mahu Ibrahimpur Tehsil-Hindaun City District-Karauli (Raj) Pin 322254 have changed my Minor son Name from Awdesh Singh to Avdesh Singh vide Affidavit Dated 22.09.2025 Before at Notary Hindaun City (Raj.)

(रजि. संख्या 2362/एल दिनांक 20.05.1966)
स्वर्णकार गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर
कार्यालय : 1403, दूसरा चौराहा, खूटेटों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर
क्रमांक : एसपी-1 दिनांक : 20.09.2025
वार्षिक आम सभा का नोटिस
स्वर्णकार गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 11:30 बजे सोसायटी के पंजीकृत कार्यालय- 1403, दूसरा चौराहा, खूटेटों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर पर सोसायटी के सदस्यों की वार्षिक आम सभा आयोजित की जाएगी जिसके विचारणीय विषयबिन्दु निम्नलिखितानुसार रहेंगे:-
1. गत वार्षिक आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार। 2. समिति की वर्ष 2025-26 के अंतिम लेखों के अनुमोदन पर विचार। 3. समिति की ऑडिट अनुपालना रिपोर्ट के अनुमोदन पर विचार। 4. वर्ष 2024-25 में प्रबंधकारिणी द्वारा लिये गये निर्णयों की पुष्टि पर विचार। 5. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञानुसार।
आज्ञा से, अध्यक्ष
नोट - कोरम के अभाव में स्थगित आम सभा उसी दिन दोपहर 12:30 बजे उसी स्थान पर पुनः आयोजित की जायेगी जिसमें विचारणीय विषय बिन्दु यथावत रहेंगे।

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्री शराफत अली के अधिकार एवं स्वामित्व की सम्पत्ति आवासीय प्लाट नम्बर-1/30, आवासीय योजना 'गोलीमार गार्डन' नगर निगम कॉलोनी, आमेर रोड, जयपुर, राज्य राजस्थान में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 65.27 वर्गमीटर है। जो कि सर्वप्रथम उपरोक्त सम्पत्ति को जयपुर नगर निगम, जयपुर द्वारा श्री कालू राम चौधरी को जरिये आवंटन पत्र दिनांक 28.05.1993 ईस्वी को आवंटित किया गया था। तत्पश्चात् श्री कालू राम चौधरी ने उपरोक्त सम्पत्ति को श्री शराफत अली को जरिये नोटराईज्ड इकरारनामा लिखा हुआ दिनांक 23.05.1998 ईस्वी के द्वारा विक्रय कर दिया। तत्पश्चात श्री शराफत अली ने उक्त इकरारनामा को पूर्ण मुद्रांकित करवा लिया। तत्पश्चात् उक्त सम्पत्ति के बाबत् टाईटल दस्तावेजों में उपरोक्त इकरारनामा व इकरारनामे के साथ संलग्न पूर्ण मुद्रांकन से सम्बंधित मूल रसीद गुम हो गई जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट श्री शराफत अली ने ऑनलाईन राज. पुलिस के पोर्टल पर एलआर नम्बर 2902980/2025 दिनांक 19/09/2025 के द्वारा दर्ज करवा दी है अब श्री शराफत अली ने उक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति को कुमारी कल्याणी पारीक को विक्रय करने का इकरार किया है तथा अब कुमारी कल्याणी पारीक ने उक्त सम्पत्ति पर ऋण के लिए आवास फाइनेंशियर्स लिमिटेड में आवेदन किया है उक्त सम्पत्ति के गुम असल दस्तावेज यदि किसी के पास हो या भविष्य में मिले तो सीधे उपरोक्त फाईनेंस कम्पनी में जमा करवा दे एवं उक्त सम्पत्ति को आवास फाइनेंशियर्स लिमिटेड में रहन बाबत् या पूर्व स्वामियों के स्वामित्व या कब्जे बाबत् या उक्त सम्पत्ति में अन्य किसी भी प्रकार के स्वामित्व, कब्जे आदि बाबत् किसी भी व्यक्ति, बैंक, कम्पनी, संस्था आदि को आपत्ति व उज्र हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस में अपना अधिकार मय हक मय दस्तावेज स्वयं/व्यक्ति गत या अधिकृत व्यक्ति उपस्थित होकर प्रस्तुत करे, अन्यथा आवास फाइनेंशियर्स लिमिटेड द्वारा उक्त सम्पत्ति को रहन कर लिया जावेगा एवम् उसके पश्चात् किसी का भी किसी भी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा।
दिनांक-20/09/2025 विवेक गोयल एडवोकेट, मो. 9828433300/9829099898

वादपदों के स्थिरीकरण के लिये प्रतिवादी को सम्मन
(आदेश 5 नियम 1 व 5 व्यवहार प्रक्रिया संहिता)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता के परिशिष्ट 'ख' का फार्म सं.1)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय सरवाड़
श्री जोधराज सिंह (वादी)
बनाम भंवर सिंह वगैरह (प्रतिवादी)
व्यवहार वाद संख्याक- 86 सन् 2017
विरुद्ध:
श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र भंवर सिंह
निवासी: पटेल नगर, भीलवाड़ा, राजस्थान- 311001
श्रीमती गजराज कंवर पुत्री भंवर सिंह
श्रीमती समदा कंवर पुत्री भंवर सिंह
निवासी: सातवास वाया शाहपुरा, जिला: जयपुर ग्रामीण- 303503
चूंकि वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न है के लिये एक वाद संस्थित किया है। अत: आपको एतद् द्वारा आहूत किया जाता है कि आप या तो स्वयं या ऐसे अधिवक्ता जो कि सम्यक् रूप से अनुदिष्ट हो व वाद सम्बन्धी सब सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हो या जिनके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो कि ऐसे सब प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हो, के द्वारा दिनांक 29-09-2025 के दिवस को प्रात: 10:00 बजे दावे का उत्तर देने हेतु इस न्यायालय में उपस्थित हो और आगे आपको एतद् द्वारा यह भी निर्देश दिया जाता है कि उस दिन आप अपने प्रतिरक्षा का लिखित कथन पेश करें और उसी दिन वे सब प्रलेख जो आपके अधिपत्य या अधिकार में हो व जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा व प्रतिवादन या प्रतिदावा आधारित करते हों भी प्रस्तुत करें तथा जहां आदेश किसी अन्य प्रलेख की आपके आधिपत्य या अधिकार में हो या न हो, अगर अभी प्रतिरक्षा या प्रतिदावादन या प्रतिदावा के समर्थन में साक्ष्य रूप में भरोसा रखते हों, उन प्रलेखों की अपने लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। सूचित रहे कि पूर्व वर्णित दिवस को आपके द्वारा अपनी उपस्थिति में व्यक्ति क्रम होने पर कथित वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना व अवधारित किया जावेगा।
आज दिनांक 18.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।
गोल मोहर न्यायालय
आदेशानुसार: उपखण्ड अधिकारी, सरवाड़

कार्यालय उपायुक्त (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(मुरलीपुरा सब्जी मण्डी के पीछे, सामुदायिक केन्द्र मुरलीपुरा स्क्रीम, जयपुर)
क्रमांक मु.जो./ननिज/2025/1134 दिनांक :-21.09.2025
सार्वजनिक सूचना
भूखण्ड सं. 78-ए, आनंद विहार बी (शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री गोविन्द पुत्र श्री देवीलाल के नाम क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में आवेदक श्रीमती निशा मिश्रा, पूजा मिश्रा एवं राहुल मिश्रा पुत्र एवं पुत्रियाँ स्व.श्री गोविन्द मिश्रा द्वारा शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), पंजीकृत पट्टा मय साइट प्लान की फोटो प्रति, स्व. श्री गोविन्द मिश्रा का मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति एवं अन्य चैन दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का स्वयं के नाम से नाम हस्तांतरण चाहा गया है। आवेदक द्वारा उपलब्ध करायें गये दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड श्रीमती निशा मिश्रा, पूजा मिश्रा एवं राहुल मिश्रा पुत्र एवं पुत्रियाँ स्व श्री गोविन्द मिश्रा के पक्ष में कुल क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज का नाम हस्तांतरण जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तांतरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त मुरलीपुरा जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

संख्या A-12023/4/2022-0/0DGTR
भारत सरकार
वाणिज्य विभाग
डायरेक्टोरेट जनरल ट्रेड रेमेडीज
दिनांक 23 सितम्बर 2025
डायरेक्टोरेट जनरल ट्रेड रेमेडीज विधि एवं अर्थशास्त्र विषयों में अनुवाद पर "व्यक्तिगत परामर्शदाता" के पद हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। इच्छुक उम्मीदवार https://www.dgtr.gov.in पर 'करियर' अनुभाग को देखें।
CBC 05128/11/0001/2526

टोंक में "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान शुरु

■ राष्ट्रीय पोषण माह अभियान दो अक्टूबर तक चलेगा

टोंक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान और "आठवें राष्ट्रीय पोषण माह" अभियान का शुभारंभ किया गया, वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। यह अभियान 2 अक्टूबर तक देश भर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), जिला अस्पतालों और उप जिला अस्पतालों में आयोजित किये जा रहे है। ये स्वास्थ्य शिविरों में प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिये समर्पित है। जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रतिदिन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इसी क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुण्डिया में सोमवार को "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान" के तहत मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी टोंक डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौधरी तथा खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी निवाई डॉ. दीपेन्द्र पांचाल ने शिविर का निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शिविर में महिलाओं और ग्रामीणों को स्त्री एवं प्रसूति रोग परामर्श, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की जाँच, एनीमिया-कुपोषण स्क्रीनिंग, बाल स्वास्थ्य एवं पूर्ण टीकाकरण, मौसमी बीमारियों की जाँच, नि:शुल्क दवाइयाँ, गैर-संचारी रोग परीक्षण, स्तन व गर्भाशय कैंसर की प्रारंभिक स्क्रीनिंग, टीबी, नेत्र रोग व अन्य संचारी रोगों की जाँच, विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श तथा स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और परिवार नियोजन संबंधी मार्गदर्शन जैसी सेवाएँ उपलब्ध कराई गई। इस मौके पर टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सीएमएचओ डॉक्टर शैलेंद्र सिंह चौधरी एवं टीम द्वारा टीबी मरीजों को निक्षय पोषण किट का वितरण किया गया। आरबीएसके टीम द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस मेगा शिविर में डॉ नरेन्द्र बैरवा स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ मुकेश समोता कनिष्ट विशेषज्ञ मेडीसीन डॉ ममता बिजारनियां नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत विशेषज्ञ डॉक्टर आकांक्षा तंवर, ऋषिराज जांगिड नेत्र सहायक अपनी विषेषज्ञ सेवायें दी। डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और समाज की आधारशिला है।

घास भैरूं ने किया नगर भ्रमण

निवाई। शहर के वार्ड 15 में स्थित घांस भैरूं मंदिर से शाही लवाजमा के साथ घांस भैरूं को नगर भ्रमण करवाया गया।

घांस भैरूं नवयुवक मंडल के सदस्य रामावतार बैरवा ने बताया कि घांस भैरूजी की शाही सवारी को यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आलोक मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान ढोल नगाडे, बैंड बाजों व डीजे के साथ शोभायात्रा मन्दिर से रवाना होकर अहिंसा सर्किल, बस स्टैंड, पहाडी चुंगी नाका,वीर तेजाजी मंदिर, चारभुजा नाथ मंदिर, बडा बाजार, पुरानी सब्जी मंडी, चौपड़ी बाजार, सराफा मार्केट, कंकाली माता मंदिर, पुलिस थाना के सामने होते हुए वापस मन्दिर पहुंचा।

नगर भ्रमण के दौरान घास भैरूं जी की सवारी का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। जुलूस में महिला पुरुष बच्चे नाचते गाते हुए चल रहे थे। सोमवार देर शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया।

कुएं लबालब फिर भी पेयजल की किल्लत

■ दो दशक से जलदाय विभाग ने सरकारी कुओं को लावारिस छोड़ा

सांभरझील। 30 साल के करीब इंतजार के बाद सरकारी कुए पूरे तरह से लबालब है। कुओं का जलस्तर 40 से 50 फिट ऊपर आ गया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीन ठाम सिवानिया में 20 तथा सांभर में 8 सरकारी कुए है। दो-तीन कुओं के पानी को ही विभाग अल्प समय के लिए काम में ले रहा है। करीब 25 कुए सरकारी सिस्टम की लापरवाही की वजह से ऐसे ही पडे है, यानी विभाग इन कुओं का पानी पेयजल के काम में नहीं ले रहा है। जब से सांभर में बीसलपुर परियोजना की शुरुआत हुई उसके बाद विभाग ने इन कुओं की तरफ झांकना भी बंद कर दिया। न्यू वर्तमान सरकार के समय जब कुवैत यहां के सूख गए थे तो इनको की पानी बढोतरी के लिए तकनीकी काम हेतु करीब 50 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे। जब बारिश का दौर शुरू हुआ तो करीब तीन साल पहले बीसलपुर बांध में पानी की आवक हो गई तो उसके बाद इनकी न तो मरम्मत हुई और न ही पानी बढोतरी के लिए, तकनीकी काम हुआ, फिर 50 लाख रुपए लेप्स हो गये या विभाग ने किसी अन्य काम में खर्च कर दिया इसका कोई हिसाब किताब सार्वजनिक नहीं हो सका है। बीसलपुर की लाइन पुरानी होने के कारण आए दिन डैमेज होती रहती है और पानी की सप्लाई बंद हो जाती है तो सांभर में भी पेयजल व्यवस्था ठप हो जाती है, क्योंकि यहां के जलदाय विभाग ने इन कुओं के पानी को फिर से काम में लेने के लिए न तो को व्यवस्था को अंजाम दिया और न ही अभी तक इन सरकारी कुओं के पानी की सप्लाई का काम शुरू किया जा रहा है।

रामायण का भावपूर्ण मंचन

पावटा। श्री आदर्श रामलीला मंडल पावटा की ओर से कस्बे में चल रही रामलीला में श्रीराम का लक्ष्मण एवं माता जानकी सहित वन में जाना और दशरथ मरण की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। इसके अलावा सुमंत विलाप, केवट-राम, निषाद राम - लक्ष्मण संवाद पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाई। रामलीला में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता जानकी वनों को गए। राजा दशरथ ने मंत्री सुमंत को उनके भेजा तथा कहा कि वे श्रीराम राम को वनों में घूमाकर वापस ले आए। मंत्री सुमंत उनसे वापस लौटने का अनुराग किया, लेकिन श्रीराम सुमंत को जंगल में सोती अवस्था में छोड वनों में चले गए। निषादराज के साथ श्रीराम गंगा तट पर पहुंचे, वहां केवट ने अपने परिजनों के साथ उनका स्वागत किया तथा गंगा से पार पहुंचने से पूर्व उनके चरण पखारकर तथा परिजनों को वह चरणामृत पिलाकर उन्हें गंगा पार उतारा। भगवान श्रीराम ने नाव उतराई का किराये के रूप में मुद्रिका देनी चाही, तो केवट ने कहा कि प्रभु हम दोनों को कार्य एक ही है मैं गंगा सजे पार कराता है और आप भवसागर से पार कराते है, इसलिए मुझे अपना आशीर्वाद दें। उधर श्रीराम के वन गमन के पश्चात राजा दशरथ विलाप करते हुए प्रभु के धाम को चले जाते है। रामलीला में प्रभु राम के रूप में लक्की भारद्वाज, लक्ष्मण शुभम शर्मा, माता जानकी तनुज, दशरथ महेश शर्मा, सुमंत के रोल मे मंडल डायरेक्टर मोहन गौड, श्रवण दीपक भारद्वाज, निषादराज गुहू सुनील गौड एवं केवट के रूप में दीपक

निवाई में दर्शनों के लिए उमड़े श्रद्धालु

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को मंदिरों व घरों में विधिवत रूप से नवशारदीय नवरात्रा पर घट स्थापना की गई। मंदिरों में देवी-देवताओं के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा।

नवरात्रा के प्रथम दिन पार्वती मां के शैलपुत्री रूप की पूजा हुई। नवरात्रा के चलते सोमवार को मंदिरों में देवी-देवताओं की झांकियां सजाकर मुहुर्त के अनुसार विधिवत रूप से घट स्थापना की गई। घटस्थापना को लेकर शहर के एतिहासिक बावडी वाले बालाजी के मंदिर, कंकाली माता के मंदिर, संतोषी माता के मंदिर, दादूदयाल आश्रम, कुंज बिहारी आश्रम, विश्वशांति आश्रम, बस स्टैण्ड बालाजी, मोरिया वाले बालाजी, पेट्रोल पम्प के सामने वीर बालाजी, दुर्गामाता मंदिर, भगवान गौरीशंकर महादेव मंदिर, श्री चिंताहरण गणेश मंदिर, कृषि मंडी स्थित भगवान लक्ष्मीनाथ मंदिर एवं खाटू श्यामजी मन्दिर सहित जयसिंहपुरा बालाजी, बंजारी माता मंदिर, पहाडी नाडी वाले बालाजी, खण्डवा व नला सहित कई गांवों में स्थित मंदिरों पर दिन भर कई धार्मिक अनुष्ठानों की धूम मची रही तथा मंदिरों में दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

नवरात्रा को लेकर श्री कंकाली माता मंदिर में विशेष तैयारियां की गई है। माताजी के मंदिर को भव्य रूप से विद्युत लाईटों से सजाया गया है। मंदिर के पीछे रक्तांचल पर्वत पर भी रंगीनी रोशनी की गई है।

क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य उदघाटन

पावटा। ग्राम आंतेला में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को 69वीं जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य उदघाटन किया गया। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक कुलदीप धनखड की भव्य आतिथ्य में मां सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलित करने के साथ खेल झंडा चढाकर विधिवत रूप से किया गया। इस दौरान विधायक धनखड ने कहा खेलों का स्वस्थ राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेल शारीरिक मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए जरूरी है। विधायक धनखड ने बताया कि राज्य सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने में विभिन्न योजनाओं को मूर्त रूप दे रही है तथा खेलों के लिए सरकार कृतसंकल्प है। प्रधानाचार्य सुनील सोनी ने आगन्तुकों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

रथ यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। अठावाल समाज के तत्वावधान श्री अग्रसेन महाराज जयंती को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया एवं विशाल रथ यात्रा निकाली गई। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड उमड पडी।

समिति के ताराचन्द बोहरा व राकेश अग्रवाल ने बताया कि श्री अग्रसेन महाराज की जयंती पर आयोजित दो दिवसीय समारोह के लेकर नसियां जैन मंदिर में महिला मंडल के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन की जीवनी पर नाटक की प्रस्तुतियां दी गई।

इस दौरान महिलाओं द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि जयंती को लेकर विशाल रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा अग्रवाल धर्मशाला से रवाना होते हुए खारी कुई, चोहट्टी बाजार, चतुर्भुज बाजार व बस स्टैंड होते हुए श्री जैन नसियां मन्दिर पहुंची। रथ यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया।

इस दौरान महाराजा अग्रसेनजी की महाआरती की गई। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा, पार्षद ओमप्रकाश गुप्ता, ताराचंद रामनगर, ताराचंद बोहरा, राकेशकुमार अठावाल, अनिलकुमार पहाडी, रवि अठावाल, दिनेश गिन्दोडी, दिनेशकुमार मंगल, आशीषकुमार जैन, जितेन्द्रकुमार जैन, मोहनलाल अग्रवाल व राकेश बोहरा सहित कई गणमान्य लोग मोजूद थे।

महाराजा श्री अग्रसेन जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली

■ श्री अग्रसेन महाराज की भव्य शोभायात्रा मुख्य बाजार में निकाली गई, जिसमें संरक्षक भगवानसहाय अग्रवाल आदि मौजूद थे।

महाराजा श्री अग्रसेन जयंती पर आकर्षक शोभायात्रा धूमधाम से निकाली।

फुलेरा। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर दो दिवसीय समारोह श्री अग्रवाल पंचायत अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत सोमवार को सुबह श्री अग्रसेन महाराज की भव्य शोभायात्रा रथ व बैण्ड-बाजें के साथ फुलेरा के मुख्य बाजार में निकाली गई, जिसमें श्री अग्रवाल पंचायत के संरक्षक भगवानसहाय अग्रवाल, उपाध्यक्ष ताराचंद गर्ग, विनोद बंसल, कमल किशोर कयाल, दिनेश अठावाल, मंत्री जितेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गोपाल बंसल, संगठन मंत्री नरेंद्र बंसल, सहसचिव सुरेश गोयल, गिरिराज गर्ग, सांस्कृतिक सचिव मनमोहन मंगल सहित नवयुवक मंडल के श्यामसुंदर बंसल, अनुज अठावाल, चेतन बंसल, यश मंगल, लोकेश बंसल, दीपक गर्ग सहित अठावाल समाज के सैकडों लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में मुख्य अतिथि डॉ. राहुल मित्तल रहें जबकि विशिष्ट अतिथि फुलेरा पालिकाध्यक्ष संगीता अग्रवाल व श्री अग्रवाल पंचायत के पदाधिकारियों के द्वारा सायं 5 बजे ध्वजारोहण व दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, उसके बाद सांस्कृतिक संध्या, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, पारितोषिक वितरण के बाद सहभोज का आयोजन किया गया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

संक्षिप्त

बैडमिंटन प्रतियोगिता का आगाज

किशनगढ़ बास। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित 69 वीं जिला स्तरीय 17 से 19 वर्ष तक के छात्र-छात्राओं की बैडमिंटन प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव व समारोह अध्यक्ष नगर पालिका चेयरमैन तारामणि सतीश सिंघल ने विद्यालय प्रांगण में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित व झंडा रोहण कर किया। जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर पहुंचे मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामहेत यादव, चैयरमेन तारामणि सतीश सिंघल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाडा, मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी, जिला शिक्षा अधिकारी शकुंतला मीणा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आशीष यादव का विद्यालय प्रधानाचार्य मंजू यादव सहित स्टाफ ने स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामहेत यादव ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए छात्र एवं छात्राओं को संबोधित किया और कहा खेल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर आगे बढे और अपने गांव शहर व परिवार के नाम को रोशन करें। विद्यालय प्रधानाध्यापिका मंजू यादव ने स्वागत भाषण में बताया कि प्रतियोगिता में 32 टीम शामिल हुई है और इसमें 138 प्रतिभागी हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान एसडीएमसी सदस्य हरमेश खुराना ,जेपी यादव, जनेश भूटानी, जय सिंह सरदार, मनीष लखयाणी, माया खडेलवाल सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

समारोह में पन्या सेपट की प्रस्तुति

बौंली- बामनवास । शिव बगीची के श्री राम कला मंडल मंच बौंली के प्रांगण में 21 सितंबर सोमवार रात्रि 9 बजे से नारद मोह प्रसंग के साथ ही रामलीला मंचन का शुभारंभ हो गया। श्री राम कला मंडल बौंली के संचालक गोपाल शर्मा ने बताया कि रामलीला का मंचन 21 सितंबर से 1 अक्टूबर तक किया जाएगा, इस दौरान मुख्य हास्य कलाकार जगदीश छैला पन्या सेपट भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। रामलीला मंचन के शुभारंभ में सर्वप्रथम नारद मोह के प्रसंग पर जीवंत रामलीला का मंचन किया गया, जिसमें महर्षि नारद को कामदेव पर विजय प्राप्त करने के कारण अहंकार हो गया, यह समाचार जब उन्होंने अपने पितामह ब्रह्मा को बताया तो उन्होंने इस समाचार को जगत के पालनहार भगवान विष्णु को नहीं बताने के लिए समझाकर शिक्षा दी।मंगलवार को रावण, कुंभकरण व विभीषण जन्म एवं भगवान राम, लक्ष्मण, भरत, व शत्रुधन के जन्म सहित विद्या अध्ययन की लीला का मंचन किया जाएगा।

मंजू रावत जिलाध्यक्ष नियुक्त

कोटपूतली। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा ने राजस्थान प्रदेष महिला कांग्रेस में प्रदेषाध्यक्ष सारिका सिंह की अनुषंषा पर प्रदेष पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की हैं। इसी क्रम में नवगठित जिला कोटपूतली-बहरोड़ महिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष पद पर कांग्रेस नेता मंजू रावत को नियुक्त किया गया हैं। उल्लेखनीय है कि मंजू पूर्व में राजकीय कन्या महाविधालय कोटपूतली की छात्रसंघ अध्यक्ष रही हैं एवं वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के टिकिट से जिला पार्षद भी हैं। उन्होंने उपरोक्त नियुक्ति पर महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा, प्रदेषाध्यक्ष सारिका सिंह, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट व सांसद प्रत्याषी अनिल चौपड़ा समेत शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया हैं। साथ ही कांग्रेस पार्टी में महिलाओं के नेतृत्व को आगे लाकर कार्य करने की प्रतिबद्धता भी जताई हैं।

अवैध शराब रखने का आरोपी गिरफ्तार

टोंक। मेहन्दवास थाना क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन की कार्यवाही के दौरान वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी एवं थानाधिकारी मेंहन्दवास ओमप्रकाश नेतृत्व में मेहन्दवास क्षेत्र स्थित एनएच 52 दाखिया पुलिया से आरोपी महेन्द्र सैनी पुत्र रामकरण उम्र 40 साल निवासी छान थाना मेहन्दवास के कब्जे से दो लीटर अवैध हथकड शराब जप्त कर गिरफ्तार किया गया। जिसके खिलाफ थाने में अवैध शराब परिवहन मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

खैरथल में 4 को जनसभा, विधायक ने नेता प्रतिपक्ष जूली को आने का निमंत्रण दिया

खैरथल। खैरथल बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले करीब 45 दिन से जिले के नाम व मुख्यालय बदलने को लेकर चल रहे धरने व प्रदर्शन की कड़ी में 4 अक्टूबर को आयोजित होने वाली विशाल जन सभा के लिए विधायक दीपचंद खेरिया ने विधानसभा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मुलाकात कर उन्हें खैरथल जनसभा में आने का निमंत्रण दिया है।

विधायक दीपचंद खेरिया के निजी सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया कि खैरथल- तिजारा जिले का नाम परिवर्तन एवं जिला मुख्यालय अन्यत्र ले जाने के विरोध में 4 अक्टूबर को होने जा रही जन सभा में आने के लिए विधानसभा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को विधायक दीपचंद खेरिया एवं किशनगढ़ बास विधानसभा प्रभारी गफूर खान ने अलवर कार्यालय पहुंचकर निमंत्रण पत्र सौंपा है।

विधायक दीपचंद खेरिया ने जूली को बताया है कि खैरथल तिजारा जिले का नाम परिवर्तन कर भर्तृहरि नगर घोषित करने व जिला मुख्यालय को अन्यत्र ले जाने की संभावनाओं से संपूर्ण खैरथल एवं आसपास के क्षेत्र की जनता में गहरा आक्रोश एवं असंतोष पैदा है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को खैरथल आने का निमंत्रण विधायक दीपचंद खेरिया ने दिया।

- खैरथल तिजारा जिले के नाम व मुख्यालय को लेकर बना है विवाद
- खैरथल तिजारा जिले का नाम परिवर्तन कर भर्तृहरि नगर घोषित करने व जिला मुख्यालय को अन्यत्र ले जाने की संभावनाओं से संपूर्ण खैरथल एवं आसपास के क्षेत्र की जनता में गहरा आक्रोश है
- खैरथल बचाओ संघर्ष समिति के बेनर तले करीब 45 दिन से खैरथल में चल रहा है धरना

जिसको लेकर 4 अक्टूबर 2025 को नई अनाज मंडी खैरथल में सुबह 10:00 बजे एक विशाल जनसभा रखी गई है। विधायक ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से जनसभा में पधारकर खैरथल तिजारा जिले की जनता को शक्ति प्रदान करने एवं खैरथल बचाओ संघर्ष समिति का मार्गदर्शन करने का आग्रह किया है।

वोट चोर गद्दी छोड़ को लेकर हस्ताक्षर अभियान शुरु

फुलेरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पा मेघवाल की अध्यक्षता में मीटिंग आयोजित हुई जिसमें जिला प्रभारी नरेंद्र सिंह बाटड विधानसभा, प्रभारी विजय सिंह राजू तथा डीसीसी प्रभारी नानूराम के आतिथ्य में ''वोट चोर गद्दी छोड़'' हस्ताक्षर अभियान के रूप में मीटिंग आयोजित हुई जिसमें फुलेरा विधानसभा के विभिन्न पंचायत, मंडल, और नगर के कार्यकर्ता सम्मिलित हुए मीटिंग का प्रमुख उद्देश्य आम जनता तक यह संदेश पहुंचाना कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार द्वारा आम जनता का कपट पूर्वक वोट चोरी किया जा रहा है। जिसके कारण तथा निर्वाचन सूची से बेवजह कार्यकर्ताओं के नाम काटे जा रहे हैं इस हेतु जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। इस सभा के माध्यम से ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा मेघवाल अतिथि गणों का स्वागत किया तथा विभिन्न कार्यक्रम जो विधानसभा में ब्लाक स्तर पर आयोजित किए जाने हैं, की घोषणा की सभा का संचालन ब्लॉक प्रवक्ता, तथा फुलेरा संगठन महामंत्री शैलेंद्र शर्मा ने किया। सभा में प्रधान सहदेव गुर्जर फुलेरा नगर अध्यक्ष अमरचंद सैनी, सांभर नगर अध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला, नरेना अध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश स्वामी, सरपंच हरदेव चौधरी, पंचायत समिति सदस्य धन्ना लाल नोदल सहित विधानसभा के सैकड़ों कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

नारद मोह की लीला के साथ शुरू हुई किशनगढ़ बास में रामलीला

किशनगढ़ बास। कला मंच समिति के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति कला मंच के कलाकारों ने किशनगढ़ पीजी कॉलेज के खेल मैदान पर गणेश पूजन कर नारद मोह की लीला दिखाकर भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित रामलीला का शुभारंभ किया।

कला मंच समिति के मीडिया प्रभारी नवीन जैन ने बताया कि रविवार को कला मंच समिति के तत्वाधान व निर्देशन मे होने वाली रामलीला का शुभारंभ किशनगढ़ पीजी कॉलेज खेल के प्रांगण में गणेश पूजन कर नारद मोह की लीला कला मंच के कलाकारों की ओर दिखाई गई।

- महिलाओं व बच्चों में भारी उत्साह बड़ी संख्या में पहुंचे रामलीला देखने कलाकारों का बढ़ाया उत्साह

इस दौरान पंडित देवेन्द्र वशिष्ठ ने गणेश पूजन करवाया गया तथा संस्था के संरक्षकों द्वारा रामलीला का उद्घाटन किया गया।

लीला में भगवान शिव द्वारा माता पार्वती के आग्रह करने पर भगवान राम की कथा सुनाने के लिए कहना, तथा नारदजी की तपस्या के कारण इंद्र आसान का डोलायमन होना, कालिया देव द्वारा इसका पता लगाना, कामदेव के द्वारा नारद की तपस्या भंग करने की कोशिश करना तथा क्षमा याचना करना, नारद द्वारा अभिमान करना, विष्णु द्वारा नारद का अभिमान तोड़ना तथा नारद द्वारा विष्णु जी को श्राप देना आदि का मंचन किया गया ।

व्यास पीठ की भूमिका चंद्र प्रकाश शर्मा द्वारा निभाई गई तथा प्रथम बार मंच पर नारद का अभिनय करने पर हरीश गोयल तथा इंद्र की भूमिका में दीपक सैन ने जमकर तालियां बटोरी। गणेश- हर्ष शर्मा, शिव- गजेंद्र यादव, पार्वती -मयंक शर्मा, शीलनिधि- नवीन मदान, नारद -हरीश गोयल, विष्णु- पीयूष शर्मा ,कामदेव- साहिल यादव ,इंद्र- दीपक सैन् ,कालिया देव- हरिओम गुप्ता, मंत्री- महिपाल जांगिड़ आदि ने भूमिका निभाई। इस दौरान उमेश कांत वसिष्ठ, देवेन्द्र तिवारी, खेम चंद्र यादव, हरिशंकर सोनी ,विकास गोयल, राकेश तिवारी, पंकज सोनी आदि मौजूद रहे।

शान-ए-शौकत के साथ निकली भगवान श्रीराम की बारात

फुलेरा । श्री रेलवे रामलीला व सांस्कृतिक कमेटी के तत्वावधान में भगवान श्रीराम की बारात सोमवार को रेलवे रामलीला मैदान से रथ व घोड़ों पर बैण्ड-बाजे के साथ श्रीराम नगर से विभिन्न मार्गो से होते हुए मुख्य बाजार पंहुचने पर श्रीराम बारात का अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया गया, उसके बाद रावणा राजपूत समाज की ओर से सांभर बाईपास रोड पर स्थित मेजर दलपत सिंह सर्किल को बनाई गई जनकपुरी पहुंचने पर स्थानीय लोगो ने श्रीराम की बारात में पंहुचने वाले सभी बारातीयों व रामलीला के सदस्यों का स्वागत किया। बारात के दौरान अनुशासित व्यवस्था बनाने में पुलिस थानाधिकारी चंद्रप्रकाश यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सहयोग प्रदान किया। इससे पूर्व श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान की ओर से हाइफा हीरो शहीद मेजर दलपत सिंह शेखावत के 107वें बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों व वृद्धजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उसके बाद भगवान श्रीराम की बारात का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सहभोज का आयोजन हुआ, इस अवसर पर रावणा राजपूत समाज के गिरधारी सिंह शेखावत, हनुमान शसिंह परिहार, गोविंदसिंह बडग़ुर्जर, मोहनसिंह तंवर, मानसिंह, विरेन्द्र सिंह, विकास सिंह, हितेश सिंह, इंद्र सिंह, औमसिंह बडग़ुर्जर, योगेन्द्र सिंह, नकुल सिंह सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे। प्रवक्ता शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि रामलीला रंगमंच पर निर्देशक राजेश शर्मा के सानिध्य में मंगलवार को श्रीराम के राजतिलक की तैयारी, देवताओं के द्वारा विध्न डालना, कैकयी-मंथरा संवाद, दशरथ कैकयी संवाद, श्रीराम का वन गमन का मार्मिक दृश्य दिखाया जायेगा।

फुलेरा में भगवान श्रीराम की बारात गाजे बाजे के साथ निकाली।

- जनकपुरी में हुआ भव्य स्वागत
- भगवान श्रीराम के वन-गमन का मंचन आज

रामलीला मंचन का शुभारंभ

बौंली- बामनवास। शिव बगीची के श्री राम कला मंडल मंच बौंली के प्रांगण में 21 सितंबर सोमवार रात्रि 9 बजे से नारद मोह प्रसंग के साथ ही रामलीला मंचन का शुभारंभ हो गया। श्री राम कला मंडल बौंली के संचालक गोपाल शर्मा ने बताया कि रामलीला का मंचन 1 अक्टूबर तक किया जाएगा, इस दौरान मुख्य हास्य कलाकार जगदीश छैला पन्या सेपट भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। रामलीला मंचन के शुभारंभ में सर्वप्रथम नारद मोह के प्रसंग पर जीवंत रामलीला का मंचन किया गया, जिसमें महर्षि नारद को कामदेव पर विजय प्राप्त करने के कारण अहंकार हो गया, यह समाचार जब उन्होंने अपने पितामह ब्रह्मा को बताया तो उन्होंने इस समाचार को जगत के पालनहार भगवान विष्णु को नहीं बताने के लिए समझाकर शिक्षा दी।मंगलवार को रावण, कुंभकरण व विभीषण जन्म एवं भगवान राम, लक्ष्मण, भरत, व शत्रुधन के जन्म सहित विद्या अध्ययन की लीला का मंचन किया जाएगा।

- रामलीला का मंचन 1 अक्टूबर तक किया जाएगा,हास्य कलाकार भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

टोंक में अग्रवाल समाज की 70 प्रतिभाये सम्मानित

टोंक । अग्रवाल सेवाकर्मी संगठन के तत्वावधान में मुख्यालय स्थित होटल राज मिडवे पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में अग्रवाल समाज के कक्षा 10, 12, स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओ में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा एमईईटी, आईआईटी, व जेएटी आदि प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चयनित होने वाले 70 छात्र छात्राओ को सम्मानित किया गया। प्रत्येक वर्ग मे सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली 12 प्रतिभाओं को डायमण्ड ऑफ ईयर की उपाधी से नवाजा जाकर उन्हे कार्यक्रम मे अलग से मंच पर बिठाकर विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख सरोज बंसल रही तथा अध्यक्षता मुरारी लाल सिंहल, विशिष्ट अतिथि डा. अमित गुप्ता, डा. हिमांशु मित्तल जिला क्षय रोग अधिकारी, डा. चेतन जैन उप नियंत्रक सहादत अस्पताल, व राजीव बंसल उपाध्यक्ष एवं सुनिल जैन रहे। इस दौरान संगठन की अध्यक्ष पदमा जैन ने बताया कि अग्रवाल समाज के अधिकारी कर्मचारीयो का यह संगठन

- अग्रवाल समाज के कक्षा 10, 12, स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया गया

अग्रवाल सेवाकर्मी संगठन के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

बौरंगी में भरे पानी डूबने से बच्चे की मौत

निवाई। रक्तांचल पहाड़ के पीछे स्थित बौरंगी में भरे पानी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि परिजनों ने जानकारी दी कि प्रिंस सैनी पुत्र टीकम सैनी उर्फ बबलू निवासी पहाडी चुंगी नाका रविवार को ट्यूशन पढक़र करीब 3 बजे आया और बस्ता रखकर घर से चला गया। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर उसकी तलाश की। आसपास ढूंढने के बाद भी नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस बच्चे की तलाश में लग गई और आसपास लगे हुए सीसी टीवी कैमरों को चेक किया तो वह 4 बजे तक मोहल्ले में ही दिखाई दिया। सोमवार की सुबह पानी के किनारे चप्पलें व कपडे पड़े हुए देखकर लोगों ने परिवारजनों को सूचित किया। सूचना पर पुलिस व परिवारजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलवाया। एसडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर पहुंची और पानी में तलाशी की। एसडीआरएफ टीम प्रभारी मुनेश कुमार के नेतृत्व में बालक के शव को रेस्क्यू कर किया गया।

सार-समाचार

''एक पेड़ मां के नाम'' कार्यक्रम में जलदाय कर्मचारियों ने पौधे रोपो

डिग्गी (टोंक)। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी द्वारा आयोजित भव्य एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में जलदाय इंटक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर जलदाय इंटक के प्रांतीय संरक्षक आदरणीय जे.पी. शर्मा के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने पौधारोपण किया। इस कार्यक्रम में लगभग 25,000 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत, विधि सलाहकार मुकेश कुमार माथुर, मीडिया प्रभारी राजीव नागर, युथ अध्यक्ष विनोद कुमार मीणा, खण्ड अध्यक्ष गंगासहाय मीणा, वृत अध्यक्ष हरिनारायण मीणा, सहित श्रवण जाट, देवराज सिंह, संपत सिंह, भवानी सिंह तथा बडी संख्या में जलदाय कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जलदाय इंटक ने कहा कि संगठन हमेशा समाज व पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा और ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हर सदस्य को वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया जाएगा।

प्रतिभाओं का सम्मान

कोटपूतली। अग्रवाल समाज समिति द्वारा श्री अग्रसेन भवन में अग्र महोत्सव 2025 के अंतर्गत समाज का वार्षिक अधिवेशन व प्रतिभा सम्मान समारोह बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन एवं कुल देवी लक्ष्मी माता के समक्ष मुख्य अतिथि प्रधान लेखा नियंत्रक सतीश कुमार गर्ग, विशिष्ठ अतिथि एड. अशोक बंसल, डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता व अग्रवाल समाज अध्यक्ष एड. योगेष शरण बंसल द्वारा द्वीप प्रज्जवलित व माला अर्पण करके की गई। अध्यक्षता अग्रवाल समाज अध्यक्ष एड. योगेश शरण बंसल ने की। अतिथियों में पूर्व समाज अध्यक्ष किशनलाल मोरीजावाला, रमेश किताबवाला, रघुवीर गोयल, ओमप्रकाश बंसल, डॉ. अष्वनी गोयल, अनिल बंसल, कमल गर्ग आदि मौजूद रहें। अतिथियों का माला व दुपट्टा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। इस मौके पर ऐसे वृद्ध दंपति जिनके विवाह को 50 वर्ष पूर्ण हो गये उनका भी स्वागत सम्मान किया गया। समाज के प्रतिभावान विधार्थियों डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, 10वीं, 12 वीं में 80 प्रतिषत से ज्यादा अंक लाने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व माला पहनाकर गौरवान्वित किया गया। समाज में विशिष्ठ सेवाये देने वाले भामाशाहों व विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहने वाले बालक बालिकाओं व महिलाओं का माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया गया। मंच संचालन लक्ष्मीनारायण गुरुजी ने किया। मीडिया प्रभारी हेमंत मोरीजावाला ने बताया की अधिवेशन में समाज के लोगों व अतिथियों ने समाज को सशक्त व संगठित बनाने पर विस्तृत विचार विमर्श किया व आगामी कार्यो की रूपरेखा पर चर्चा करते हुये समाज के सभी वर्गों से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। नये भवन की जमीन खरीदने व निर्माण के लिये भामाशाह एड. अशोक बंसल ने 50 लाख, पियूष बंसल इवेंट वाले ने 05 लाख व हीरालाल दीवान ने 01 लाख रूपये देने व अशोक कुमार, आकाश बंसल एवं ओमप्रकाश बंसल ने दो-दो एसी देने की घोषणा की। सदन का वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा गया व आय व्यय का विवरण सदन के पटल पर रखा गया। अध्यक्ष एड. योगेश शरण बंसल ने अतिथियों एवं समाज बंधुओ का आभार व्यक्त किया। इस दौरान उपाध्यक्ष कुलदीप बंसल, महामंत्री नितेश बंसल, मंत्री प्रमोद गोयल, आजीवन सदस्य हरिनारायण मोरीजावाला, समिति सदस्य रामविलास सिंघल, अमरनाथ बंसल, सुभाष चंद्र बंसल, राजेश बंसल, अशोक बंसल, दीपक ततारपुरिया, नरेश अग्रवाल, पार्षद मनोज अग्रवाल, दिनेश सिंघल, सांवरमल गोयल, भारत बंसल, राजेश सवाईका, योगेश गुप्ता, सूर्यकांत मोदी, संगम गुप्ता, अमित अग्रवाल, गोविंद बीदाणी, कार्यवाहक महिला मंडल अध्यक्ष लाजवंती देवी, अमित शरण बंसल, आदित्य मोरीजावाला समेत अन्य मौजूद रहें।

रावण जन्म लीला मंचन

दूदू । श्री रामलीला नवयुवक मंडल के तत्वाधान में आयोजित रामलीला के दौरान रावण जन्म रावण विवाह मेघनाथ दिग्विजय की लीलाओं का मंचन किया गया मंडल निदेशक कुंज बिहारी सोनी वह राम प्रकाश पारीक ने बताया कि लीला का शुभारंभ भगवान विष्णु की आरती के साथ किया गया लीला मंचन में विष्णु का आशीष पारीक व रावण का रमेश शर्मा मेघनाथ का राम प्रकाश पारीक इंद्र का देवेंद्र भाटी कुबेर सूर्य देव का राकेश अठावाल पवन देव का अमित जोशी ब्रह्मदेव का हरिशंकर पारीक कुंभकरण का टोनू पारीक विभीषण का रवि धनोपिया मय दानव का कुंज बिहारी सोनी मंदोदरी का अशोक कुमार ने किरदार निभाकर रामलीला मे अहम भूमिका निभाईदूदू 22 सितंबर सोमवार से शुरू हुए शारदीय नवरात्रा स्थापना के साथ घरों घरों में घट स्थापना की जाकर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की गई इस अवसर पर मिट्टी के कलशों में जवारे लगाए गए वहीं मंदिरों में पाठ शुरू किए गए इस दिन व्यापारिक प्रतिष्ठानों का शुभारंभ किया गया तथा दुपहिया व चौपया वाहनों के शोरूम पर खरीदारों की भीड़ लगी रही

मोक्षधाम में श्रमदान

निवाई। भाजपा शहर मंडल के तत्वावधान में सोमवार को भाजपा सेवा पखवाड़ा के तहत झिलाय रोड पर स्थित मोक्षधाम में विधायक रामसहाय वर्मा एवं नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण व श्रमदान किया। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छ भारत मिशन अभियान व भाजपा सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता अधिकाधिक श्रमदान करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता रखने से मानसिक व शारीरिक लाभ होता है। नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने आ ान करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं। शहर अध्यक्ष व पार्षद नितिन छाबड़ा ने बताया कि सेवा पावड़ा के तहत मोक्षधाम में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण व श्रमदान किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी रामकरण सिंह, तहसीलदार नरेशकुमार गुर्जर, मंडी सचिव कमलकिशोर सोनी, भाजपा शहर महामंत्री जयनारायण कुमावत, वंशप्रदीप पारीक, शंकरलाल पडियार, शंकरलाल हाथीवाल, नरेश कसाणा, रामकेश मीणा, जितेंद्र धारवाल, मनोज पाटनी, सियाराम शर्मा, पन्नू सिंह, ताराचंद गोयल, पदम लुहारा, ओमप्रकाश गौतम, गिरिराज जाट, जमादार लालचन्द, जोंटी नकवाल एवं लक्ष्मीचंद शर्मा सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, पार्षद व नगरपालिका के सफाई कर्मचारी मौजूद थे।

3 घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी

निवाई। मंगलवार को विद्युत लाइनों के रखरखाव के चलते 3 घंटे विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। विभाग के कनिष्ठ अभियंता धनराज यादव ने बताया कि सुबह 7 से 10 तक श्यामाप्रसाद मुखर्जी नगर, काली का बाग रोड, 80 फीट रोड, वेयर हाउस क्षेत्र, दशहरा मैदान, कीर कॉलोनी, टोंक रोड, खारी कुई, बस स्टेण्ड व मालियों का मोहल्ला सहित आसपास के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

व्यापारियों को किए फूल भेट

पावटा। देश के प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों एवं जीएसटी दरों में की गई कमी के लागू होने के उपलक्ष्य में विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ ने पावटा कस्बे के मुख्य बाजारों में व्यापारियों और ठााहकों के बीच जाकर जनसंपर्क किया व कारोबारी प्रतिष्ठानों में जाकर कारोबारियों और वहां मिले ठााहकों से बात की और जीएसटी सुधारों पर उनकी प्रतिक्रिया जानी। उन्होंने व्यापारियों को जीएसटी की घटी दरों को लेकर गुलाब का फूल दिया और साथ ही कहा कि जीएसटी की घटी दरों का लाभ ठााहकों को जरूर दीजिए जिससे आपका कारोबार और समृद्ध होगा।आपका बाजार और मजबूत होगा।

मुझे नहीं पता कि ये मेरी सर्वश्रेष्ठ पारी है या नहीं, क्योंकि जब आप 413 रन का पीछा करते हैं तो आपके पास खेलने के लिए कोई और गियर नहीं होता। छक्के लगाने के मामले में शायद हां, लेकिन मैं इसे सर्वश्रेष्ठ नहीं मानूंगी। – **स्मृति मंधाना**

भारतीय महिला क्रिकेटर, विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **शाहिद आफरीदी**

हालांकि, वह कोहली का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने के बाद भी खुश नहीं थीं। क्योंकि उन्होंने इसे अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी नहीं करार दिया। स्मृति मंधाना ने कहा कि, मुझे नहीं पता कि ये मेरी सर्वश्रेष्ठ पारी है या नहीं, क्योंकि जब आप 413 रन का पीछा करते हैं तो आपके पास खेलने के लिए कोई और गियर नहीं होता। छक्के लगाने के मामले में शायद हां, लेकिन मैं इसे सर्वश्रेष्ठ नहीं मानूंगी। जब भी आप शतक बनाते हैं और टीम जीतती है मेरा मतलब है कि वह एक यादगार पारी बन जाती है।

क्या आप जानते हैं ?... दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को टैस्ट मैच के दूसरे दिन ही एक पारी और 21 रन से हराकर दो दिन में जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम का दर्जा मिला। इससे पहले इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया यह सम्मान पा चुकी है।

बास्केटबॉल अंडर-17 में दो श्रेणियों में जेपीआईएस ने जीता खिताब

जयपुर, 22 सितंबर। जयपुर में आयोजित पांच दिवसीय आईएसएसओ नेशनल गेम्स 2025-26 का भव्य समापन हुआ। इस प्रतिष्ठित खेल महोत्सव में देश-विदेश के 50 से अधिक अग्रणी विद्यालयों

के 1000 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया। जयपुर स्थित जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) ने इन खेलों की मेजबानी की। समापन दिवस पर बास्केटबॉल अंडर-17 के फाइनल मुकाबले खेले गए, जिनमें जेपीआईएस ने शानदार जीत दर्ज करते हुए दोनों श्रेणियों-बालक एवं बालिका-में चैम्पियन बना। बालिका वर्ग (अंडर-17) के फाइनल में जेपीआईएस की बालिका टीम ने गुरुग्राम के दी श्री राम स्कूल को 38-17 के अंतर से पराजित किया। वहीं, बालक वर्ग (अंडर-17) के फाइनल मुकाबले में जेपीआईएस की टीम ने मुंबई के ओबेरॉय इंटरनेशनल स्कूल को 57-18 से हराकर खिताब जीता। इन निर्णायक जीतों ने जेपीआईएस के खिलाड़ियों की प्रतिभा, समर्पण और टीमवर्क को उजागर किया। विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी और बताया कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। विद्यालय की चेयरपर्सन, डॉ. जयश्री पेरीवाल ने विजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा, यह जीत हमारी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण की मिसाल है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी न केवल अकादमिक क्षेत्र में बल्कि खेल के क्षेत्र में भी नई ऊँचाइयाँ छू रहे हैं। इस अवसर पर समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफियां प्रदान की गईं और सभी प्रतिभागी विद्यालयों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आईएसएसओ नेशनल गेम्स 2025-26 ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि खेल युवा पीढ़ी को एकजुट करने और उन्हें जीवन मूल्यों से जोड़ने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम हैं।

जयपुर में होगा ग्रीन फिट मैराथन सीजन-2

जयपुर, 22 सितम्बर। पिंक सिटी जयपुर एक बार फिर दौड़ते कदमों की गूंज से सराबोर होने जा रहा है। 28 सितम्बर 2025 को रन फॉर ग्रीनर अर्थ के संदेश के साथ ग्रीन फिट मैराथन का दूसरा सीज़न

इस बार भी विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होगा। इस मैराथन का उद्देश्य लोगों को हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना भी है।राजस्थान की डिप्टी चीफ मिनिस्टर, दिया कुमारी मैराथन को फ्लैग ऑफ विद्याधर नगर स्थित सन एंड मून कॉम्प्लेक्स की पार्किंग से सुबह 5:30 बजे करेंगी। मैराथन का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय की लाइव परफॉर्मेंस होगी, जो धावकों को जोश और उमंग से भर देगी। ग्रीन फिट मैराथन में तीन श्रेणियां रखी गई हैं, जिनमें 3 किलोमीटर फन रन, 5 किलोमीटर टाइम्ड रन और 10 किलोमीटर टाइम्ड रन शामिल हैं। प्रतिस्पर्धी धावकों के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार भी रखे गए हैं। 5 किलोमीटर और 10 किलोमीटर श्रेणी में पुरुष और महिला वर्ग के लिए 50 हज़ार रुपए तक के नकद पुरस्कार रखे गए हैं।

हिंदायान जॉय राइड, जयपुर के लिए पंजीकरण शुरू

जयपुर, 22 सितम्बर। देशभर के साइक्लिंग प्रेमी अब हिंदायान जॉय राइड, जयपुर में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम रविवार, 7 दिसम्बर 2025 को आयोजित होने जा रहा है।

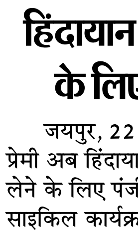

यह आयोजन विजय दिवस की याद में किया जा रहा है, जो 1971 के युद्ध में भारत की सैन्य विजय और बांग्लादेश के निर्माण का प्रतीक है। 20 किलोमीटर की यह साइकिल राइड अमर जवान ज्योति (जयपुर यूथ हॉस्टल के पास) से शहीदों को श्रद्धांजलि देकर शुरू होगी, जवाहर सर्कल तक जाएगी और फिर वापस अमर जवान ज्योति पर लौटेगी। यह आयोजन संडे ऑन साइकिल का हिस्सा है और इसमें भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का सहयोग है। मंत्रालय के सचिव ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्य सचिवों से अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में हिंदायान साइकिल अभियानों के लिए लॉजिस्टिक और पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करें। अब तक हिंदायान साइकिल कार्यक्रमों में केवल सेना और अर्धसैनिक बलों के सदस्य भाग लेते थे। ''पिछले साल जयपुर में हिंदायान ऑय राइड में भारतीय थलसेना और वायुसेना की टीमें शामिल हुई थी। इस साल पहली बार यह आयोजन स्कूल कॉलेज के बच्चों, युवाओं एवं आम नागरिकों के लिए भी खोला जा रहा है, ताकि यह स्मृति और राष्ट्रीय गर्व का व्यापक उत्सव बन सके। विश्व का स्थलमार्ग से चक्कर लगाने वाले पहले भारतीय कार्यक्रम आयोजक विष्णुदास चापके ने कहा कि पिछले आयोजनों में थलसेना, नौसेना, वायुसेना, टेरिटोरियल आर्मी, सीमा सुरक्षा बल, इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस और दिल्ली पुलिस की टीमें भाग ले चुकी हैं। इस बार आयोजकों की योजना है कि विधायक, विधान परिषद सदस्य और जयपुर नगर निगम के पार्षदों को प्रतीकात्मक छोटी राइड में शामिल किया जाए।

भारत बनाम पाकिस्तान अब प्रतिद्वंद्विता नहीं रही : यादव

दुबई, 22 सितंबर। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस धारणा को खारिज कर दिया है कि भारत बनाम पाकिस्तान मुकबला अब प्रतिद्वंद्विता है। सूर्यकुमार यादव ने रविवार रात पाकिस्तान को छह विकेट से हराने के बाद पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा, ''मैं इस सवाल पर एक बात कहना चाहूंगा। मुझे लगता है कि आपको प्रतिद्वंद्विता पर यह सवाल पूछना बंद कर देना चाहिए। इससे पहले उन्हें याद दिलाया गया कि सवाल प्रतिद्वंद्विता के बारे में बिल्कुल नहीं था। स्तर और प्रतिद्वंद्विता एक जैसी ही है। मेरे हिसाब से, अगर दो टीमें 15-20 मैच खेलती हैं और अगर आमने-सामने मुकाबला 7-7 या 8-7 का होता है, तो उसे प्रतिद्वंद्विता कहते हैं। लेकिन 13-0, 10-1... मुझे नहीं पता कि आंकड़े क्या हैं। लेकिन अब यह प्रतिद्वंद्विता नहीं रही। लेकिन हां, मुझे लगता है कि हमने उनसे बेहतर क्रिकेट खेला।''

रिकॉर्ड के लिए, भारत ने दुबई में 2022 में एशिया कप में पाकिस्तान से मिली पिछली हार के बाद से अब तक लगातार सात मैचों में सिर्फ़ पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान को हराया है। इस प्रतिद्वंद्वी के बारे में उनकी राय पूछे जाने से पहले, सूर्यकुमार ने बताया कि उन्हें खेल का निर्णायक दौर पाकिस्तान की पारी का आधा समय लगा जब पाकिस्तान ने दस ओवर में एक विकेट पर 91 रन बनाए थे, जो भारत के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय

मैचों में अब तक का उनका सर्वोच्च हाफटाइम स्कोर था। यही वह समय था जब सूर्यकुमार ने अपनी टीम को संभाला और अंपायरों ने ड्रिंक्स इंटरवल की घोषणा कर दी। इसके बाद, भारत ने अगले सात ओवरों में केवल 38 रन देकर पाकिस्तान पर लगाम कसी। इस टूर्नामेंट में 10-17 ओवरों के बीच बल्लेबाज़ी करने वाली टीमों का यह सबसे कम स्कोर है।

सूर्यकुमार ने कहा, ''मेरे हिसाब से, पहली पारी के पहले ड्रिंक्स में टर्निंग पॉइंट आया। उसके बाद लोगों ने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदल दी। आप हमेशा पावरप्ले के बाद खेल में बदलाव देखते हैं। लेकिन आज, दस ओवर के बाद खेल बदल गया, जब गेंदबाजो ने अपनी लाइन और लेंथ बदली, उस स्थिति में क्या ज़रूरी था, यह समझा और थोड़ी ज्यादा ऊर्जा दिखाई। स्पिनरों ने अच्छी गेंदबाजी की। और मेरे हिसाब से, शिवम दुबे का स्पैल, आप कह सकते हैं कि यह एक टर्निंग पॉइंट था।''

सूर्यकुमार ने शिवम दुबे के बारे में कहा, ''मुझे लगता है कि वह सभी अभ्यास सत्रों में अपनी गेंदबाजी पर बहुत मेहनत कर रहा है। और यह एक बेहतरीन मैच था जहां उसे अवसर मिला। वह हमेशा कम से कम दो ओवर गेंदबाजी करना चाहता था। और आज उसे अपने कोटे के ओवर गेंदबाजी करने का अवसर मिला, इसलिए वह बहुत खुश था। और जिस तरह से उसने अच्छा प्रदर्शन किया, मुझे लगता है कि उसकी योजनाएं बहुत स्पष्ट थीं। मैं केवल नेट्स पर ही बल्लेबाजी कर रहा होता हूं जब वह बहुत गेंदबाजी करता है। वह सभी सही बल्लेबाजो को गेंदबाजी करता है। कभी-कभी नई गेंद से भी गेंदबाजी करता है। इसलिए उसकी तैयारी हमेशा बेहतरीन होती है। और जब भी उसे आज जैसा अवसर मिलेगा, मुझे लगता है कि वह हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहेगा।''

अभिषेक शर्मा के नाम बड़ा कीर्तिमान, टी-20 में तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 22 सितंबर। एशिया कप 2025 सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कमाल की पारी खेली। भारत को जीत के लिए इस मैच में 172 रन का टारगेट मिला था और अभिषेक ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी के बलबूते इस लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया।वहीं अभिषेक ने इस मैच में 39 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 76 रन की पारी खेली और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 189.74 का रहा। अपनी पारी में लगाए 5 छक्कों की मदद से अभिषेक ने क्रिस गेल को पछाड़ दिया और नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अभिषेक ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 5 छक्के लगाए और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने अपने 50 छक्के भी पूरे कर लिए। अभिषेक ने ये 50 छक्के सिर्फ 20 पारियों में लगाए और टी20 में सबसे कम पारियों में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने साथ ही इविन लुईस की बराबरी पर भी आ गए। लुईस ने ये कमाल 20 पारियों में किया था। अभिषेक क्रिस गेल से आगे निकल गए जिन्होंने 25 पारियों में टी20 में 50 छक्के लगाए थे।

फाइनल के लिए दावा पेश करने उतरेगी श्रीलंका-पाकिस्तान

अबू धाबी 22 सितंबर। एशिया कप 2025 में सुपर-4 चरण में मंगलवार को पाकिस्तान और श्रीलंका जीत हासिल कर टूर्नामेंट में वापसी करने और फाइनल के लिए अपना दावा भी पेश करने के लिए मैदान में उतरेंगी।

पाकिस्तान, जो इस मैदान पर पिछले छह मैच जीतकर, जिनमें श्रीलंका के खिलाफ तीन मैच भी शामिल हैं, लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, के लिए चुनौती अपनी लय को जारी रखने की है। वहीं श्रीलंका के लिए यह केवल विरोधी टीम के खिलाफ ही नहीं, बल्कि अबू धाबी में पिछले पांच मैच हार चुकी निराशाजनक यादों के सिलसिले के खिलाफ भी एक जंग है। श्रीलंका को बंगलादेश के हाथों हार नसीब हुई जबकि पाकिस्तान को टूर्नामेंट में दूसरी बार भारत से हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका सुपर-4 चरण में जीत की हैट्रिक लगाकर पहुंची थी, ऐसे में बंगलादेश के खिलाफ मिली हार से सबक लेकर श्रीलंका की टीम वापस जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी।

श्रीलंका की टीम मजबूत नजर आ रही है। इस समय पाकिस्तान के बल्लेबाज और गेंदबाज अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं हैं। प्रमख तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का गेंद के साथ प्रदर्शन पाकिस्तान के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

पथुम निसंका ने इस टूर्नामेंट में अब तक श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 136 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में कम से कम 100 रन बनाने वाले बल्लेबाजो में सिर्फ अभिषेक शर्मा और मोहम्मद नबी का स्ट्राइक रेट ही निसंका से अधिक है। अभिषेक ने जहां 208.43 के स्ट्राइक रेट से 173 रन बनाए हैं, वहीं नबी ने 171.42 के स्ट्राइक रेट से 108 रन बनाए हैं। वहीं निसंका के बल्ले से 136 रन 148.97 के स्ट्राइक रेट से निकले हैं।

शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों को अक्सर सफलता मिली है पिछले 20 मैचों में से 13 में जीत हासिल की है। हालांकि मुकाबला कांटे का होने की उम्मीद है, लेकिन पलड़ा पाकिस्तान के पक्ष में थोड़ा झुका हुआ है। हालांकि श्रीलंका एक ऐसे मुकाबले में इतिहास पलटने की कोशिश करेगा।

अगले मुकाबले के लिए पाकिस्तान की संभावित एकादश: सलमान आगा (कप्तान), सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, फखर जमान, हुसैन तलत, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और अबरार अहमद।

श्रीलंका की संभावित एकादश: चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, कुसल परेरा, दासुन शनाका, कामिंडु मेंडिस, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललेज, दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा

बेशर्मी की हद... पहले आतंकी इशारे किए फिर कहा मुझे फर्क नहीं पड़ता : फरहान

नई दिल्ली, 22 सितंबर। बार-बार भारत के हाथों हार मिलने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आते पाकिस्तान खिलाड़ी। एशिया कप 2025 में लगातार दूसरी बार हार झेलने के बाद भी बेशर्मी दिखा रहे पाकिस्तानी खिलाड़ी।

पाकिस्तान को भारत की धमाकेदार जीत का जश्न दुनियाभर में मौजूद हिन्दुस्तानी फैंस मना रहे हैं। भारतीयों के भीतर पाकिस्तान को हराने का जितनी खुशी है उतना ही गुस्सा भी है। पाकिस्तानी बैटर साहिबजादा फरहान के गन स्टाइल सेलिब्रेशन पर विवाद अब बढ़ता जा रहा है।भारतीय फैंस का कहना है कि इस गन सेलिब्रेशन से साहिबजादा फरहान पहलगाम आतंकी हमले के जख्मों को कुरेदना चाहते थे। मैच के दौरान ये घटिया हरकत करने वाले साहिबजादा फरहान अब घिनौना बयान देकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं।

वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान साहिबजादा फरहान ने कहा कि, मुझे लगता है कि अगर आप छक्कों की बात करें तो आप भविष्य में ऐसा देखेंगे। और वह (जश्न) उस समय बस एक पल था। मैं 50 रन बनाने के बाद ज्यादा जश्न नहीं मनाता। लेकिन अचानक मेरे दिमाग में आयो कि चलो आज जश्न मनाते हैं। मैंने वैसे ही किया। मुझे नहीं पता कि लोग इसे कैसे लेंगे। मुझे इसकी परवाह भी नहीं है और बाकी आप जानते हैं। आपको जहां भी खेलना है आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिए। जरूरी नहीं कि वह भारत ही हो। आपको हर टीम के खिलाफ आक्राम क्रिकेट खेलना चाहिए जैसा हमने आज खेला। वहीं श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान की आगे की क्या रणनीति होगी इस पर उन्होंने कहा कि टीम ने पहले पावरप्ले में काफी विकेट गंवाए थे। इसमें सुधार करना जरूरी है। साथ ही ये भी सुनिश्चित करना होगा कि पहले 6 ओवर्स में रन बनाए जाएं।

अंडर-19 चैलेंजर ट्रॉफी

नावेद ने 7 छक्के ओर 4 चौके की मदद से शतक लगाया

जयपुर, 22 सितंबर। टीम बी – टीम एच (टीम एच 8 विकेट से जीती), टीम बी पारी 179/9, टीम के लिए रजत 80 रन। टीम एच के गेंदबाज पर्व, आशीष, अमन 2 -2 विकेट। टीम एच पारी 180/2, टीम के लिए अमित भारद्वाज 81, समीर गंगवाल 8 रन। टीम बी के गेंदबाज अभिषेक मूंड 38 /2 विकेट। टीम एफ – टीम डी (टीम एफ 106 रन से जीती), टीम एफ पारी रक्षित लुनावत 70, भव्य राज 36, आदित्य 33 रन, टीम डी के गेंदबाज रोहित सिगर व उदय सिंह 2 -2 विकेट।

टीम डी पारी 118 आल आउट, टीम के लिए आदित्य 32 व ओसनिक 30 रन। टीम एफ के गेंदबाज भव्य राज 11/3 व जगदीश 11/2 विकेट। टीम सी – टीम ई (टीम ई 3 विकेट से जीती), टीम सी पारी 223 आल आउट। टीम के लिए देवांश जसवाल 80, सचिन सेन नाबाद 42 रन। टीम ई के गेंदबाज केतन 42/3, दिव्यांश,जयवर्धन 2 -2 विकेट।

टीम ई पारी 227/7, टीम के लिए दीपेश नाबाद 112 व कुश 59 रन, टीम सी के गेंदबाज दिव्यांश 47 /2 विकेट। टीम जी – टीम ऐ (टीम जी 14 रन से जीती), टीम जी पारी नावेद खान 100, सुनील दुलार 97 रन

टीम ऐ के गेंदबाज प्रखर शर्मा 32 /3 विकेट। टीम ऐ पारी 238/8, टीम के लिए कविश घोणावत 108, अनितराज 44 रन, टीम जी के गेंदबाज शुभांकर त्यागी 40/3, धीरज, नावेद 2 -2 विकेट लिए।

राज्य स्तरीय अंडर-23 (प्री-क्वार्टर फाइनल मैच)

जयपुर 6 विकेट से जीती, ताम्बी का अर्द्धशतक

जयपुर, 22 सितंबर। अजमेर पारी 212/9, टीम के लिए राजुल गैंगवार 68 रन। जयपुर के गेंदबाज शुभम खंडेलवाल 19/3, मेहुल पारीक व आयुष अमेरिया 2-2 विकेट। जयपुर पारी 214/4, टीम के लिए जयंत ताम्बी 86, राज शर्मा नाबाद 39, भावित कुमावत नाबाद 31 रन। अजमेर के गेंदबाज प्रतिर विरंजनी 26/3 विकेट।

नागौर – जैसलमेर (नागौर 134 रन से जीती), नागौर पारी 298/9, टीम के लिए ललित शेरावत 108, पुखराज कुमार 51 रन। जैसलमेर के गेंदबाज गुलाब 52/3, संजय, गणेश 2 -2 विकेट। जैसलमेर पारी 164 आल आउट, टीम के लिए आदित्य लूना 58 रन। नागौर के गेंदबाज रौनक गौड़ 44/4, दिव्य प्रताप,राहुल 2 -2 विकेट।

जोधपुर – हनुमानगढ़ (जोधपुर 203 रन से जीती) जोधपुर पारी 289/5, टीम के लिए भवानी सुथार 135, युवराज 72 रन। हनुमानगढ़ के गेंदबाज उत्कृष्ट 50/2 विकेट। हनुमानगढ़ पारी 86 आल आउट। जोधपुर के गेंदबाज सोयब 21/5,भौमिक 13/4 विकेट।

उदयपुर – टोंक (उदयपुर 74 रन से जीती), उदयपुर पारी 163 आल आउट। टीम

के लिए विश्वजीत 44, पुष्पेंद्र 32 रन। टोंक के गेंदबाज मो साद 22/3 ,गणेश सुथार 36/3 विकेट। टोंक पारी 89 आल आउट। उदयपुर के गेंदबाज पुष्पेंद्र 17/3, केतन शर्मा, विश्वजीत व ऋतिक 2 -2 विकेट।

झुंझनू -सीकर (झुंझनू 19 रन से जीती) झुंझनू पारी 274/7, टीम के लिए शुभम सिंह 114 रन। सीकर के गेंदबाज हिमांशु जांगिड़ 58/4, अंकित कुमार 58 /2 विकेट।सीकर पारी 255 आल आउट। टीम के लिए धर्मवीर सैनी 116, अंकित कुमार 46 रन झुंझनू के गेंदबाज अंकुश कुमार 37/5 विकेट।

भीलवाड़ा – बीकानेर (भीलवाड़ा 37 रन से जीती) भीलवाड़ा पारी 255 आल आउट। टीम के लिए सर्वज्ञ पानेरी 87, कृष्णा 67 रन बीकानेर के गेंदबाज विशाल 38/3 व अपूर्व शर्मा 47 /3 विकेट। बीकानेर पारी 218 आल आउट। टीम के लिए जयंत गथर 72 व सचिन लखेसर 51 रन भीलवाड़ा के गेंदबाज अनिल दारा 43/4, अपूर्व शर्मा 47 /3 विकेट।

बाड़मेर – अलवर (बाड़मेर 130 रन से जीती), बाड़मेर पारी 254/9, टीम के लिए दरबार 94,सौरभ 59 रन। अलवर के गेंदबाज सचिन यादव 54/3,तशरीफ़ 51 /2 विकेट। अलवर पारी 124 आल आउट। टीम के लिए नितिन 36 व सौरभ 33 रन, बाड़मेर के गेंदबाज राहुल चौधरी 12/3, श्रवण, प्रवीण, दीपेंद्र 2-2 विकेट।

करौली – श्रीगंगानगर (श्रीगंगानगर 7 विकेट से जीती) करौली पारी 172 आल आउट। टीम के लिए गाज़ी खान 38, श्रीगंगानगर के गेंदबाज दिग्विजय सहारण 25/4 व हिमांशु शर्मा 48 /2 विकेट। श्रीगंगानगर पारी 176/3, टीम के लिए शोभित मिश्रा 82 व राहुल गर्ग 60 रन।

टीम को पिछली हारों पर ध्यान नहीं देकर, आगे बढ़ना होगा : उपेन्द्र मलिक

जयपुर, 22 सितंबर। यूपी योद्धा के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने कहा है कि टीम को पिछली हार पर ध्यान न देते हुए आगे बढ़ने की जरूरत हैं। यूपी योद्धा सोमवार को जयपुर के एसएमएस इंडोर स्टेडियम में तमिल थलाइवाज से मुकाबला करेंगे। यूपी योद्धा का अब तक का अभियान मुश्किल रहा है, उन्होंने अपने छह मैचों में केवल चार अंक ही जुटाए हैं। वे लगातार चार मैच हारे हैं और अगर उन्हें अपना सीजन जारी रखना है तो उन पर जल्द से जल्द स्थिति बदलने का दबाव है।

सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने स्वीकार किया कि हालिया नतीजे टीम के लिए कठिन रहे हैं, लेकिन उन्होंने शिविर के भीतर सकारात्मक माहौल बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। बंगाल वॉरियर्स से हार के बाद मलिक ने कहा, ''एक कोच के तौर पर, यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि टीम सकारात्मक सोच में रहे, खासकर मुश्किल दौर में। खिलाड़ियों को यह विश्वास होना चाहिए कि हर नया मैच एक नया अवसर है। पिछली हारों पर ध्यान देने से कोई फायदा नहीं होगा, इसलिए हमारा ध्यान हमेशा आगे बढ़ने पर है।''

वॉरियर्स के खिलाफ मैच को याद करते हुए, मलिक ने बताया, ''हमारी शुरुआत अच्छी रही और शुरुआती दौर में हमारे डिफेंस ने जिस तरह से काम किया, उससे मैं खुश हूँ। लेकिन जब मैच नज़दीकी दौर में होता है, तो धैर्य ही सबसे ज़रूरी होता है। कुछ मौकों पर हम थोड़ा संयम खो बैठे और उन गलतियों की वजह से हमें अंक गँवाने पड़े। अगर हमने थोड़ा और अनुशासन और संयम दिखाया होता, तो मैच हमारे पक्ष में जा सकता था।'' मलिक ने कहा कि पीकेएल जैसी प्रतिस्पर्धी लीग में निरंतरता और एकाग्रता बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा, ''आप केवल कुछ हिस्सों में अच्छा खेलकर जीत की उम्मीद नहीं कर सकते, चाहे वह पांच, 10 या 20 मिनट ही क्यों न हों। कबड्डी में पूरे 40 मिनट तक खेल पर ध्यान केंद्रित रखना ज़रूरी है। डिफेंस और ऑफेंस, दोनों को पूरे समय एक साथ काम करना होगा। एक भी चूक मैच का रुख बदल सकती है। इसलिए मैं खिलाड़ियों से कहता रहता हूं कि भले ही हमने कुछ हिस्सों में अच्छा खेला हो, लेकिन अगर हम हार गए तो यह मायने नहीं रखता। हार तो हार है, और हमें इसे स्वीकार करना होगा। अहम मौकों पर धैर्य की कमी ही उस मैच का अंतर थी।''

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
RISING RAJASTHAN
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025

राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट
पाँचवाँ चरण

आवेदन एवं EMD की अन्तिम तिथि: 26 सितम्बर, 2025 (सायं 6 बजे तक)

ई-लॉटरी: 03 अक्टूबर, 2025

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखण्ड

121 भूतपूर्व सैनिक
225 महिला वर्ग
148 बेंचमार्क दिव्यांगता
249 अनुसूचित जाति/जनजाति
69 सशस्त्र बलों/अर्द्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित
102 औद्योगिक क्षेत्र
6,208 कुल औद्योगिक भूखण्ड
5,396 अनारक्षित भूखण्ड
39 नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्ड

अन्तिम 4 दिन शेष

आवंटन की प्रक्रिया
एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

पात्रता - निवेशक जिन्होंने 27/08/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस स्कीम में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।

आवेदन हेतु स्कैन करें

भूखण्ड की राशि का भुगतान
*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या
120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण
5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

औद्योगिक क्षेत्रों में नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों के आवंटन से संबंधित पॉलिसी riico.rajasthan.gov.in पर देखें।

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए https://riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।
*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

राज.संवाद/सी/25/10566

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005
हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
riico.rajasthan.gov.in · riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

मुख्यमंत्री भजनलाल ने नवरात्र स्थापना पर पूजा की

जयपुर, 22 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर सोमवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राज राजेश्वरी मंदिर में सपत्नीक विधिवत रूप से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा की आराधना करते हुए प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति और समृद्ध जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि शक्ति और सेवा की प्रतीक मां दुर्गा का आशीर्वाद सदैव प्रदेश पर बना रहे, यही प्रार्थना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे और सभी ने एकजुट होकर मां दुर्गा से प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री शर्मा ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व आत्मशक्ति, साधना और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, जो हमें सत्कर्म और सेवा के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

- **प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति और समृद्ध जीवन की कामना की।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नवरात्रि के शुभारम्भ पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राज राजेश्वरी मंदिर में पत्नी के साथ पूजा की।

भारत अंतरिक्ष में 50 बॉडी गार्ड सैटलाइट भेजेगा

नई दिल्ली, 22 सितंबर। भारत अब अंतरिक्ष में मौजूद अपने उपग्रहों को बाहरी खतरों से बचाने के लिए एक नई योजना पर काम कर रहा है। इस योजना का मकसद दुश्मन देशों के उपग्रहों से होने वाले संभावित हमलों को रोकना है।यह कदम इसलिए तेजी से उठाया जा रहा है, क्योंकि हाल ही में एक विदेशी उपग्रह भारत के एक उपग्रह के बेहद करीब आ गया था।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ऐसे बॉडीगार्ड उपग्रहों को बनाना चाहती है, जो भारतीय उपग्रहों के आसपास रहकर उन्हें खतरे से बचा सकें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को पहचान सकें। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि 2024 के मध्य में एक पड़ोसी देश का उपग्रह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक उपग्रह के महज एक किलोमीटर पास से गुजरा। यह इसरो का वो उपग्रह था, जो धरती पर निगरानी और मानचित्रण जैसे काम कर रहा था, जिनका उपयोग रक्षा क्षेत्र में भी होता है। उपग्रहों की टक्कर नहीं हुई लेकिन जानकारों का मानना है कि यह इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक तरह का शक्ति प्रदर्शन था। यानी दूसरा देश अंतरिक्ष में अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहता था। इस घटना ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अंतरिमक्ष मौजूद खतरे को उजागर कर दिया।

'अब समय आ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखा था, जब सुब्रमण्यम स्वामी, राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल सहित कई नेताओं ने इसकी संवैधानिकता को चुनौती दी थी।

वर्तमान मानहानि मामला "द वायर" की एक खबर से संबंधित है, जिसमें कहा गया था कि प्रोफेसर अमिता सिंह जेएनयू के उन शिक्षकों के समूह की अगुवाई कर रही थीं जिन्होंने एक 200 पन्नों का डोज़ियर तैयार किया था, जिसमें जेएनयू को "व्यवस्थित देह व्यापार का अड्डा" बताया गया था।

खबर के अनुसार, इस डोज़ियर का शीर्षक था, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, अलगाववाद और आतंकवाद का अड्डा।

इस लेख में यह भी कहा गया था कि यह डोज़ियर जेएनयू प्रशासन को सौंपा गया था, जिसमें कुछ शिक्षकों पर भारत में अलगाववादी आंदोलनों को वैधता देकर जेएनयू में पतनशील संस्कृति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया था।

"द वायर" के लेख के अनुसार, प्रोफेसर सिंह इस डोज़ियर को तैयार करने वाले शिक्षकों के समूह की अगुवाई कर रही थीं।(इसके बाद वर्ष 2016 में प्रोफेसर सिंह ने द वायर और उसके रिपोर्टर के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया था।

फरवरी 2017 में एक मजिस्ट्रेट ने इस मामले में पोर्टल को समन जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल उस समन को रद्द कर दिया था और मजिस्ट्रेट को समाचार लेख की जांच के बाद नया फैसला लेने का निर्देश दिया था।

इस वर्ष जनवरी से, मजिस्ट्रेट ने फिर से द वायर और इसके राजनीतिक मामलों के संपादक अजॉय आशीरवाद महाप्रस्थ को समन जारी किया। दिल्ली हाई कोर्ट ने 7 मई को उस समन को सही ठहराया, जिसके बाद यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के समक्ष है।

सोमवार को, सुप्रीम कोर्ट ने सबसे पहले मामले के लम्बे समय से लंबित रहने पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा, आप इसे कब तक घसीटते रहेंगे? इस पर सिब्बल ने कहा, इसी तरह का मामला राहुल गांधी का भी विचाराधीन है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में नोटिस जारी किया।

90 करोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपियों को जमानत नहीं दी जाए। आरोपियों ने जमानत अर्जी में कहा था कि उन्हें केस में झूठा फंसाया है, उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है और उनके फरार होने की संभावना नहीं है। इसलिए उन्हें जमानत दी जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर आरोपियों की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया।

बिहार के चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन बिहार, जहाँ दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों के मुद्दों का राजनीति में दबदबा रहता है, वहां कानूनी पहलुओं से ज्यादा अहमियत राजनीतिक नैरेटिव की होती है। हालिया विवादों के चलते, अडानी समूह विपक्ष को एक ताकतवर मुद्दा देता दिख रहा है।

2023 में "हिंडनबर्ग रिसर्च" द्वारा स्टॉक हेराफेरी और धोखाधड़ी के आरोपों के अलावा, कम्पनी कई गलत कार्यों के सिलसिले में खबरों में रही है। गत वर्ष अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ सिक्योरिटीज फ्रॉड और रिश्वत के आरोप (सोलर प्रोजेक्ट से जुड़े) लगाये गये थे। इसके अलावा, इन रिपोर्टों पर भी बहुत हो-हल्ला हुआ था कि अडानी ग्रुप इज़रायल को ड्रोन निर्यात कर रहा है।

इससे पूर्व, भाजपा-शासित असम में, ग्रामवासियों ने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन करते हुये आरोप लगाये थे कि अडानी ग्रुप "वन संरक्षण कानूनों" का उल्लंघन कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा को डैमेज कंट्रोल के रूप में देखा जा रहा है। जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आते हैं, एनडीए, और विशेष रूप से पीएम मोदी की ओर से, पूर्वी राज्य की सत्ता में बने रहने के लिये, आक्रामक चुनावी रणनीतियाँ सामने आने की उम्मीद है।

लेकिन फिलहाल, विपक्ष के हौसले बुलंद है।

पाक वायुसेना ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बम गिराये। ग्रामीणों का कहना है कि इस बमबारी से गांव पूरी तरह से तबाह हो गया। बारुद से जले शव घरों और सड़कों पर बिखरे पड़े हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इन आरोपों की गहन जांच की मांग की है, और सशस्त्र संघर्ष के कानूनों का सम्मान करने, नागरिकों की सुरक्षा और किसी भी उल्लंघन के लिए जवाबदेही तय करने का आग्रह किया है।

सेना का कहना है कि इन हमलों का टारगेट तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का बम बनाने वाला ठिकाना था। लोकल पुलिस ने मीडिया को बताया कि टीटीपी के दो कमांडर, अमान गुल और मसूद खान बम बनाकर मस्जिदों में छिपा रहे थे।

एच-1बी वीज़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक अन्य वीडियो में विमान के कैप्टन को यात्रियों को संबोधित करते हुए सुना जा सकता है, जिसमें वे मौजूदा स्थिति को "अभूतपूर्व" बताते हैं और कहते हैं कि जो यात्री उतरना चाहते हैं, वे उतर सकते हैं।

कैप्टन ने कहा, "लेडीज़ एंड जेंटलमैन, यह आपके कैप्टन की आवाज़ है। मौजूदा हालात, जो हमारे लिए भी अभूतपूर्व हैं, को देखते हुए हमें जानकारी है कि कुछ यात्री इस उड़ान में यात्रा नहीं करना चाहते। यह बिल्कुल स्वीकार्य है। हम बस इतना चाहते हैं कि यदि आप उतरना चाहते हैं, तो कृपया ऐसा कर सकते हैं।"

इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए एक यूज़र ने बताया कि कैसे घबराहट और अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, विशेष रूप से भारतीय यात्रियों के बीच।

एक यूज़र ने लिखा, इस शुक्रवार सुबह, सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट पर एमिरेट्स यात्रियों के लिए हालात बिल्कुल अफरातफरी वाले हो गए थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक आदेश पर हस्ताक्षर किए, जो नए और मौजूदा एच-एन बी वीज़ा धारकों, दोनों को प्रभावित करता है। इससे कई लोग, खासकर भारतीय यात्री, घबरा गए और उन्होंने विमान से उतरने का फैसला किया।"

उसने यह भी दावा किया कि विमान तीन घंटे तक वहीं रुका रहा और बाकी यात्री बस उड़ान के प्रस्थान का इंतज़ार करते रहे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने एच-वन बी वीज़ा शुल्क में बदलाव की घोषणा करते हुए कहा: "इस कार्यक्रम का उद्देश्य अमेरिका में अस्थायी, उच्च-कुशल कर्मचारियों को लाना था, ताकि वे मौजूदा अमेरिकी वर्कफोर्स के पूरक बन सकें। लेकिन इसका जानबूझकर दुरुपयोग किया गया है, ताकि अमेरिकी कर्मचारियों कीजगह कम वेतन और कम कौशल वाले श्रमिकों को लगाया जा सके।"

जीएसटी दरों में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले इस अर्थशास्त्री ने इस तरह की टैक्स प्रणाली पर गहरी पकड़ बनाई और लगातार मेहनत की।

देशभर में एक समान वस्तु कर लगाने का विचार आसानी से स्वीकार कर लिया गया, लेकिन सेवाओं पर कर लगाने को लेकर दिक्कत थी, सबसे बड़ा सवाल था कि किन सेवाओं पर टैक्स लगाया जाए। शुरुआत में केवल कुछ सेवाओं पर कर लगाया गया, जिसे धीरे-धीरे बढ़ाकर लगभग सभी सेवाओं तक पहुँचा दिया गया, यहाँ तक कि टेंट वालों तक। आखिरकार, जब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई भाजपा सरकार सत्ता में आई, तब तक नई जीएसटी लागू करने की पूरी रूपरेखा तैयार हो चुकी थी। ज़रूरत केवल केन्द्र और राज्यों में राजनीतिक सहमति की थी। मज़े की बात है कि जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने इस विचार का राजनीतिक विरोध किया था। लेकिन समय के साथ जब मोदी केन्द्र में प्रधानमंत्री बने, तो उनकी सरकार ने इसे लागू करने में अगुवाई की।जैसा कि होता है, जीएसटी प्रणाली की शुरुआत में कई गड़बड़ियाँ और दिक्कतें आईं। पूरी प्रणाली के लिए एक मज़बूत आईटी ढांचे क़ी जरूरत थी और शुरुआती महीनों और सालों में इसमें बार-बार दिक्कतें आती रहीं। सौभाग्य से, समय के साथ ये समस्याएँ दूर हुईं और जीएसटी ने अच्छे नतीजे देने शुरू कर दिए। अब, जब नई दरें लागू हो रही हैं, तो सौभाग्य से देश में इस समय त्योहारों का सबसे बड़ा मौसम है, शायद जानबूझकर ऐसा समय चुना गया है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि कैसे जीएसटी व्यवस्था में बदलाव से आम लोगों को राहत और खुशी मिलेगी और सरकार के बजाय, उनके पास ज़्यादा पैसा बचेगा।

दिल्ली दंगे मामले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाओं पर सोमवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, ए एम सिंघवी और अन्य की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद नोटिस जारी किया।

इन छात्रों को दंगों में एक बड़ी साज़िश रचने के आरोप में यू.ए.पी.ए. के तहत गिरफ़्तार किया गया था। खालिद और अन्य 2020 से दंगों के सिलसिले में जेल में हैं। पुलिस के मुताबिक, दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज़्यादा घायल हुए थे। अधिवक्ता सिंघवी ने अदालत से अंतरिम ज़मानत याचिका पर भी नोटिस जारी करने का अनुरोध किया।

उन्होंने दावा किया कि याचिकाकर्ता छात्र हैं जो पाँच साल से जेल में हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने मामले में जल्द सुनवाई की माँग की, ताकि पाँच साल से जेल में बंद याचिकाकर्ता दिवाली से पहले बाहर आ सकें।

इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि वह मुख्य याचिका पर ही विचार करेगी। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए सात अक्टूबर निर्धारित की है।

पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई पहले स्थगित कर दी गई थी क्योंकि पीठ के सदस्य न्यायमूर्ति मनमोहन, सिब्बल के चैंबर से जुड़े होने के कारण सुनवाई से अलग होना चाहते थे।

चीन ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप के एच-1बी वीज़ा का तोड़ निकालते हुए चीन ने अपनी वीज़ा कैटेगरी में 'के वीज़ा' को शामिल करने का फैसला किया है। इस वीज़ा के जरिए चीन दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी से जुड़े प्रोफेशनल्स को बुलाने की तैयारी में है।

चीनी न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 'के वीज़ा' से जुड़े नए नियम आगामी 1 अक्टूबर से लागू हो जाएंगे। बता दें कि चीन में पहले से 12 तरह के वीज़ा मिलते हैं। वहीं, अब इस लिस्ट में 'के वीज़ा ' का नाम भी शामिल होने वाला है।

चीन के 12 अन्य वीजा की तुलना में 'के वीज़ा ' बिल्कुल अलग होगा। 'के वीज़ा ' के जरिए चीन में एंट्री लेने वाले लोग शिक्षा, कल्चर, विज्ञान और तकनीकी के अलावा बिजनेस जैसे क्षेत्रों में हिस्सा ले सकेंगे।

हालांकि, यह वीज़ा हासिल करने के लिए चीन कुछ योग्यताएं निर्धारित करेगा। इसके लिए वीजा धारक को कुछ जरूरी दस्तावेज भी जमा करने होंगे।चीन कुछ विशेष आयु वर्ग वाले, बेहतर शिक्षा, योग्यता और अनुभवी लोगों को ही 'के वीज़ा ' देगा।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में सुप्रीम कोर्ट का केन्द्र को नोटिस

नयी दिल्ली, 22 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने अहमदाबाद में 12 जून, 2025 को हुए एयर इंडिया बोइंग ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटना मामले की शीर्ष अदालत की निगरानी और नियंत्रण में स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिका पर केन्द्र और अन्य को सोमवार को नोटिस जारी किया। इस दुर्घटना में 260 लोगों की मृत्यु हो गई थी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कैप्टन अमित सिंह द्वारा स्थापित विमानन सुरक्षा एनजीओ सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन की याचिका केंद्र सरकार और अन्य से जवाब जवाब तलब किया। याचिकाकर्ता की ओर से दलीलें देते हुए वकील प्रशांत भूषण ने दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी ठहराने वाली रिपोर्टों का मुद्दा उठाया।

MODEL	S-PRESSO	ALTO K10	CELERIO	WAGONR	SWIFT	DZIRE	BREZZA	ERTIGA	EECO
REDUCTION IN PRICE^ (₹) UP TO	129 600	107 600	94 100	79 600	84 600	87 700	112 700	46 400	68 000
NOW STARTING AT^ (₹)	349 900	369 900	469 900	498 900	578 900	625 600	825 900	880 000	518 100
ADDITIONAL FESTIVE OFFERS* (₹) UP TO	60 000	70 000	65 000	75 000	70 000	5 000	56 000	7 500	45 000

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908